वर्ष 73 अंक 207 पृष्ठ 12
रीवा, रविवार 26 अप्रैल, 2026
वैशाख शुक्ल पक्ष 10, विक्रम संवत् 2083
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण Sunday

www.dainikjagranmpcg.com

बेंगलुरु में आरसीबी की 50वीं जीत (पेज : 11)

स्वच्छ सर्वेक्षण की हुई शुरुआत जल्द आएगी सर्वे टीम

निगमायुक्त ने अमले को सफाई का विशेष ध्यान रखने का कहा

जागरण,रीवा। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 मिशन अंतर्गत सर्वे शनिवार से शुरू हो गया है। टीम कभी भी शहर पहुंच विभिन्न चरणों में सर्वे कार्य शुरू कर सकती है। निगम अमले को अलर्ट मोड पर रहने का कहा गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर निगमायुक्त अक्षत जैन ने स्वचछता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, विजिटर टीम शहर की सफाई व्यवस्था का किसी भी समय भ्रमण किया जा सकता है। इसलिए शहर की सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से ध्यान रखते हुए नवीन टूलकिट के अनुसार कार्य करना है। निगम जागरूकता के साथ उद्यानों, जल संरचनाओं की विशेष रूप से सफाई कार्य, कचरा पृथ्कीकरण अंतर्गत गीला व सूखा कचरा अलग संगृहीत किए जाने का कार्य साथ ही स्वच्छता अभियान अंतर्गत शहर के नागरिकों की भी मुख्य भूमिका रहेगी।

टॉप 5 में आया था रीवा : रीवा शहर पिछली बार सुपर स्वच्छता लीग अंतर्गत 50 हजार से 3 लाख आबादी वाले शहरों में टॉप 5 फाइव पर था, इसके साथ ही 5 स्टार रेटिंग भी निगम को मिली थी। निगम प्रशासन इस वर्ष उछाल मारने के लिए तैयार है व टॉप वन में आने का दावा किया जा रहा है।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

पाइप लाइन दुरुस्त करने के बाद खोदे गड्ढे में ऊपर से मिट्टी डाल गए

आवागमन में हो रही परेशानी, दोबारा पलटकर नहीं आए

जागरण, रीवा। शहर के सिरमौर चौराहे पर पिछले कुछ दिनों से फूटी पेयजल पाइप लाइन से जल प्रदाय के दौरान पानी बह रह रहा था, जिससे यहां की सड़क उखड़ गई थी और सड़क पर गड्ढा हो गया था, जिसको दुरुस्त करने गत दिवस यहां जेसीबी से सड़क का खनन किया गया, दिन भर कार्य चला, रात को भी यहां कार्य चला, शनिवार सुबह यहां कार्य समाप्त करने के बाद कार्य करने वाले खोदे गए गड्ढे में उपर से मिट्टी डालकर लौट गए, इसके बाद वे न तो दिनभर दिखाई दिए न ही रात में। सड़क के बीच लगे मिट्टी के ढेर के कारण के यहां से आवागमन बाधित हो रहा है, बार-बार जाम लगता रहा है, कितने दिनों तक यहां मिट्टी का ढेर लगा रहेगा फिलहाल कहा नहीं जा सकता। क्योंकि एक बार सड़क की खोदाई करने के बाद कार्य करने वाले दाबारा उक्त क्षेत्र की ओर पलटकर नहीं देखते।

नगर निगम में 1 मई से शुरू होगा बाल कौशल केंद्र का समर कैंप

बच्चों को मिलेगा विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण

जागरण, रीवा। नगर निगम रीवा द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए निगमायुक्त अक्षत जैन के निर्देश पर 1 मई से नगर निगम रीवा के बाल कौशल केंद्र के माध्यम से समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस समर कैंप में बच्चों को विभिन्न रचनात्मक एवं शारीरिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उनके हुनर और आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके। समर कैंप के अंतर्गत ताइक्वांडो, डांस, आर्ट एंड क्राफ्ट एवं म्यूजिक जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। आयोजकों के अनुसार, यह कैंप बच्चों को गर्मी की छुट्टियों का सही उपयोग करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करेगा। यह प्रशिक्षण गर्ल्स स्कूल, नगर निगम रीवा में आयोजित किया जाएगा। कैंप का समय प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे से 10:00 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि बच्चे सुबह के अनुकूल वातावरण में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

समर कैंप की शुल्क राशि प्रति गतिविधि 200 रुपये निर्धारित की गई है, जिससे अधिक से अधिक बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इच्छुक अभिभावक अपने बच्चों का पंजीकरण कराने हेतु नगर पालिक निगम कार्यालय के कक्ष क्रमांक 2 में संपर्क कर सकते हैं या मोबाइल नंबर 91 9111253636 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नगर निगम द्वारा अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को इस समर कैंप में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, जिससे उनके व्यक्तित्व एवं कौशल का समग्र विकास हो सके।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव का परिणाम राजेन्द्र पाण्डेय के सिर फिर सजा ताज

लगातार 7वीं बार जीत कर बनाया नया रिकार्ड

जागरण, रीवा। जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के परिणाम घोषित कर दिये गए हैं। राजेन्द्र पाण्डेय ने लगातार 7वीं बार जीत कर फिर से अध्यक्ष की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। उन्होंने अपने निकअतम प्रतिद्वंदी अशोक शुक्ला को 278 मतों के भारी अंतर से मात दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सूर्यनाथ पांडे द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक मतगणना का कार्य शुक्रवार की पूरी रात चला। दूसरे दिन कार्यकारिणी सदस्यों के मतगणना के दौरान शनिवार की शाम को कई सदस्यों द्वारा मत कम होने का आरोप लगाते हुए विवाद किया गया जिस कारण मतगणना का काम रोक दिया गया है और रविवार को नये सिरे मतगणना की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सूर्यनाथ पांडे द्वारा घोषित किये गये परिणाम के अनुसार जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र पाण्डेय को 829 मत मिले। उन्होंने अशोक शुक्ला को 278 मतों के अंतर हराया। उपाध्यक्ष पर कमलेश्वर तिवारी को 528 मत मिले। उन्होने मानवेन्द्र द्विवेदी को 152 मतों से हराया। सचिव पद पर सुलभ पाण्डेय को 486 मत मिले। उन्होंने धीरेन्द्र चतुर्वेदी को 60 मतों से हराया। सहसचिव पद पर अनिल तिवारी बिल्लू को 401 मत मिले। उन्होंने शिवालिका यादव को 132 मतों से हराया। ग्रंथपाल पद पर राममणि मिश्रा को 465 मत मिले। उन्होंने आनंद कुशवाहा को 118 मतों से हराया। कोषाध्यक्ष पद पर नीलम चतुर्वेदी 716 मत मिले। उन्होंने अंकिता पाण्डेय को 57 मतों के अंतर से हराया। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों ने सफलता पूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी सूर्यनाथ पाण्डेय सहित सभी सहायक निर्वाचन अधिकारी आबिद खान, राजेन्द्र सिंह, रेवा शंकर अवस्थी, मार्कण्डेय सिंह, अनिल श्रीवास्तव, कमलेन्द्र पाण्डेय, शब्देन्द्र सिंह और रघुवंश प्रताप सिंह के प्रति आभार जताया।

ग्रन्थपाल पद हेतु अभ्यार्थियों की सूची प्राप्त मत

आफताब आलम (बाबी)	135
अमित शुक्ला -	253
आनंद कुशवाहा	347
अनिल कुमार पाण्डेय	313
राजेन्द्र कुमार जायसवाल	155
राममणि मिश्रा	465
सतेन्द्र अग्निहोत्री	168
शिवपाल सिंह	234
शत्रुधन प्रसाद तिवारी	237

कोषाध्यक्ष पद पर किसको मिले कितने वोट

आभारानी पटेल	487
अंकिता पाण्डेय	659
नीलम चतुर्वेदी	716
डॉ. श्रद्धा सिंह	461

उपाध्यक्ष पद पर किसको मिले कितने वोट

अरुणा पटेल	255
बीडी द्विवेदी मुन्ना	307
कमलेश्वर प्रसाद तिवारी	528
मानवेन्द्र द्विवेदी मन्नू	376
नूरूल हसन खान	332
राजकिशोर चतुर्वेदी	214
रामाधार कुशवाहा	139
शारदा सिंह चौहानप	154

अध्यक्ष पद में किसको कितने वोट मिले

उम्मीदवार	प्राप्त मत
राजेन्द्र पाण्डेय	829
अशोक शुक्ला	551
बृजेन्द्र सिंह	529
संतोष अवधिया	148
ध्रुव नारायण शुक्ला	92
वीरेन्द्र द्विवेदी	65
नीरज वर्मा	33
देवी शंकर ओझा	39
प्रभात मिश्रा	20
कामता तिवारी	19
विजय विक्रम सिंह	13
संतोष द्विवेदी	11

सचिव पद पर किसको मिले कितने वोट

अरूण प्रताप सिंह	220
धीरेन्द्र चतुर्वेदी	426
दिनेश सेन	244
दिनेश कुमार त्रिपाठी	65
हेमलता पाण्डेय	155
केबी सिंह	276
मनीष सोहगौरा	163
शिवकुमार तिवारी	75
सुलभ पाण्डेय	486
त्रिगुणसेन तिवरी	233

सह सचिव पद पर किसको मिले कितने वोट

अनिल तिवारी बिल्लू	401
अनुराग प्रताप सिंह	182
आशीष कुमार पाण्डेय	237
अशोक कुमार द्विवेदी	180
भीमसेन पटेल	184
धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा	91
दिलीप सिंह बघेल	104
इंन्द्रेश सिंह राजागौतम	221
संजीव कुमार मिश्रा	60
शिवालिका यादव	269
शिवकुमार पाण्डेय शास्त्री	198
विवेक कुमार पाण्डेय छोटू	172

गर्मी में बारिश सा नजारा, साईं मंदिर के सामने नाली जाम

जागरण, रीवा। निगम आयुक्त ने शुक्रवार को ही शहर की नालियों के साथ ही नाले वगैरह की भी सफाई पर जोर देते हुए मातहतों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अस्वच्छता सहन नहीं की जाएगी। आयुक्त के आदेश के अगले ही दिन शहर के साईं मंदिर के सामने सड़क पर नाली का गंदा पानी भरा हुआ देखा गया। जिससे बचते-बचाते यहां से गुजरने वाले वाहन चालक निकलते रहे। आसपास के दुकानदारों ने बताया कि यहां इस प्रकार की स्थित नई बात नहीं है, हमेशा से यहां नाली जाम हो जाने से सड़क पर गंदगी भरा पानी भर जाता है और वाहन के पहियों से आसपास के दुकानदारों सहित निकलने वाले लोगों के ऊपर उड़कर उनके कपड़े आदि खराब करता रहता है। कई वाहन चालक तो जानबूझकर अपने वाहन तेज गति से निकलते हैं। इस समस्या से निगम के जिम्मेदार भी अनभिज्ञ नहीं है, किन्तु इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं खोजा जा रहा।

टमाटर के दामों ने पकड़ी अचानक तेजी, अन्य सब्जियों के रेट भी बढ़े

दलाल बता रहे आवक कम होने से हुई दामों में वृद्धि

जागरण, रीवा। शहर में शनिवार को अचानक से टमाटर के दामों ने तेजी पकड़ ली। कल तक 10 से 15 रूपए किलो तक बिकने वाला टमाटर अचानक शनिवार को 30 से रूपए किलो तक मण्डी में बिका, सब्जी व्यापारी ग्राहकों का माथा देखकर तिलक लगा रहे हैं, कोई ग्राहकों को 40 रूपए किलो टमाटर बेच रहा है तो कोई ग्राहकों को 50 रूपए किलो तक टमाटर दे रहा है। मजबूरी में महंगे हुए टमाटर ग्राहक खरीदने को मजबूर हैं। टमाटर के अलावा अन्य सब्जियों के दामों में भी बढ़त देखने को मिली, कद्दू जो 10 रूपए किलो बिक रहा था उसके दाम भी शनिवार को अचानक बढ़कर 30 रूपए किलो हो गए। हरी सब्जी के दामों में बढ़त हुई है। दुकानदारों ने बताया कि यहां जो माल मंगवाते हैं उनका कहना है आवक कम होने से दामों में वृद्धि हुई है।

सांसद विवेक तंखा ने पत्रकारों के साथ की चाय पर चर्चा

विभिन्न विकास कार्यों के लिए दिए 50 लाख रुपये

जागरण, रीवा। माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान माला में शामिल होने आए राज्यसभा सांसद विवेक तंखा शनिवार को समदड़िया होटल में पत्रकारों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए महिला आरक्षण बिल को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल तो 2023 में ही पारित किया जा चुका है। उसी बिल को केंद्र सरकार संसद में लाये और 28 की चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ लागू करें तो कांग्रेस पार्टी साथ देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इतनी मूर्ख नहीं है कि लोकसभा एवं विधानसभा की सीटें बढ़ाने के नाम पर सरकार की बहकावे में आ जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिला विरोधी नहीं है। सांसद विवेक तंखा ने आपके सात सांसदों द्वारा भाजपा में शामिल होने और गोवा हाई कोर्ट द्वारा उसे सही ठहरने को गलत बताया। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर वह सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। श्री तंखा ने बताया कि उनका रीवा से प्रेम किसी से छिपा नहीं है। उनका बचपन रीवा में बीता है और यही पढ़ाई भी की है। उनके दादा यहां कमिश्नर थे और पिताजी ने यहीं से वकालत शुरू की थी। उन्होंने बताया कि वह पार्षद अमृत लाल मिश्रा के घर में कांग्रेस के सभी 16 पार्षदों के साथ बैठक का चर्चा की और सभी पार्षदों को उनके वार्डों में दो-दो लाख रुपए पेयजल के कार्यों के लिए दिए। इसके अलावा वेंकट क्लब के अध्यक्ष डॉ. आनंद सिंह से भी मुलाकात की और वेंकट क्लब में खेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए 7 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने वार्ड 43 में पार्क विकसित करने के लिए 10 लख रुपए अलग से दिए। इस मौके पर पूर्व विधायक राजेंद्र मिश्रा, शिव प्रसाद प्रधान, कविता पांडे, विमलेन्द्र तिवारी, विनोद शर्मा, अमृत लाल मिश्रा, राजकुमार बाजपेई सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान ना तो जिला एवं शहर कार्यकारिणी के कोई पदाधिकारी मौजूद रहे और ना ही स्थानीय निर्वाचित जनपद प्रतिनिधियों ने ही अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह बात चर्चा का विषय बनी रही और एक बार फिर यह साबित हो गया कि कांग्रेस में अंदर खाने सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

भीषण गर्मी में बढ़ी बच्चों में डीहाइड्रेशन उल्टी-दस्त व बुखार की शिकायतें

जागरण,रीवा। तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है और लू के थपेड़े शरीर को झुलसा रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्ग के लोग प्रभावित हैं। वहीं डॉक्टर्स गर्मी में बेहद सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। जिले में नवजात शिशु व बच्चों में डीहाइड्रेशन, उल्टी-दस्त व बुखार की शिकायतें आ रहीं हैं। हालत ये हैं कि सिर्फ मेडिकल कॉलेज में ही डिहाइड्रेशन से आहत 2 बच्चों को रोज भर्ती करना पड़ रहा है। यही हाल जिला अस्पताल के भी है, जहां 5-6 बच्चे डिहाइड्रेशन व उल्टी दस्त के पहुंच रहे हैं। गनीमत है कि इस सप्ताह दोनों बड़े संस्थानों से करीब 20 लू की चपेट में आए बच्चे स्वस्थ होकर घर पहुंच गए हैं।

बच्चों को लेकर यह बरतें सावधानी

ओआरएस घर पर ही नींबू पानी में नमक व चीनी मिलाकर पिलाएं। लस्सी, छाछ, नारियल पानी दें। उन्हें बार-बार पानी पीने के लिए प्रेरित करें ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो। पानी अत्यधिक ठंडा नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे सर्द-गर्म की समस्या हो सकती है। बच्चों को गीले और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनाएंए जिससे शरीर को पर्याप्त हवा मिल सके।

दूषित पानी बन रहा डायरिया का कारण

गर्मी के मौसम में बच्चे अक्सर प्यास लगने पर कहीं भी पानी पी लेते हैं, इससे इंफेक्शन का खतरा होता है। दूषित जल का सेवन, साफ-सफाई की कमी इसके मुख्य कारणों में शामिल हैं। बच्चों को खाना खिलाने से पहले अच्छी तरह उनका हाथ धोएं, खाना बनाते व परोसते समय सफाई रखें, बच्चों को हाथ धुलने की आदत डालें। दस्त की समस्या होने पर दवा से पहले उन्हें पानी की कमी से बचाएं।

> गर्मी के साथ बच्चों में हीट स्ट्रोक व लू लगने की आशंका रहती है। बच्चों को पर्याप्त पानी व पेय पदार्थ दें, उन्हें धूप से बचाएं। एकाएक एसी-कूलर के सामने न जाएं और ना ही बच्चों को जाने दें।
>
> **डॉ.केके तिवारी, शिशु रोग विशेषज्ञ**

बाणसागर तलैया भवन अनुज्ञा मामले में निगम का एक्शन

निर्माण कार्य बंद करने के आदेश नोटिस जारी कर मांगा गया जवाब

संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर निरस्त की जाएगी, मामले में हुई बड़ी लापरवाही

जागरण,रीवा। नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा में हुए फर्जीवाड़े पर अब बड़ा एक्शन लेने की तैयारी में प्रबंधन है, इस मामले पर कार्यवाही शुरु भी कर दी गई है, नोटिस जारी कर भवन अनुज्ञा लेने वाले हितग्राही से जबाव तलब किया गया है, सोमवार को मामले में बड़ी कार्यवाही हो सकती है। पहले हितग्राही की भवन अनुज्ञा और फिर संबंधित अधिकारी पर कार्यवाही की चर्चाएं तेज हो गई हैं। बता दें कि यह मामला नगर निगम कार्यालय में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला लगातार चर्चा में बने हुए बाणसागर तलैया में भवन अनुज्ञा का है, बताया गया कि बीते 30 दिसंबर 2025 को नगर निगम के सहायक यंत्री अंबरीश सिंह द्वारा अपने सेवानिवृत्त के ठीक एक दिन पहले बाणसागर स्थित आराजी क्रमांक 631/2 रकवा 04050 हे. में से 2030 वर्गमीटर रकवा मौजा समान पटवारी हल्का समान तहसील हूजूर में विश्वनाथ सिंह पिता रामजी सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 25 समान रीवा को मंजूरी दी गई है। जहां एक ओर इस भूमि का प्रकरण हाई कोर्ट में होने की जानकारी छुपाए जाने की बात कही जा रही है, वहीं इस मंजूरी के संबंध में लगाए दस्तावेजों में कमी बताई जा रही है, नगर निगम में हो रही चर्चा के अनुसार इस अनुज्ञा के लिए जो शपथ पत्र दिया गया है उसमें आवेदक के हस्ताक्षर तक नहीं हैं। न ही शपथ पत्र में गवाह के हस्ताक्षर है, यह शपथ पत्र दिनांक 28 नवंबर 2025 की तारीख का बना है। आनन-फानन में अधिकारी तो हितग्राही को लाभांवित करने अनुज्ञा दे डाली। इसके अलावा भी दस्तावेजों में कई तथ्य छुपाए जाने की बात कही जा रही है। निगम द्वारा मामले में विधिक राय भी ली जा रही है।

जारी किया गया नोटिस

बता दें कि मामले में नगर निगम की टीम द्वारा निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण कर हितग्राही को तत्काल काम बंद करने हेतु आदेशित किया गया है, इसके साथ ही निगम प्रशासन ने नोटिस जारी कर हितग्राही से भवन अनुज्ञा के संबंध में जवाब तलब किया है। सोमवार तक हितग्राही को जवाब देना है, यदि जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो मामले पर भवन अनुज्ञा निरस्त किए जाने की कार्यवाही की जाएगी। इसके बाद भी यदि हितग्राही द्वारा अवैध निर्माण कराया जाता है तो एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

इंजीनियरों ने बिना हस्ताक्षर के दिए गए शपथ पत्र में दे डाली मंजूरी

एसडीओ ने सेवानिवृति के एक दिन पहले विवादित भूमि पर जारी की अनुज्ञा

दैनिक जागरण लगातार

अनुज्ञा में निगमायुक्त सख्त

नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा में हुई लापरवाही का यह कोई पहला मामला नहीं है, इसके पहले भी इस प्रकार के कई मामले नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा में सामने आ चुके है। सबसे बड़ा खेल फीस कम कर आर्थिक लाभ का होता है, हालांकि भवन अनुज्ञा मामले में निगमायुक्त अक्षत जैन सख्त हैं, उन्होंने पद्भार संभालते ही इस भवन अनुज्ञा के संबंध में विस्तृत जानकारी तलब की है। माना जा रहा है कि अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा भवन अनुज्ञा शाखा में किया जा रहा खेल बंद होगा और पुराने मामलो पर यदि शिकायत होती है तो उन पर निगमायुक्त द्वारा जांच कराई जाएगी।

दैनिक जागरण खबर का असर

कंपाउंडिंग में बड़े खेल की चर्चा

बता दें कि इन दिनों इंजीनियरों व आर्किटेक्टों की साठगांठ से कंपांउंडिंग के केस में बड़ा खेल होने की चर्चा हो रही है, कई बड़ी व्यवसायिक बिल्डिंगों का शुल्क नियमानुसार न जमा कराते हुए उनकी कंपांउंडिंग करा दी गई। इस मामले में सिरमौर चौराहा के नजदीक संचालित एक बड़ी स्कूल का नाम भी चर्चाओं में लिया जा रहा है। फिलहाल मामले के दस्तावेज सामने नहीं आए हैं।

> बाणसागर में आराजी क्रमांक 631/2 रकवा 04050 हे. में से 2030 वर्गमीटर रकबा मौजा समान पटवारी हल्का समान तहसील हूजूर में विश्वनाथ सिंह पिता रामजी सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 25 समान रीवा को दी गई भवन मंजूरी की जांच की जा रही है, हितग्राही को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।
>
> **सिद्धार्थ सिंह, कार्यपालन यंत्री ननि**

खरीदी केन्द्रों में पानी, छायादार स्थान सहित अन्य व्यवस्थाओं की हुई जांच

कमिश्नर ने किया निरीक्षण, खैरा समिति प्रबंधक को नोटिस जारी करने के निर्देश

रीवा। शहर की करहिया मण्डी स्थित गेहूं खरीदी केन्द्रों का शनिवार को कमिश्नर बीएस जामोद ने निरीक्षण कर यहां अव्यवस्थाएं पाए गई जिस पर प्रभारी समिति प्रबंधक खैरा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। ज्ञातव्य है कि दैनिक जागरण ने लगातार करहिया मण्डी स्थित खरीदी केन्द्रों में किसानों को होने वाली असुविधाएं उजागर की। खरीदी केन्द्रों में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे संभागायुक्त बीएस जामोद ने कृषि उपज मंडी करहिया अंतर्गत इटहा तथा खैरा गेहूं खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा भी की। कमिश्नर ने खरीदी केंद्र में छाया-पानी आदि व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि इस भीषण गर्मी में किसान भाईयों के लिए पर्याप्त छाया, शीतल पेयजल और बैठने के लिए कुर्सियों उपलब्ध रहे, इसके लिए व्यवस्थित स्थल का चयन करें जिससे ये सारी सुविधाएं किसानों को आसानी से उपलब्ध हो सकें। कमिश्नर ने खरीदी केंद्रों में अपने समक्ष गेहूं की बोरियों का तौल करवाया तथा निर्देश दिए कि तौल करते समय निर्धारित मानक भर्ती का विशेष ध्यान रखें। इसमें त्रुटि होने पर कार्यवाही होगी। कमिश्नर ने नोडल अधिकारियों को हिदायत दी कि वे सभी खरीदी केंद्रों पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए व्यवस्थाओं पर निगरानी रखें। निरीक्षण के दौरान खैरा खरीदी केंद्र में व्यवस्थाओं में कमी पाए जाने पर प्रभारी समिति प्रबंधक दयाशंकर शुक्ल को कमिश्नर द्वारा नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। खरीदी केंद्रों में गेहूं की गुणवत्ता जांचने के लिए कमिश्नर ने अपने समक्ष मॉइश्चर मीटर से गेहूं की जांच कराई। उन्होंने किसानों को समझाइश देते हुए कहा कि अपनी उपज को केंद्र पर लाने से पहले उसे अच्छी तरह साफ कर लें और नमी न हो इस बात का विशेष ध्यान रखें। मानकों के अनुरूप गेहूं में गुणवत्ता होने पर खरीदी प्रक्रिया में तेजी आएगी। कमिश्नर ने तौल कांटों के भौतिक सत्यापन की जानकारी प्राप्त करते हुए खरीदी केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में तौल कांटे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बारदानों में स्पष्ट रूप से सील लगाने व पर्याप्त मात्रा में बारदानों की उपलब्धता तथा डबल स्टिच पैकिंग कराने के निर्देश दिए जिससे परिवहन के समय किसी प्रकार की समस्या न हो। कमिश्नर ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों से उपार्जित गेहूं का अनवरत परिवहन किया जाय तथा उठाव में देरी न हो। पर्याप्त खरीदी होते ही उठाव की व्यवस्था हो। पर्याप्त बारदानों की उपलब्धता रहे। उन्होंने उपार्जित गेहूं के व्यवस्थित भण्डारण के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी सहित उपार्जन से संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

PIONEERS SCHOOL OF EXCELLENCE
Behind Vrindawan Colony Near Janta College Anantpur, Rewa (M.P.)
ADMISSION FEES में विशेष छूट 30.04.2026 तक
Nursery to 10th Class
An English Medium School
CBSE Pattern
Formerly shemrock
National School Award 2021 Winner
Vacancy For - Pre-Primary teacher, PRT (science/mathematics) & office reception.
ADMISSION OPEN Now
Session : 2026-27
Phone No.: 8370073017, 9109143141

वर्ष 73 अंक 207 पृष्ठ 12
रीवा, रविवार 26 अप्रैल, 2026
वैशाख शुक्ल पक्ष 10, विक्रम संवत् 2083
नगर मूल्य 5 रुपए
दैनिक जागरण Sunday
www.dainikjagranmpcg.com

पंजाब ने किया आईपीएल का सबसे बड़ा रन चेज, 264 रन बनाकर भी हारी दिल्ली

नई दिल्ली, जेएनएन। आईपीएल 2026 का 35वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच शनिवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने इतिहास रचते हुए आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया। पंजाब किंग्स को दिल्ली कैपिटल्स ने 265 रन का लक्ष्य दिया था, जो उन्होंने 18.5 ओवर में 6 विकेट रहते हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स के लिए सर्वाधिक 76 रन प्रभसिमरन सिंह ने बनाए। इसके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने 71 रन की नाबाद पारी खेली। प्रियांश आर्य ने भी 41 रन की तूफानी पारी खेली थी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 2 विकेट कुलदीप यादव ने लिए। 1-1 विकेट अक्षर पटेल और विप्रज निगम को मिला। दिल्ली की यह सीजन की चौथी हार थी। उनका प्लेऑफ में पहुंचना धीरे-धीरे मुश्किल होता जा रहा है। दूसरी ओर, पंजाब किंग्स की इस सीजन यह छठी जीत थी। वे अब तक इस सीजन 1 भी मैच नहीं हारे और पॉइंट्स टेबल में टॉप पर हैं।

विस्तृत खबर खेल पेज पर

सैमसन ने आईपीएल 2026 का अपना दूसरा शतक लगाकर सीएसके का स्टार बने!

वार्ता पर पेंच: पाकिस्तान करेगा मध्यस्थता, बताईं ईरान ने अपनी शर्तें

अमेरिका से सीधी बातचीत किये बिना वापस ईरान लौटे अघारची

तेहरान/ वॉशिंगटन/ इस्लामाबाद, जेएनएन। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता को लेकर एक बार फिर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है। पाकिस्तान में प्रस्तावित दूसरे दौर की बातचीत से पहले ही दोनों देशों के बयानों में बड़ा विरोधाभास सामने आया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अघारची अमेरिका से सीधी बातचीत के बिना ही ईरान वापस लौट गए हैं। वहीं अमेरिका सीधे आमने-सामने वार्ता की उम्मीद जता रहा था। हालांकि ईरान ने पहले ही साफ कर दिया था कि वह सीधे बातचीत नहीं करेगा, बल्कि अपनी शर्तें पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक पहुंचाएगा। इससे पहले, व्हाइट हाउस ने कहा था कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान में ईरान के साथ सीधे शांति वार्ता करेगा। लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस दावे को खारिज किया। ईरान के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि ऐसी कोई सीधी बैठक तय नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी शर्तें पाकिस्तान के अधिकारियों को देगा, जो उन्हें अमेरिका तक पहुंचाएंगे। बातचीत 'मध्यस्थ मॉडल' के जरिए होगी। यही कारण है कि इस वार्ता के सफल होने को लेकर संदेह बना हुआ है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शुक्रवार रात इस्लामाबाद पहुंचे थे। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर को भी पाकिस्तान भेजा है, जिनके आज इस्लामाबाद पहुंचने की उम्मीद है।

ईरान के भीतर भी मतभेद के संकेत

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के अंदर भी बातचीत को लेकर मतभेद उभर रहे हैं। संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ इस दौर की वार्ता में शामिल नहीं हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि ईरान के भीतर एक धड़ा बातचीत में लचीलापन चाहता है, जबकि दूसरा धड़ा खासकर परमाणु मुद्दे पर सख्त रुख बनाए रखने के पक्ष में है। इससे वार्ता की दिशा और जटिल हो गई है।

नाकेबंदी पर सवाल: 'शैडो फ्लीट' से ईरान दे रहा चकमा

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच एक बड़ा खुलासा सामने आया है, जिसने अमेरिकी दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जहां अमेरिका ईरानी जहाजों पर कड़ी नाकेबंदी का दावा कर रहा है, वहीं रिपोर्ट्स बताती हैं कि ईरान अब भी चकमा देकर दुनिया तक अपना तेल पहुंचाने में सफल हो रहा है। समुद्री डेटा और खुफिया रिपोर्ट्स संकेत दे रही हैं कि ईरान का तेल निर्यात पूरी तरह नहीं रुका है। समुद्री विश्लेषण कंपनी 'लॉयड्स लिस्ट इंटेलिजेंस' के मुताबिक, 13 अप्रैल के बाद खाड़ी ओमान क्षेत्र से कम से कम 11 ऐसे टैंकर गुजर चुके हैं, जिनमें ईरानी तेल भरा हुआ था। वहीं एक अन्य समुद्री खुफिया कंपनी 'विंडवार्ड' ने भी कहा है कि ईरानी जहाज 'धोखे की तकनीक' अपनाकर लगातार अपनी आवाजाही बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान अब 'शैडो फ्लीट' यानी गुप्त रूप से संचालित जहाजों का इस्तेमाल कर रहा है। ये जहाज सामान्य ट्रैकिंग सिस्टम से बचकर चलते हैं और अंतरराष्ट्रीय निगरानी को भ्रमित करते हैं।

मुख्य विवाद दो मुद्दों पर

- **होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण:** अमेरिका चाहता है कि होर्मुज से वैश्विक तेल सप्लाई निर्बाध और सुरक्षित रहे, जबकि ईरान इस क्षेत्र पर अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है।
- **ईरान का परमाणु कार्यक्रम:** अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना चाहता है, जबकि ईरान का कहना है कि उसका कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और वह इसे बंद नहीं करेगा।

होर्मुज में तनाव बढ़ा

नाकेबंदी के बीच ईरान ने जब्त किए दो जहाज

ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रेवेल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने दो विदेशी जहाजों को रोककर अपने नियंत्रण में ले लिया है। आईआरजीसी के अनुसार, जिन जहाजों को रोका गया उनकी पहचान 'एमएससी फ्रांसेस्का' और 'इपामिनोंडस' के रूप में हुई है। ईरानी नौसेना ने इन जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने से रोकते हुए उन्हें ईरान के क्षेत्रीय जल में ले जाने का निर्देश दिया। आईआरजीसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में 'व्यवस्था और सुरक्षा' उसकी रेड लाइन है। किसी भी जहाज द्वारा नियमों का उल्लंघन या संदिग्ध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बाघिन ने किया आदिवासी का शिकार, धड़ गायब

शिवपुरी: गुस्साये ग्रामीणों ने लगाया जाम

जागरण, शिवपुरी। शिवपुरी के माधव टाइगर रिजर्व में बाघिन एमटी-6 ने ग्राम ऐरावन में एक आदिवासी को शिकार बना लिया। जंगल में आदिवासी का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा मिला। घटना से गुस्साये ग्रामीणों ने शनिवार सुबह नरवर-शिवपुरी मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। करीब पांच घंटे तक पुलिस-प्रशासन और पार्क प्रबंधन ने मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। सतनबाड़ा पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। टाइगर ट्रेकिंग टीम को ग्राम ऐरावन के जंगल में एक ग्रामीण का शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। आसपास ही मादा टाइगर एमटी-6 की लोकेशन भी

पाई गई। टीम ने तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी, जिसके बाद डीएफओ हरिओम सहित वन अमला और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर नहाने का सामान, अंडरवियर, सफा और कपड़े पड़े मिले। बाद में ग्रामीणों ने मृतक की पहचान सरवन आदिवासी उम्र करीब 50 वर्ष के रूप में की, जो दो दिन से लापता था।

दिल्ली-इंदौर फ्लाइट में तकनीकी खराबी, उड़ान निरस्त

रनवे से लौटा विमान, भीषण गर्मी में घंटों बिना एसी के बैठे रहे यात्री

जागरण, इंदौर। दिल्ली से इंदौर आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-2515 को तकनीकी खराबी के चलते रनवे से वापस टर्मिनल पर लाना पड़ा। रनवे पर खड़ी फ्लाइट के अंदर एसी बंद कर दिया। भीषण गर्मी और बंद केबिन में घंटों फंसे रहने से यात्रियों की तबीयत बिगड़ने लगी। यात्रियों ने रिफंड की मांग को लेकर दिल्ली एयरपोर्ट पर नारेबाजी भी की। यह फ्लाइट दोपहर 12.10 बजे दिल्ली से उड़ान भरती है और 1.45 बजे इंदौर पहुंचती है। तकनीकी समस्या के कारण इसके शाम 5 बजे तक इंदौर पहुंचने की संभावना जताई गई थी, लेकिन बाद में एअर इंडिया ने फ्लाइट को रद्द कर दिया है। घटनाक्रम की शुरुआत दिल्ली एयरपोर्ट पर गेट

बदलने से हुई। बोर्डिंग से पहले दो बार गेट बदला गया, जिससे अफरा-तफरी रही। विमान में बैठाने के बाद तकनीकी क्लियरेंस नहीं मिलने से फ्लाइट को लंबे समय तक रनवे पर खड़ा रखा गया। यात्रियों का कहना है कि देरी को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई और चालक दल से भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला। स्थिति लंबे समय तक जस की तस रही, जिसके बाद विमान को वापस टर्मिनल पर लाया गया। एयरपोर्ट पर उतरते ही यात्रियों ने एअर इंडिया के खिलाफ नारेबाजी की और विरोध जताया। यात्रियों ने एयरलाइन पर सुरक्षा से खिलवाड़ और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का आरोप लगाया।

अस्पतालों में हीटस्ट्रोक यूनिट; सिग्नल पर ग्रीन नेट

भोपाल/ लखनऊ/ जयपुर/ शिमला, जेएनएन। देश के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात यह हैं कि भारत का लगभग तीन-चौथाई इलाका हीटवेव की चपेट में आ चुका है। उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत के कई राज्यों में तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया है, जबकि राजधानी नई दिल्ली में शनिवार को पारा 43 डिग्री दर्ज किया गया। इस खतरनाक स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य व्यवस्थाओं से लेकर प्रशासनिक स्तर तक बड़े कदम उठाए जा रहे हैं।

भीषण गर्मी को देखते हुए दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में विशेष 'हीटस्ट्रोक यूनिट' बनाई गई है। इस यूनिट में मरीजों को तुरंत राहत देने के लिए कूलिंग टब, कूलिंग बेड, 200 किलो तक बर्फ बनाने वाली मशीनें और पोर्टेबल आइस पैक रखे गए हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, हीटस्ट्रोक के मामलों में शरीर का तापमान तेजी से बढ़ जाता है, जिसे तुरंत नियंत्रित करना जरूरी होता है। ऐसे में ये यूनिट जीवन रक्षक साबित हो सकती है। इसी तरह, वाराणसी गर्मी से राहत देने के लिए यहां ट्रैफिक सिग्नल पर 'ग्रीन नेट' लगाई गई है, ताकि रेड लाइट पर रुकने वाले लोगों को धूप से बचाया जा सके। इसके अलावा नगर निगम की ओर से सड़कों पर पानी का छिड़काव भी किया जा रहा है। भीषण गर्मी का असर आम जनजीवन पर साफ दिखाई दे रहा है। सड़कों पर पानी का छिड़काव कर तापमान कम करने की कोशिश की जा रही है।

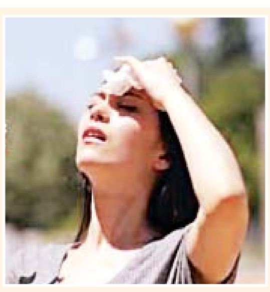

देश के 14 शहरों में 44 डिग्री पार, प्रयागराज सबसे गर्म

देश के कई शहरों में तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। इनमें वाराणसी, बांदा, रोहतक, झारसुगुड़ा, टिटलागढ़, अकोला, अमरावती, वर्धा, चंद्रपुर, यवतमाल, बाड़मेर, हमीरपुर, आगरा और राजनांदगांव शामिल हैं, जहां पारा 44 डिग्री के पार चला गया।

हार्ट क्लीनिक आपके शहर रीवा में

डॉ. शिरीष मिश्रा हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं प्रत्येक दिन

रीवा। रीवा के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ शिरीष मिश्रा जी M.D. मेडिसिन D.N.B कार्डियोलॉजी कंसलटेंट इंटरवेशनल कार्डियोलॉजिस्ट पूर्व कंसलटेंट - मैक्स हॉस्पिटल, बी.ल कपूर हॉस्पिटल, नई दिल्ली हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं प्रति दिन समड़िया गोल्ड बाल भारती स्कूल के सामने रीवा में उपलब्ध है, डॉ शिरीष मिश्रा पूर्व में मैक्स हॉस्पिटल और बी.एल. कपूर जैसे हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके है, हार्ट अटैक, सीने का दर्द, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, सांस फूलना, स्टंट, पेसमेकर, वाल्व बाईपास इत्यादि के मरीजों का फॉलो उप, जन्मजात हृदय रोग जैसे बीमारी का इलाज किया जाता है, आधुनिक जांच सुब्धियाएं जैसे कि इकोकार्डियोग्राफी, टीएमटी, ECG, होल्टर, एबीपीएम जैसे आधुनिक तक्नीक से जांच उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु आराध्या मेडिकल स्टोर्स समदड़िया गोल्ड, बाल भारती स्कूल के सामने, रीवा। संपर्क नं. 9752244-218 में संपर्क कर सकते हैं।

75 वर्ष से ज्यादा व्यक्तियों का सभी प्रकार की जांचो में 50% की छूट एवं निःशुल्क परामर्श

विशेष सुविधाएं: एन्जोप्लास्टी, बाईपास सर्जरी, आयुष्मान द्वारा निःशुल्क सर्जरी की जाती है। ADVT

युद्ध और दमन के बीच ईरानी औरतें

“ ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमले से छिड़ी जंग एक 'भू-राजनीतिक घटना' मात्र नहीं है, यह एक गंभीर मानवीय संकट भी है, जो काफी गहरे लैंगिक (जेंडर) प्रभावों को समेटे हुए है। कोई भी जंग मर्दों और औरतों के लिए एक बराबर (जेंडर-न्यूट्रल) नहीं होती। महिलाओं और लड़कियों पर इसका असर अलग-अलग रूप में अक्सर बहुत घातक होता है।

● सुंबुल रिजवी ●

किसी भी युद्ध में हुए नुकसान का आकलन अमूमन हताहतों की तादाद और तबाह हुए बुनियादी ढांचों से किया जाता है, मगर इसका सबसे गहरा और लंबे समय तक कायम रहने वाला असर औरतों व लड़कियों की जिंदगी पर पड़ता है।

इस जंग की वजह से करीब 32 लाख ईरानी बेघर हो गए हैं। इनमें से ज्यादातर औरतें और बच्चे हैं। इनके अलावा, करीब 16.5 लाख उन अफगानी शरणार्थियों पर भी इस जंग का बुरा असर पड़ा है, जो अपने मुल्क से भागकर वहां शरण लिए हुए थे। बिगड़े हालात में अब उन्हें अफगानिस्तान लौटने को मजबूर होना पड़ रहा है। उसी अफगानिस्तान में, जहां का निजाम कहीं अधिक कट्टर है। बमों और मिसाइलों के हमले की वजह से लगभग 1,10,000 लोग पड़ोसी मुल्कों में चले गए हैं।

ईरान पश्चिम एशिया का एक ऐसा मुल्क है, जहां औरतों के शरीर और व्यवहार पर राज्य का सख्त नियंत्रण है। सन् 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही उन्हें संस्थागत गैर-बराबरी का सामना करना पड़ा है। इनमें शादी, बच्चों की कस्टडी, विरासत व राजनीतिक भागीदारी से जुड़ी पाबंदियां शामिल हैं। हाल के वर्षों में अनिवार्य रूप से पर्दा करने व प्रजनन अधिकार संबंधी कानूनों के वजूद में आने से उन पर दबाव और बढ़ गया है। निगरानी तंत्र और नैतिकता पुलिस जैसे कानूनी प्रावधानों से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी तक में राज्य की घुसपैठ बढ़ गई है।

हालत अधिक जटिल हो रहे

ऐसे में, इस युद्ध ने वहां के हालात को और जटिल बना दिया है। अब राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ में असहमत आवाजों की निगरानी बढ़ा दी गई है। इंटरनेट को प्रतिबंधित कर दिया गया है। ईरान में उन महिला कार्यकर्ताओं की स्थिति कहीं ज्यादा नाजुक रही है, जो विरोध-प्रदर्शनों में आगे रहती हैं। ऐसी महिलाओं को मनमाने तरीके से गिरफ्तार किया जाता है, उनके साथ यौन हिंसा होती है और कई को तो लंबी कैद की सजा भी मिलती है। गौर कीजिए, फरवरी 2026 में जंग शुरू होने के बाद से महिलाएं और लड़कियां हिंसा की सबसे अधिक शिकार हुई हैं।

बुनियादी सेवाएं प्रभावित

युद्ध का असर इन दुखद घटनाओं से कहीं ज्यादा होता है। ईरान में घर, स्कूल, अस्पताल और दीगर बुनियादी ढांचों की तबाही से बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। कई इलाकों में पीने के पानी, बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षित पनाहगाहों तक पहुंच मुश्किल हो गई है। जाहिर सी बात है, ईरान में भी औरतें ही पहली तीमारदार होती हैं। ऐसे में, इन सुविधाओं की कमी का अर्थ है- रोजाना अधिक तकलीफें उठाना और ज्यादा जोखिम का सामना करना।

बड़ा संकट बेघर होना

मौजूदा ईरानी संकट का सबसे चिंताजनक पहलू है- लोगों का बेघर होना। याद रखिए, महिलाओं और लड़कियों के लिए बेघर होना सिर्फ छत खो देना नहीं होता, यह उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बदल देता है। बहुत ज्यादा भीड़भाड़ वाले राहत शिविरों और अस्थायी बस्तियों में जेंडर-आधारित हिंसा और शोषण का जोखिम बढ़ जाता है। स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच कम हो जाती है,और पढ़ाई में रुकावट आने से लड़कियों का भविष्य खतरे में पड़ जाता है। औरतों और लड़कियों की तस्करी का खतरा तो बढ़ ही जाता है।

आंदोलनों मे कमी

तमाम चुनौतियों के बावजूद ईरानी महिलाएं पूरी मजबूती से अपनी बात रखती रही हैं। साल 2022 में महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद शुरू हुए 'द वुमन, लाइफ, फ्रीडम मूवमेंट' ने ईरानी महिला आंदोलन व नारीवादी कार्यकर्ताओं की ताकत पूरी दुनिया ने देखी थी, लेकिन मौजूदा लड़ाई के बाद ऐसे आंदोलनों की जगह बहुत कम हो गई है। इंटरनेट पर रोक, निगरानी और हिंसा के जोखिम ने औरतों को संगठित करने के काम को और मुश्किल बना दिया है। हालांकि, ईरानी औरतें अब भी शोषण के मामले उठा रही हैं, अनौपचारिक नेटवर्क के जरिये एक-दूसरे की मदद कर रही हैं और एक अलग भविष्य के सपने भी संजो रही हैं।

ईरान में महिलाओं के अधिकारों का भविष्य इस युद्ध के नतीजे और देश की राजनीतिक दिशा से गहरे तौर पर जुड़ा हुआ है। अली खामेनेई की मौत और मोजतबा खामेनेई को आगे बढ़ाए जाने से वहां कट्टरतावादी नीतियों के मजबूत होते जाने की चिंता बढ़ गई है। कुछ लोग राजनीतिक बदलाव और सुधार की उम्मीद कर रहे हैं, तो कई इस संकट के खत्म होने के बाद अधिक दमनकारी सरकार के उभरने का डर दिखा रहे हैं। ईरानी महिलाओं का बहुत कुछ दांव पर लग गया है।

महिलाओं को केंद्र में रखना जरूरी

इसलिए, इस संकट के समाधान में ईरानी महिलाओं को केंद्र में रखना बहुत जरूरी है। इस युद्ध से यह बुनियादी सच फिर सामने आया है कि कोई भी जंग मर्दों और औरतों के लिए एक बराबर (जेंडर-न्यूट्रल) नहीं होती। महिलाओं और लड़कियों पर इसका असर अलग-अलग रूप में अक्सर बहुत घातक होता है।

ईरानी औरतें लंबे समय से प्रतिरोध और सुधार के मोर्चे पर आगे रही हैं। उनकी सुरक्षा, उनके अधिकार और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना न सिर्फ एक नैतिक जरूरत है, बल्कि भविष्य के टिकाऊ रास्ते के निर्माण के लिए जरूरी है। युद्ध और दमन के बीच उनकी हिम्मत ईरान के भविष्य को बनाने वाली सबसे अहम ताकतों में से एक है।

(लेखक संयुक्त राष्ट्र की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी हैं ।)

पर्यावरण के लिए गंभीर चेतावनी बनता डिजिटल प्रदूषण

“ डिजिटल प्रदूषण का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'अभौतिक' है। इंटरनेट पर हमारा हर क्लिक, सर्च और क्लाउड स्टोरेज बिजली की भारी खपत करता है, जो अधिकांशतः जीवाश्म ईंधन से आती है और कार्बन उत्सर्जन बढ़ाती है।

● डा सुधीर कुमार ●

जब हम 'प्रदूषण' शब्द सुनते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में जहरीला धुआं उगलती चिमनियां, प्लास्टिक से पटी नदियां या सड़कों पर लगा कचरे का ढेर उभरता है। ये प्रदूषण के वे रूप हैं जिन्हें हम देख सकते हैं और महसूस कर सकते हैं। लेकिन इक्कीसवीं सदी की डिजिटल क्रांति के साथ एक ऐसा अदृश्य जहर हमारे वातावरण और जीवन में घुल चुका है, जिसे हम देख नहीं सकते, सूंघ नहीं सकते, लेकिन वह धीरे-धीरे हमारे पर्यावरण और मानसिक स्वास्थ्य को खोखला कर रहा है। इसे हम 'डिजिटल प्रदूषण' कहते हैं। भारत जैसे देश में, जहां डिजिटल साक्षरता और कनेक्टिविटी चरम पर है और 'डिजिटल इंडिया' का सपना साकार हो रहा है, इस अदृश्य खतरे पर कानून, नीति और जनजागरूकता के नजरिये से चर्चा करना अनिवार्य हो गया है।

लोग डिजिटल प्रदूषण को केवल 'ई-वेस्ट' यानी पुराने मोबाइल, टूटे लैपटॉप या खराब चार्जर तक सीमित मान लेते हैं। बेशक, ई-कचरा एक वैश्विक समस्या है, लेकिन डिजिटल प्रदूषण का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'अभौतिक' है। इंटरनेट पर हमारा हर क्लिक, सर्च और क्लाउड स्टोरेज बिजली की भारी खपत करता है, जो अधिकांशतः जीवाश्म ईंधन से आती है और कार्बन उत्सर्जन बढ़ाती है। जब हम डेटा इस्तेमाल करते हैं, तो हजारों मील दूर स्थित विशाल डेटा सेंटर्स सक्रिय हो जाते हैं, जिन्हें चलाने और ठंडा रखने के लिए अत्यधिक ऊर्जा और पानी की आवश्यकता होती है। अतः, डिजिटल गतिविधियों का सीधा और गहरा प्रभाव हमारे पर्यावरण पर पड़ता है।

डिजिटल प्रदूषण के दो सबसे घातक पहलू 'डार्क डेटा' और 'डिजिटल फुटप्रिंट' हैं। 'डार्क डेटा' वह अनुपयोगी डेटा है जो कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा केवल स्टोर किया जाता है, जिसका दुनिया भर के कॉर्पोरेट डेटा में हिस्सा लगभग 52 प्रतिशत है। यह डेटा केंद्रों में व्यर्थ ऊर्जा की खपत करता है। वहीं, हमारा 'डिजिटल फुटप्रिंट' भी उतना ही खतरनाक है; एक स्पैम ईमेल अपने पूरे जीवनचक्र में लगभग 0.3 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड पैदा करने का जिम्मेदार है। यदि हम दुनियाभर में प्रतिदिन भेजे जाने वाले अरबों स्पैम और अनावश्यक ईमेल की गणना करें, तो यह प्रदूषण का स्तर वैश्विक विमानन उद्योग द्वारा फैलाए जाने वाले कुल उत्सर्जन के बराबर पहुंच जाता है। यह तथ्य हमें सोचने पर मजबूर करता है कि हमारी एक छोटी-सी डिजिटल लापरवाही धरती के तापमान को बढ़ाने में कितनी बड़ी भूमिका निभा रही है। भारत में 'डिजिटल प्रदूषण' को सीधे तौर पर परिभाषित करने वाला कोई विशिष्ट या एकल कानून मौजूद नहीं है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (1986) और समय-समय पर संशोधित ई-कचरा प्रबंधन नियम (2016/2022) इसके केवल भौतिक हिस्से (हार्डवेयर कचरे) को कवर करते हैं। असली चुनौती डेटा केंद्रों से होने वाले ऊर्जा उत्सर्जन और 'डिजिटल हाइजीन' की है, जिसके लिए वर्तमान में स्पष्ट कानूनी दिशानिर्देशों की कमी खलती है। जो कंपनियां विशाल डेटा सेंटर चलाती हैं और करोड़ों भारतीयों का डेटा प्रोसेस करती हैं, वे डेटा की सुरक्षा के साथ-साथ अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकतीं।

'भारत सरकार द्वारा 'राइट टू रिपेयर' पोर्टल का शुभारंभ एक क्रांतिकारी पहल है। कानूनी और नीतिगत रूप से यह उपभोक्ताओं को सशक्त बनाता है कि वे अपने गैजेट्स को कंपनियों के एकाधिकार से बाहर निकलकर ठीक करा सकें। यह पहल इलेक्ट्रॉनिक कचरे को कम करने में भी मील का पत्थर साबित होगी। जब कोई उपकरण लंबा चलेगा, तो उसके निर्माण में लगने वाली ऊर्जा और उसके कचरे से होने वाले प्रदूषण में स्वतः कमी आएगी।'

'डिजिटल स्वच्छता' को जीवनशैली बनाना अनिवार्य

केवल कानून और अदालती आदेश डिजिटल प्रदूषण का पूर्ण समाधान नहीं हैं; इसके लिए 'डिजिटल स्वच्छता' को जीवनशैली बनाना अनिवार्य है। शुरुआत इनबॉक्स की सफाई, अनावश्यक न्यूज़लेटर्स को अनसब्सक्राइब करने और क्लाउड स्टोरेज से धुंधली तस्वीरों व पुराने बैकअप को हटाकर की जा सकती है। इसके साथ ही, वीडियो स्ट्रीमिंग के दौरान 'अति-उच्च परिभाषा' के बजाय सामान्य स्पष्टता का चुनाव करना डेटा केंद्रों पर दबाव और बिजली की खपत को कम करता है। यह 'डिजिटल क्लीन-अप' न केवल डेटा व्यवस्थित करता है, बल्कि ऊर्जा की बचत कर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अब सरकार को 'ग्रीन डेटा कानूनों' के माध्यम से टेक कंपनियों को अक्षय ऊर्जा (सौर, पवन) अपनाने और डेटा केंद्रों की ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए जवाबदेह बनाना होगा। हमें समझना होगा कि डेटा भले ही आभासी हो, पर उसे चलाने वाली ऊर्जा भौतिक है, जो धरती को प्रभावित करती है। आज समय की मांग है कि हम 'डिजिटल डिटॉक्स' के साथ-साथ 'डिजिटल क्लीन-अप' को अपनाएं।

विष्णु उन गुणों का प्रतीक हैं, जिनका भाग्य साथ देता है

“ भारतीय पौराणिक कथाओं में विष्णु को लक्ष्मी का प्रिय बताया गया है। उनके नाम श्री-वल्लभ, भाग्य के प्रिय, और श्री-निवास, भाग्य का निवास हैं। कला में, देवी को उसके हृदय में निवास करते हुए, या उसके बगल में बैठे हुए दिखवाया गया है। जब वह लेटे हुए हैं , तो लक्ष्मी उनके चरणों में होती है। यह युग्म एक रूपक है। यह बताता है कि क्यों कुछ नेता स्वाभाविक रूप से अवसरों को आकर्षित करते हैं जबकि अन्य संघर्ष करते हैं। लक्ष्मी विष्णु का अनुसरण करती हैं क्योंकि विष्णु उन गुणों का प्रतीक हैं, जिनका भाग्य साथ देता है।

● देवदत्त पटनायक ●

पहला गुण है संतुलन. विष्णु सर्प पर विराजमान हैं और गरुड़ की सवारी करते हैं। साँप जमीनी हकीकत, सामरिक दृष्टिकोण, दैनिक संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है। गरुड़ रणनीतिक दृष्टिकोण, बड़ी तस्वीर, लंबे क्षितिज का प्रतिनिधित्व करता है। अधिकांश नेता एक ही खेमे में आ जाते हैं - या तो अत्यधिक सामरिक या अत्यधिक रणनीतिक। विष्णु दोनों को धारण करते हैं। लक्ष्मी उन लोगों की ओर आकर्षित होती हैं जो विस्तार और दृष्टि दोनों का प्रबंधन कर सकते हैं। साँप और चील प्राकृतिक शत्रु हैं। जो लोग चतुराई से सोचते हैं वे आमतौर पर रणनीति को देखने में असफल होते हैं और जो लोग दीर्घकालिक सोचते हैं वे अल्पकालिक लक्ष्यों को भूल जाते हैं। विष्णु दोनों को संतुलित करते हैं।

दूसरा गुण है अनुकूलनशीलता। विभिन्न युगों में विष्णु राम या कृष्ण के रूप में प्रकट हुए। राम त्रेता युग में हैं और कृष्ण द्वापर युग में। राम का युग कृष्ण की तुलना में अधिक स्थिर है। राम को उन शत्रुओं से निपटना है जो नियम तोड़ते हैं जबकि कृष्ण को उन लोगों से निपटना है जो व्यवस्था में हेरफेर करते हैं और नियमों का पालन करने का दिखावा करते हैं। राम नियमों का पालन करते है, व्यवस्था बनाए रखते है । कृष्ण नियमों को मोड़ते हैं, अराजकता को दूर करते हैं, और एक अस्थिर बाजार में पनपते हैं जहां नवाचार आवश्यक है। जो नेता एक ही शैली पर अड़े रहते हैं वे परिस्थितियाँ बदलने पर अक्सर असफल हो जाते हैं। विष्णु अनुकूलन करते हैं, और लक्ष्मी उन लोगों की ओर प्रवाहित होती हैं जो घबराने के बजाय बुद्धि से अनुकूलन करते हैं। तीसरा गुण है एकीकरण. विष्णु प्रतिद्वंद्वियों को एकजुट करते हैं. वह अपने खजाने के लिए देवताओं और असुरों से क्षीर सागर का मंथन करवाते है। देवता ख़जाना साझा नहीं करते हैं और इसलिए युद्ध के अंतहीन चक्र में फंस जाते हैं। यह प्रतिस्पर्धी हितों को सहयोग करने की क्षमता का प्रतीक है। किसी भी संगठन में, विभाग बजट के लिए लड़ते हैं, टीमें श्रेय के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं, और अहंकार टकराता है। जो नेता प्रतिद्वंद्वियों को एक साथ काम करने के लिए प्रेरित कर सकता है वह अवसर के लिए चुंबक बन जाता है। लक्ष्मी एकता का पालन करती हैं, संघर्ष का नहीं। एक अच्छा नेता प्रतिस्पर्धी समूहों के बीच तनाव को दूर करने में सक्षम होता है, एक-दूसरे को चोट पहुंचाने के बजाय उनकी मदद करने में सक्षम होता है। चौथा गुण विष्णु के चार हाथों में निहित है, जो चार नेतृत्व कार्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शंख, संचार का प्रतीक है। एक नेता को स्पष्ट रूप से और बार-बार बोलना चाहिए ताकि टीम को पता चले कि क्या करना है। चक्र का अर्थ है समीक्षा - निरंतर निगरानी और प्रतिक्रिया। गदा अनुशासन के लिए खड़ा है - मानकों और परिणामों को लागू करना। कमल का मतलब प्रशंसा है - अच्छे काम को पहचानना। दो कार्य सुखद हैं, दो दुखद, लेकिन सभी आवश्यक हैं। जो नेता इन चारों का अभ्यास करते हैं वे लक्ष्मी को अपने पास रखते हैं। पाँचवाँ गुण है लचीलापन। प्रलय, ब्रह्मांडीय बाढ़ के दौरान विष्णु समुद्र पर लेटे हुए थे। जब संसार ढह जाता है तब भी वह विश्राम करते है। यह संकट में शांति का प्रतीक है। जो नेता स्थिर रहते हैं, जो हालात बिगड़ने पर अपना दिमाग नहीं खोते, वे आत्मविश्वास जगाते हैं। लक्ष्मी को शांत समुद्र पसंद है, न कि उथल-पुथल वाला पानी।

विष्णु लक्ष्मी का पीछा नहीं करते. वह उसे आकर्षित करते है. संतुलन, अनुकूलनशीलता, एकीकरण, अनुशासन, संचार और प्रशंसा के माध्यम से। कॉर्पोरेट जगत में, उपाधियाँ और पदनाम सौभाग्य नहीं लाते; स्वभाव और व्यवहार करते हैं. जो नेता विष्णु की तरह सोचता है वह लक्ष्मी का पसंदीदा साथी बन जाता है।

बोनी कपूर की हर फिल्म में गीता बाली को भी ट्रिब्यूट क्यों ?

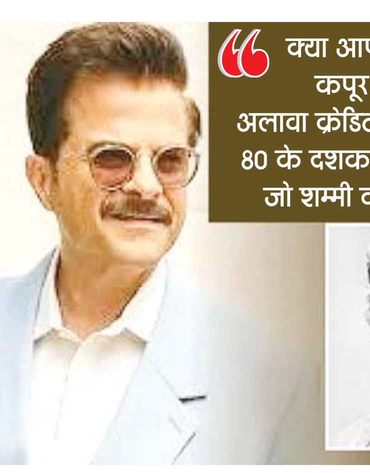

“ क्या आपने कभी नोटिस किया है कि बोनी कपूर की हर फिल्म में उनके पिता के अलावा क्रेडिट दिया जाता है बॉलीवुड के 60, 70, 80 के दशक की फिल्म एक्ट्रेस गीता बाली को, जो शम्मी कपूर की पहली पत्नी भी रही हैं ।

अनिल कपूर और उनका पूरा परिवार बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर कपूर परिवारों में से एक है। अनिल कपूर और संजय कपूर एक्टर हैं तो वहीं बोनी कपूर फिल्म प्रोड्यूसर है। बोनी के प्रोडक्शन हाउस का नाम बेवियु प्रोजेक्ट्स है। इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले कई पॉपुलर बॉलीवुड फिल्में बनी हैं।

क्या आपने 'मॉम', 'मैदान', 'रूप की रानी चोरों का राजा', इन फिल्मों के शुरुआती क्रेडिट्स पर ध्यान दिया है। इस बैनर तले बनने वाली हर फिल्म की शुरुआत में सबसे पहला क्रेडिट जाता है सुरिंदर कपूर को, जो बोनी कपूर, अनिल कपूर और संजय कपूर के पिता हैं। इसके बाद क्रेडिट दिया जाता है बॉलीवुड के 60, 70, 80 के दशक की फिल्म एक्ट्रेस गीता बाली को, जो शम्मी कपूर की पहली पत्नी भी रही हैं।

इस बात पर अभी तक कम ही लोगों ने ध्यान दिया है। इस कपूर परिवार का गीता बाली के साथ आखिर ऐसा क्या कनेक्शन है, जो हर फिल्म से पहले उन्हें ट्रिब्यूट दिया जाता है?

दरअसल अनिल कपूर और बोनी कपूर के पिता सुरिंदर कपूर ने जब बॉलीवुड में कदम रखा था, तब गीता बाली ही थीं जिन्होंने उनके ऊपर भरोसा किया था और उन्हें प्रेरित किया था। इस बारे में खुद अनिल कपूर ने ही बताया है। एक्टर ने इस बारे में बताया था। एक्टर बोले थे, 'गीता बाली जी जो थीं उनका मेरे परिवार पर बहुत बड़ा एहसान है। उन्होंने हमेशा से हमारा बहुत साथ दिया है'।

, 'हमने जो फिल्में बनाना शुरू कीं, पहले पिताजी ने, फिर बोनी ने उसमें उन्होंने बहुत साथ दिया है। उन्होंने ही कहा मेरे पिताजी से कि तुम फिल्में बनाओ मैं हूं तुम्हारे साथ। यहां तक कि जब मैंने फिल्में करना शुरू की तो उन्होंने मुझे डांस सिखाया, मुझे पहला माउथ ऑर्गन उन्होंने ही खरीद के दिया था। मेरे पिताजी की पहली फिल्म उन्होंने ही शुरू करने के लिए कहा था। तो उनका बहुत मेरे करियर में योगदान है। हर किसी की जिंदगी में कोई ना कोई होता है जो उन्हें आगे बढ़ाता है। वो बहुत अच्छी एक्ट्रेस थीं, बहुत अच्छी डांसर थीं। गीता बाली जी का बहुत बड़ा योगदान रहा है मेरे करियर में'।

गीता बाली ने पहले सुरिंदर कपूर को, फिर बोनी कपूर को और फिर अनिल कपूर को फिल्मों के लिए प्रेरित किया। वो इंडस्ट्री जिसमें केवल कॉम्पिटीशन की भावना होती है, उसमें जब कोई ऐसे मदद करने वाला हो तो वो भगवान से कम नहीं है। इसी वजह से बोनी कपूर की हर फिल्म में गीता बाली को ट्रिब्यूट दिया जाता है। बता दें गीता बाली अपने जमाने की मशहूर एक्ट्रेस थीं और शम्मी कपूर की पत्नी भी थीं, जिससे एक्टर बहुत प्यार करते थे।

घातक हो सकता है मशीनों का फैसला लेना

● डा शशांक दिवेदी ●

हाल ही में ईरान पर हुए हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध अब केवल हथियारों की ताकत से नहीं, बल्कि डेटा, एल्गोरिद्म और मशीनों की गति से भी लड़े जा रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में एआई की निर्णायक भूमिका सामने आई। रिपोर्टों के अनुसार, एआई आधारित 'मेवन स्मार्ट सिस्टम' ने रियल-टाइम में लाखों डेटा और निगरानी सूचनाओं का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की पहचान की। इस तकनीक की मदद से कुछ ही घंटों में सैकड़ों हमले किए गए और बड़ी संख्या में लोग मारे गए।

“ जब एआई और एल्गोरिद्म यह तय करने लगें कि किसे निशाना बनाया जाए, तो मानव नैतिकता और जिम्मेदारी का स्थान क्या होगा? युद्ध का निर्णय केवल तकनीकी गणना का विषय नहीं हो सकता। हर लक्ष्य के पीछे मनुष्य का जीवन और समाज की संरचना जुड़ी होती है।

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, मेवन सिस्टम के विकास की शुरुआत 2017 में हुई थी। अमेरिकी रक्षा विभाग ने महसूस किया कि उनके पास ड्रोन फुटेज का इतना विशाल भंडार है कि उसे देखने के लिए पर्याप्त इंसान ही नहीं हैं। शुरुआत में, अमेरिकी सेना ने गूगल के साथ साझेदारी की। बाद में पेंटागन ने एंडुइल इंडस्ट्रीज और पालंटिर जैसी छोटी टेक कंपनियों पर दांव लगाया।

पालंटिर टेक्नोलाजीज द्वारा तैयार किया गया मेवन स्मार्ट सिस्टम बेहद शक्तिशाली एआई एल्गोरिदम है, जिसने आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। इसका मुख्य काम कंप्यूटर विजन का उपयोग करके युद्ध के मैदान की लाखों तस्वीरों और वीडियो फुटेज को स्कैन करना है। ड्रोन और सेटेलाइट से मिलने वाले अंतहीन वीडियो फुटेज को इंसान के लिए देख पाना और उसमें से खतरे को पहचानना नामुमकिन है। मेवन इसे सेकंडों में कर लेता है। यह सिस्टम भीड़ में से दुश्मन की गाड़ियों, हथियारों के डिपो और छिपे हुए ठिकानों को पहचान सकता है। यह शोर और सिग्नल के बीच अंतर कर सकता है, जिससे नागरिकों की मौत की संख्या कम करने और सटीक हमले करने में मदद मिलती है। पहले किसी लक्ष्य की पहचान करने, उसकी पुष्टि करने और उस पर हमला करने में कई घंटे या कभी-कभी कई दिन लग जाते थे। अब यही प्रक्रिया कुछ ही मिनटों या सेकंडों में पूरी हो सकती है। उपग्रह चित्र, ड्रोन कैमरे, संचार संकेत और खुफिया जानकारी—इन सबका विश्लेषण करने के लिए एआई एल्गोरिद्म का उपयोग किया जा रहा है। मशीनें विशाल डेटा का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की सूची तैयार करती हैं और सैन्य कमांडरों को तुरंत निर्णय लेने में मदद करती हैं। यही कारण है कि आधुनिक युद्धों में हमलों की गति और तीव्रता दोनों बढ़ गई हैं। ऐसी तकनीक ने युद्ध संचालन की गति को लगभग दोगुना कर दिया है।

सवाल यह है कि जब एल्गोरिद्म यह तय करने लगें कि किसे निशाना बनाया जाए, तो मानव नैतिकता और जिम्मेदारी का स्थान क्या होगा? युद्ध का निर्णय केवल तकनीकी गणना का विषय नहीं हो सकता। हर लक्ष्य के पीछे मनुष्य का जीवन और समाज की संरचना जुड़ी होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई आधारित युद्ध प्रणाली में गलती की संभावना भी उतनी ही खतरनाक हो सकती है जितनी उसकी क्षमता। यदि किसी नागरिक क्षेत्र को गलती से सैन्य लक्ष्य मान लिया जाए, तो उसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन और नीति विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि एआई आधारित हथियारों में अंतिम निर्णय मनुष्य के हाथ में ही रहना चाहिए। इसे 'ह्यूमन-इन-द-लूप' सिद्धांत कहा जाता है।

एआई, ड्रोन स्वार्म, स्वचालित हथियार और साइबर युद्ध—ये सब मिलकर भविष्य के युद्धों की नई तस्वीर बना रहे हैं। आने वाले वर्षों में युद्ध केवल जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रहेगा; यह डेटा सेंटर, उपग्रह नेटवर्क और एल्गोरिद्म के स्तर पर भी लड़ा जाएगा।

भारत ने हाल के वर्षों में रक्षा तकनीक, ड्रोन और एआई अनुसंधान में तेजी दिखाई है, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस क्षेत्र में और अधिक निवेश और रणनीतिक सोच की आवश्यकता है। आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि भविष्य की वैश्विक शक्ति संरचना में अपनी भूमिका तय करने का भी माध्यम है।

प्रश्न केवल तकनीक का नहीं, बल्कि मानवता का है। यदि युद्ध की गति मशीनों के हाथों में चली गई, तो क्या मानवीय विवेक पीछे छूट जाएगा? एआई युद्ध को तेज, सटीक और व्यापक बना सकता है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हर बटन के पीछे अंततः एक मानव निर्णय होना चाहिए। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत हमेशा इंसान ही चुकाता है—मशीनें नहीं।

अंतर्विद्यालयीन फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

मेजबान विद्यालय सहित कुल छह विद्यालय ले रहे भाग

रीवा। सैनिक स्कूल रीवा में अंतर्विद्यालयीन फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह कर्नल अविनाश रावल, वी एस एम, प्राचार्य सैनिक स्कूल के मुख्य आतिथ्य में शनिवार प्रातः 6 बजे आयोजित किया गया। विदित हो कि प्रतियोगिता में मेजबान विद्यालय सहित कुल छह विद्यालय भाग ले रहे हैं, जिनमें सैनिक स्कूल अमेठी, एस वी एम मंदसौर, सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़, श्री हनवंत सीनियर सेकेंडरी स्कूल जोधपुर, सैनिक स्कूल मैनपुरी तथा सैनिक स्कूल रीवा सम्मिलित हैं। प्रतियोगिता का समापन समारोह 30 अप्रैल को सायं 05 बजे होगा।

प्रातः 5 बजे विद्यालय के फुटबॉल ग्राउंड पर सभी विद्यालयों के प्रतिभागी भरपूर जोश, जज्बे व जुनून के साथ एकत्रित हुए। सर्वप्रथम सभी प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी। तदुपरांत मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिता का शुभारम्भ करने की घोषणा की। प्रतियोगिता का प्रथम मैच सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ व सैनिक स्कूल मंदसौर के बीच खेला गया, जिसमें सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ ने सैनिक स्कूल मंदसौर को 4 -0 से पराजित किया।

आयोजित हुए अन्य मैचों के परिणाम इस प्रकार रहे। बॉयज केटेगरी -सैनिक स्कूल मैनपुरी ने श्री हनवंत सीनियर सेकेंडरी स्कूल जोधपुर को 5 -0 से पराजित किया। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ ने सैनिक स्कूल अमेठी को 1 -0 से पराजित किया। सैनिक स्कूल मैनपुरी व सैनिक स्कूल अमेठी का मैच ड्रा रहा। गर्ल्स केटेगरी में सैनिक स्कूल रीवा व सैनिक स्कूल अमेठी का मैच ड्रा रहा।

परीक्षा के फॉर्म भरने की अंतिम तारीख आज

द्वितीय परीक्षा 7 से, जिन छात्रों ने फॉर्म भरा उनकी पहली अंकसूची रोकी

अब बेस्ट स्कोर की मिलेगी, वह सभी छात्र शामिल हो सकेंगे, जो पहली परीक्षा में असफल रहे

जागरण,रीवा

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा के नतीजों से असंतुष्ट और फेल विद्यार्थियों के लिए इस बार सिस्टम ने नई राह खोली है लेकिन इसके साथ ही पहली अंकसूची फिलहाल रोक दी गई है। मंडल ने साफ कर दिया है कि जिन छात्रों ने द्वितीय परीक्षा का फॉर्म भरा है, उनकी पहली मार्कशीट जारी नहीं होगी। अब अंतिम रूप से वही अंकसूची दी जाएगी, जिसमें दोनों परीक्षाओं में से सर्वश्रेष्ठ अंक होंगे। छात्रों की मांग को देखते हुए द्वितीय परीक्षा के फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 22 अप्रैल से बढ़ाकर 26 अप्रैल कर दी गई। 7 मई से शुरू होने वाली इस परीक्षा में वे सभी छात्र शामिल हो सकेंगे, जो पहली परीक्षा में असफल रहे हैं या अपने अंकों से संतुष्ट नहीं हैं। यानी यह सिर्फ पास होने का मौका नहीं, बल्कि परिणाम सुधारने का भी अवसर है। अब नजर 7 मई से शुरू होने वाली द्वितीय परीक्षा पर है। यह तय करेगी कि कितने छात्र असफलता से उबरकर सफलता की नई कहानी लिखते हैं और कितनों के लिए यह दूसरा मौका जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित होता है।

अभी मंडल से कोई दिशा-निर्देश नहीं आए है लेकिन बोर्ड परीक्षा के बाद जो सर्वश्रेष्ठ स्कोर होगा, उसी के आधार पर विद्यार्थियों को मार्कशीट दी जाएगी।
रामराज प्रसाद मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी रीवा।

ऑनलाइन विद्यार्थी कर रहे हैं आवेदन

द्वितीय परीक्षा के लिए सभी आवेदन ऑनलाइन हो रहे हैं। इसके चलते अभी जिला स्तर पर फॉर्म भरने वाले विद्यार्थियों की सटीक संख्या उपलब्ध नहीं हो सकी है। बोर्ड द्वारा एक विषय के लिए 500 रुपये और दो विषयों के लिए 1000 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

यह परीक्षा हौसलों, सब्र और यकीन की है

सेवानिवृत्त शिक्षक महेन्द्र तिवारी ने कहा कि प्रथम परीक्षा परिणाम से असंतुष्ट विद्यार्थियों के लिए यह दूसरा मौका है और वे अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। यह परीक्षा हौसलों, सब्र और यकीन की है। उन्होंने कहा कि डरो मत सवालों से, ये तुम्हें हराने नहीं, निखारने आए हैं। जितना तपोगे, उतना चमकोगे। आपके हाथ में मेहनत करना है। यदि आप ईमानदारी से मेहनत करते हैं, तो परिणाम भी आपके पक्ष में ही होगा।

बेस्ट ऑफ टू से मिलेगा राहत का रास्ता

मंडल के इस फैसले से छात्रों को फायदा मिलेगा। यदि कोई छात्र पहली परीक्षा में कम अंक लाता है और दूसरी में बेहतर प्रदर्शन करता है, तो उसे उसी के आधार पर अंतिम अंकसूची दी जाएगी। यानी एक तरह से बेस्ट ऑफ टू सिस्टम लागू किया गया है, जो छात्रों को एक और मौका देता है। हालांकि, पहली अंकसूची रोकने के फैसले ने कुछ छात्रों में असमंजस भी पैदा किया है।

हाईस्कूल में गिरावट, 12वीं में सुधार

राज्य स्तर पर हाईस्कूल के परिणाम में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल के 76.22 प्रतिशत से घटकर इस बार 73.42 प्रतिशत रह गया। जिले में भी यह 72.08 प्रतिशत से गिरकर 66.10 प्रतिशत हो गया। इसके उलट हायर सेकेंडरी में सुधार हुआ है। राज्य स्तर पर 1.53 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि जिले में परिणाम 64.28 प्रतिशत से बढ़कर 66.26 प्रतिशत पहुंच गया।

10वीं-12वीं में हजारों फेल

जिले के आंकड़े बताते हैं कि चुनौती कितनी बड़ी है। कक्षा 12वीं में 21520 में से केवल 14266 विद्यार्थी ही पास हो सके। इनमें 10861 प्रथम श्रेणी और 3398 द्वितीय श्रेणी में रहे। 7 छात्र तृतीय श्रेणी में रहे, अन्य छात्र-छात्राएं असफल रहे, जिससे कुल परिणाम 66.26 प्रतिशत रहा। कक्षा 10वीं में भी स्थिति ज्यादा अलग नहीं रही। 25296 में से 16722 विद्यार्थी पास हुए, जिनमें 12847 प्रथम और 3577 द्वितीय व 20 तृतीय श्रेणी में रहे।

बच्चों को परीक्षा के महत्व से कराया अवगत

रीवा। जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह के निर्देशन में बाल गृह में 'परीक्षा पर्व 8.0' के उपलक्ष्य में एक विशेष परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से संरक्षण अधिकारी स्वाति श्रीवास्तव, शिक्षा विभाग से मनु सिंह और समाजसेवी श्लेषा शुक्ला ने सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने बच्चों को जीवन में परीक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया। वक्ताओं ने विशेष रूप से आगामी गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग करने के गुर सिखाए और विस्तार से समझाया कि अलग-अलग विषयों को योजनाबद्ध तरीके से कैसे पढ़ा जाए, ताकि बच्चे खेल-कूद के साथ अपनी पढ़ाई को भी प्रभावी ढंग से जारी रख सकें।

अनिरुद्धाचार्य ने रामलखन शास्त्री को किया सम्मानित

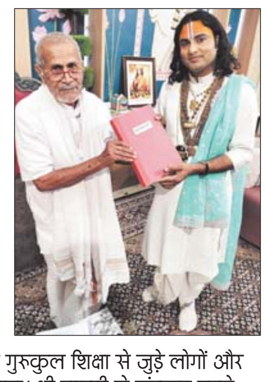

रीवा। साहित्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे साहित्यकार रामलखन शुक्ल शास्त्री का वृन्दावन धाम के सुप्रसिद्ध कथा वाचक अनिरुद्धाचार्य ने उनकी धार्मिक पुस्तकों का अवलोकन कर सम्मानित किया। उनकी कृतियों की प्रति आश्रम साहित्य कोषालय से जोड़ते हुए आत्मीय धन्यवाद ज्ञापित किया साथ ही पुस्तकों को गुरुकुल शिक्षा से जुड़े लोगों और बच्चों के लिये उपयोगी बताया। श्री शास्त्री ने संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों को सामूहिक छात्रवृत्ति भी दी जिसका अनिरुद्धाचाय ने आभार व्यक्त किया।

यहां जो पानी है डॉक्टरों के लिए, मरीजों के लिए नीचे गेट के पास...

भीषण गर्मी में पानी को तरस रहे अस्पताल आने वाले मरीज व अटेण्डर

एसजीएमएच के किसी भी मंजिल में नहीं पेयजल की व्यवस्था, सभी वॉटर कूलर खराब

जागरण, रीवा। संजय गांधी अस्पताल में आने वाले मरीज व अटेण्डरों के लिए भीषण गर्मी में पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। कहने को यहां वाटर कूलर हर स्थान पर लगे हैं, लेकिन न तो किसी में पानी भरा है न ही किसी के कनेक्शन किए हुए हैं। अस्पताल में भर्ती मरीज के अटेण्डरों को पानी लेने नीचे गेट के समीप लगे वाटर कूलर तक जाना पड़ता है। गेट पर जो वाटर कूलर लगा है उसमें भी ठंडा पानी नसीब नहीं हो रहा। इस वाटर कूलर के अलावा ग्राउंड फ्लोर में पानी की अन्य कोई व्यवस्था नहीं। अस्पताल के प्रथम तल पर वाटर कूलर लगा है, लेकिन उसमें भी पानी नहीं, वाटर कूलर के अंदर के उपकरण नदारद हैं। दूसरे तल पर लगे वाटर कूलरों में से एक तो जमीन पर पड़ा है और दूसरा उसके पास रखा है, दोनों में पानी नहीं भरा, वार्ड के समीप एक अन्य वाटर कूलर लगा है, वह भी सूखा ही पड़ा है। अस्पताल का कर्मचारी कहीं से पानी की बोतल भरकर ले जा रहा था ने बताया कि यहां जो पानी है वह डॉक्टरों के लिए है, मरीजों के लिए पानी नीचे गेट के समीप लगे वाटर कूलर में है। यानी इतने बड़े अस्पताल में जिसमें प्रतिदिन 8 सौ से हजार लोग जांच करवाने आते हैं, सैकड़ों मरीज अस्पताल में भर्ती रहते हैं, उनके लिए पूरे अस्पताल के गेट पर एकमात्र वाटर कूलर चालू है, वह भी महज 20 लीटर का।

परेशानी अटेण्डरों की जुबानी

वार्ड में पानी नहीं है, पानी लेने नीचे गेट के पास जाना पड़ता है, वार्ड में पुत्र भर्ती है मऊगंज से यहां उपचार करवाने आए हैं, कई बार नीचे लगे वाटर कूलर में भी पानी खत्म हो जाता है, बाजार से खरीदकर लाते हैं।
लालमन साकेत, मऊगंज

वार्ड में हमारा भाई भर्ती है अमरिती से यहां आए हैं, नीचे पानी लेने जा रहे हैं, यहां कहीं पानी नहीं है। सभी जगह ढूंढ़ लिया।
अंजली साकेत, अमरिती

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा आज

रीवा। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आज आयोजित होने वाली राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के सफल संचालन के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए आयोग के निर्देशानुसार परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश हेतु एक नवीन त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया लागू की गई है, जिसके तहत परीक्षार्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग और एचएचएमडी के माध्यम से गहन तलाशी ली जाएगी। जिला प्रशासन ने इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 90 मिनट पूर्व केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा ताकि समय पर जांच प्रक्रिया पूर्ण की जा सके। प्रशासनिक निर्देशों के अनुसार परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर ही अनुमति एवं वर्जित वस्तुओं की सूची चस्पा की जाएगी जिसका कड़ाई से पालन करना प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए अनिवार्य है। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए दोनों सत्रों में फ्रिस्किंग (जांच) की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसमें पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष वीक्षकों द्वारा तथा महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला वीक्षकों द्वारा पृथक केबिन में की जाएगी। इसके अतिरिक्त, ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वे अपनी सुविधा अनुसार महिला अथवा पुरुष कर्मचारी से अपनी जांच करवा सकते हैं। परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को दी जाएगी जो इस त्रि-स्तरीय जांच प्रक्रिया से गुजरेंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए यह भी स्पष्ट किया गया है कि वे अपने साथ केवल बॉलपेन, एक पारदर्शी पानी की बोतल, ई-प्रवेश पत्र और अपना मूल पहचान पत्र ही ले जा सकेंगे।

आज गोड़हर में आयोजित है भजन संध्या

रीवा। नगर के गोड़हर क्षेत्र में स्थापित साईं मंदिर में लेडवानी परिवार द्वारा आयोजित नई दिल्ली के प्रसिद्ध भजन गायक भुवनेश नैथानी का पहली बार नगर आगमन भजन संध्या के आयोजन में हो रहा है। भजन गायक भुवनेश अपनी विशेष प्रस्तुतियों के लिये जाने जाते हैं। श्री नैथानी की धार्मिक उपलब्धियों एवं वातावरण बनाने के निमित्त हिन्दू धर्म परिषद 26 अप्रैल को उनका सार्वजनिक सम्मान एवं अभिनंदन करेगा। परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा, संयोजक सुमित माँजवानी, सहसंयोजक उमेश कुशवाहा, संरक्षक विजय मोहन तिवारी, अवधेश श्रीवास्तव, जगन्नाथ साहू ने इस सम्मान कार्यक्रम में अपने सभी सदस्यों से शाम 06:30 बजे उपस्थिति का आग्रह करने के साथ भजन संध्या और भंडारे का आनंद उठाने के लिये आमंत्रित किया है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता से लौटी दिव्या का स्कूल में हुआ स्वागत

उमादत्त स्मृति विद्यालय दुआरी की हैं छात्रा

रीवा। उमादत्त स्मृति विद्यालय दुआरी की होनहार छात्रा दिव्या मिश्रा का चयन राष्ट्रीय स्तर की सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता हेतु मध्य प्रदेश टीम में हुआ। दिव्या मिश्रा ने दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। दिव्या मिश्रा का यह चयन एक कठिन और प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया के माध्यम से हुआ। प्रारंभ में रीवा संभाग की 16 सदस्यीय टीम का गठन किया गया, जिसके पश्चात पूरे मध्य प्रदेश के 10 संभागों की टीमों के बीच चयन प्रक्रिया संपन्न हुई। इन सभी संभागों से उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन करते हुए अंततः मध्य प्रदेश की टीम बनाई गई, जिसमें दिव्या मिश्रा ने अपनी प्रतिभा के दम पर स्थान प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि यह राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता 16 अप्रैल से 22 अप्रैल तक दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों की टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश टीम का हिस्सा बनकर दिव्या मिश्रा ने रीवा संभाग का मान बढ़ाया । प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के पश्चात जब दिव्या मिश्रा दिल्ली से वापस अपने विद्यालय पहुँचीं, तो विद्यालय प्रबंधन द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण रहा। विद्यालय के संचालक विपिन शुक्ला, प्राचार्य अमरेंद्र मिश्रा, खेल प्रभारी पूनम मिश्रा एवं शिवम मिश्रा ने दिव्या मिश्रा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दिव्या मिश्रा की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे रीवा संभाग के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

बंदियों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

रीवा। उच्च न्यायालय जबलपुर, मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय मुख्यपीठ जबलपुर के क्षेत्राधिकार में आने वाली जेलों में परिरुद्ध बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए वृहद मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर का शुभारंभ मुख्य न्यायाधिपति, उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश एवं संरक्षक मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर संजीव सचदेवा के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। शिविर के दौरान न्यायाधीश विवेक अग्रवाल अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ने बंदियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण पर बल दिया। केंद्रीय कारागार रीवा में यह आयोजन विशेष न्यायाधीश संदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा के सचिव समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम तैनात की गई थी, जिसमें मेडिसिन, सर्जरी, अस्थि, मानसिक, ई.एन.टी., नेत्र रोग, स्त्री रोग और बाल रोग विभाग के विशेषज्ञ शामिल थे। इस टीम द्वारा 603 बंदियों का निःशुल्क परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार उपचार प्रदान किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कारागार के जेल अधीक्षक सतीश उपाध्याय, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा, उप जेल अधीक्षक संजीव गेंदले और श्याम सिंह कुशवाहा सहित एल.ए.डी.सी.एस. के चीफ सुरेन्द्र सिंह, डिप्टी चीफ आनंद पाण्डेय एवं अन्य सदस्य, पैरालीगल वॉलियंटर्स तथा जेल के बंदीगण उपस्थित रहे।

गुरमीत सिंह मंगू का मनाया गया जन्मदिन

रीवा। आम आदमी के सिपाही प्रदेश कांग्रेस महासचिव गुरमीत सिंह मंगू का 54वां जन्मदिन शनिवार को धार्मिक कीर्तन के साथ कार्यालय में हिंदू उत्सव सुमित धर्म परिवार के नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा श्रीप्रकाश तोमर सुनील अग्रवाल सुरेश विश्नोई राजमणि तिवारी भोला मनीष साहू प्रभात सिंह सहित सहयोगी साथियों द्वारा वरिष्ठ पत्रकार अनिल त्रिपाठी अखिलेश त्रिपाठी विश्वनाथ सिंह कुलदीप गुप्ता एसबी पांडे, एपी शुक्ला कमलनयन पांडेय संजू विश्वकर्मा केशव वर्मा के उपस्थिति में मना कर उनके स्वस्थ दीर्घायु की कामना की गई। इस दौरान धर्म परिवार की गायक मंडली ने श्री राम सीता का संकीर्तन कर उपस्थित लोगों को राम रस में लीन कर दिया। इसके अलावा एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय द्वारा एनएसयूआई साथियों सहित कोठी मंदिर परिसर में दीन दुखियों को फल वितरण कर श्री मंगू का जन्मोत्सव मनाया गया। इसी तरह नासिर अंसारी व मोहसिन खान द्वारा मुस्लिम भाइयों के साथ बडी दरगाह में चादर पोशी की गई एवं विंध्य ताइक्वांडो सचिव राजू वर्मा द्वारा समिति के अध्यक्ष गुरमीत सिंह का वर्षगांठ ताइक्वांडो खिलाड़ियों के बीच केक काटकर व मिष्ठान वितरण कर मनाया गया, वहीं आसिफ अंसारी द्वारा बच्चों को केक व टॉफी वितरित की गयी। साथ ही अन्य कई समर्थकों ने बस्ती मोहल्लों में केक काटकर गुरमीत सिंह मंगू के सुखमय जीवन की कामना परमेश्वर से की।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज, 4132 कर्मचारियों की ड्यूटी

बुजुर्ग माता-पिता और बीमारी का हवाला, ड्यूटी कटाने की मची होड़

रोजाना अलग-अलग अधिकारियों के पास पहुंचे रहे दर्जनों आवेदन

जागरण,रीवा। जनगणना 2027 की तैयारियां तेज हो गई है। स्व-गणना प्रक्रिया के बाद एक मई से प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। इस कार्य के लिए जिले में करीब 4132 अधिकारी और कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है, जिनमें सबसे अधिक संख्या शिक्षकों की है। जहां एक ओर ड्यूटी के आदेश जारी किए जा रहे है, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों की ओर से ड्यूटी से नाम हटाने के लिए आवेदन भी बढ़ रहे हैं। रोजाना 15 से 20 आवेदन प्राप्त हो रहे है। अब तक दो सैकड़ा से अधिक आवेदन आ चुके हैं, जिनमें बीमारी, बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल और छोटे बच्चों की जिम्मेदारी जैसे कारण बताए जा रहे है। हालांकि जिन्होंने आवेदन किए हैं, उनको मेडिकल संबंधी दस्तावेज 29 अप्रैल तक सत्यापन कराकर देने को आदेशित किया गया है।

संघों ने जताई आपत्ति

शिक्षक संगठनों ने भी इस मुद्दे पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि शिक्षकों से गैर-शैक्षणिक कार्य अधिक लिए जा रहे है, जिससे पढ़ाई प्रभावित होती है। साथ ही कई बार मानदेय के भुगतान में भी देरी होती है।

शिक्षकों में नाराजगी

जनगणना कार्य में सबसे अधिक जिम्मेदारी शिक्षकों पर होने से उनमें नाराजगी है। उनका कहना है कि उन्हें स्कूल के कामकाज के साथ-साथ जनगणना की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ रही है। वर्तमान में स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है और आगामी समय में भी यह कार्य जारी रहेगा, जिससे अध्यापन प्रभावित होने की आशंका है।

शहरी-ग्रामीण स्तर पर जिम्मेदारी तय

जिले में जनगणना कार्य शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में किया जाएगा। शहरी क्षेत्र में नगर निगम के 4 जोन प्रभारियों को चार्ज ऑफिसर बनाया गया है, जबकि नगर निगम आयुक्त को प्रमुख जनगणना अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ग्रामीण क्षेत्र में कलेक्टर और एसडीएम व तहसीलदार स्तर पर यह जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। नगर पालिका सीएमओ को मुख्य नगर जनगणना अधिकारी बनाया गया है।

मकान सूचीकरण से होगी शुरुआत

प्रारंभिक चरण में मकानों का सूचीकरण और गणना की जाएगी, जबकि अगले वर्ष से मुख्य जनगणना कार्य शुरू होगा। पहले चरण में कार्य करने वाले प्रगणकों को आगे भी जिम्मेदारी मिलने की संभावना हैए जिससे उन्हें क्षेत्र का अनुभव रहेगा।

अंतर एकेडमी क्रिकेट प्रतियोगिता

डीसीए मऊगंज ने चैंपियन क्रिकेट एकेडमी को पराजित कर सेमी फाइनल में बनाई जगह

मऊगंज के राजशेखर द्विवेदी ने बनाया शतक

जागरण,रीवा। रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व में खेली जा रही अंतर एकेडमी क्रिकेट प्रतियोगिता (अंडर-18) के अंतर्गत विश्वविद्यालय स्टेडियम मे चैंपियन क्रिकेट एकेडमी रींवा एवं डीसीए मऊगंज के बीच खेले गये 2 दिवसीय मैच के दूसरे और अंतिम दिन के खेल में मऊगंज की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया व चैंपियन एकेडमी की टीम को पहली पारी की लीड के आधार पर पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है । उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए के सह सचिव देवेश शुक्ला के द्वारा बताया गया कि इस दो दिवसीय मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुये डीसीए मऊगंज की टीम के बल्लेबाजों ने धुंआधार प्रदर्शन किया एवं पहली पारी 80 ओवरों तक बल्लेबाजी करते हुये 346 रनों का विशाल स्कोर बनाया । मऊगंज की ओर से राजशेखर द्विवेदी ने बेहतरीन बैटिंग की तथा 125 गेंदो में 12 चौके एवं 1 छक्के की मदद से 104 रनों की शतकीय पारी खेली। उनके अतिरिक्त कप्तान मानव मिश्रा ने 55 रन एवं धर्मेन्द्र पटेल ने 52 रनों की अर्धशतीय पारियां खेली। चैंपियन एकेडमी की ओर से आनंद माझी ने 97 रन देकर 5 विकेट हासिल किये । मऊगंज की पहली पारी के समाप्त होने के पश्चात चैंपियन एकेडमी ने अपनी पहली पारी आरंभ की परंतु गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उनके बल्लेबाजों ने भी बेहद लचर व नकारात्मक खेल दिखाया जिसके कारण डनकी पहली पारी 52 ओवरों में मात्र 91 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी । मऊगंज के लिये सौरव मिश्रा एवं कप्तान मानव मिश्रा ने गेंदबाजी में दमदार प्रदर्शन किया व सौरव मिश्रा ने 4 विकेट एवं मानव मिश्रा ने 3 विकेट लिये । इस प्रकार पहली पारी में 255 रनों की विशाल लीड लेते हुये डीसीए मऊगंज की टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया है । इस मैच के अंपायर जीतेन्द्र गुप्ता एवं निशी मिश्रा रहे जबकि स्कोरर विकास सिंह थे । डीसीए मऊगंज के शानदार प्रदर्शन पर सचिव संजय तिवारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये टीम सभी खिलाड़ियों को बधाई दी तथा अगले मैचों मे अच्छे प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

डीसीए सतना का सेमीफाइनल में प्रवेश

वहीं एमपीसीए क्रिकेट मैदान में डीसीए सतना एवं डीसीए सिंगरौली के बीच खेले गये दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में सतना की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया व एकतरफा मुकाबले में सिंगरौली को पारी के अंतर से पराजित करते हुये सेमीफाइनल में प्रवेश किया । स्कोरशीट की अनुपलब्धता के कारण मैच का विस्तृत विवरण नहीं प्राप्त हो सका है ।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले आज से

आज 26 अप्रैल से शेष दोनों क्वार्टर फाइनल मैच खेले जावेंगे जिसके तहत विश्वविद्यालय स्टेडियम में एसडीसी एकेडमी मैहर एवं आरडीसीए एकेडमी रीवा की टीमो के बीच तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच होगा जबकि एमपीसीए क्रिकेट मैदान में डीसीए सीधी एवं पहले मैच में शानदार खेल का प्रदर्शन करने वाली शिल्पी चैंपियन एकेडमी के बीच चौथा क्वार्टर फाइनल मैच खेला जावेगा । भीषण गर्मी के कारण सभी मैच दो दिवसीय होंगे व सुबह 7:00 बजे से आरंभ होंगे।

हजारों दोपहिया व चौपहिया वाहन बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट

वर्ष 2019 से पहले खरीदे गए पुराने वाहनों में नंबर प्लेट लगाया जाना अनिवार्य

जागरण,रीवा। एक अप्रैल 2019 के बाद रजिस्टर्ड होने वाले नए वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाई जा रही है। वहीं वर्ष 2019 से पहले खरीदे गए पुराने वाहनों में ही इस हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट को लागया जाना अनिवार्य किया है। परन्तु शहर में पुराने वाहनों के लिए भी लागू की गई इस अनिवार्यता को पूरा नहीं किया जा रहा है। हजारों ऐसे दो पहिया और चौपहिया पुराने वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं जिनमें अब तक हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) को नहीं लगाया गया है। वहीं ऐसे वाहनों पर स्थानीय परिवहन विभाग के जिम्मेदारों के द्वारा सख्ती से कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। जिसके कारण वाहन मालिक इस अनिवार्यता को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

यह होगा फायदा

बताया गया है कि किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी और अपराध किए जाने पर रोक लगाने में वाहनों की हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट बहुत काम की है। एचएसआरपी लगाए जाने से काफी मदद मिलेगी। वाहन चोरी होने की दशा में उसे ट्रेस करना भी आसान होगा। इसके साथ ही पोर्टल पर एचएसआरपी अपलोड करने से उस वाहन की जानकारी और वाहन बेचनेए ट्रांसफर की प्रक्रिया, एनओसी, परमिट सहित अन्य कार्यों करवानें में वाहन मालिक को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस एचएचआरपी के अपलोड नहीं होने से वाहन मालिक के यह कार्य रुक जाएंगे।

तेज रफ्तार ऑटो पलटा, सवार श्रमिक की मौत

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र एसके स्कूल के समीप की घटना

जागरण, रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एसके स्कूल के पास शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में ऑटो सवार एक श्रमिक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची जहां से घायल अवस्था में युवक को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा गया लेकिन उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान निपनिया निवासी विनोद साकेत के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया है कि पूरा परिवार मजदूरी का काम करता है। पत्नी खेत काटने के लिए गई थी और मृतक विनोद साकेत उसके बाद मजदूरी करने के लिए ऑटो में सवार होकर निकला था। निपनिया से बाजार की ओर जाते समय एसके स्कूल के पीछे तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में विनोद साकेत गंभीर रूप से घायल हुआ था जिसकी संजय गांधी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर पूरी घटना की विवेचना में लगी हुई है।

भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन का 5 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

जागरण, रीवा। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट भोपाल के सौजन्य से होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ रीवा में 21 से 25 अप्रैल तक आयोजित पांच दिवसीय भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन एवं ध्वस्त संरचना खोज एवं बचाव प्रशिक्षण के प्रशिक्षण का समापन किया गया। समापन कार्यक्रम में सपना त्रिपाठी अपर कलेक्टर एवं राजेश कुमार सिंन्हा ज्वॉइंट कलेक्टर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उक्त कार्यशाला में प्रतिभागी के तौर पर शासकीय आईटीआई के इंस्ट्रक्टर एवं छात्र, टीआरएस कॉलेज,मॉडल साइंस कॉलेज एवं जीडीसी कॉलेज के छात्र-छात्राओं, जिले में आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए सिविल डिफेंस वालंटियर एवं होमगार्ड एवं एसडीआरएफ के विभिन्न जवानों द्वारा 21 से 25 अप्रैल तक दो चरणों में आयोजित पांच दिवसीय भूकंप से संबंधित आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ रविंद्रनाथ तिवारी, भूगर्भ वैज्ञानिक एवं प्राचार्य मॉडल साइंस कॉलेज, प्लाटून कमांडर विकाश कुमार पाण्डेय, रेडक्रॉस से आये प्रशिक्षकों में नसीम अंसारी सर्पमित्र एवं सिविल डिफेंस वालंटियर आदि अन्य कई विषय विशेषज्ञों के द्वारा विभिन्न विषयों पर सभी प्रशिक्षक आर्थियों को पीटी एवं सहायक सामग्री के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया एवं शंका समाधान किया गया। समापन कार्यक्रम में जिला सेनानी मीनाक्षी चौहान के द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में अपर कलेक्टर को जानकारी देते हुए बताया गया की पांच दिवसीय प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों को बाढ़, भूकंप, अग्नि, सर्पदंश, हीट वेव्स व लू लगने, आकाशीय बिजली, आदि आपदाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं इन घटनाओं के दौरान होने वाली विभीषिकाओं से बचने व पूर्व तैयारी एवं घटना के पश्चात किए जाने वाली कार्रवाई बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही घटना के दौरान विक्टिम, को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के तरीकों के बारे में भी सिखलाई दी गई व घायल व्यक्ति को प्रथम उपचार देने एवं सीपीआर का भी प्रशिक्षण सभी प्रशिक्षणार्थीयों को दिया गया।

रीवा आता हूं तो बचपन की स्मृतियां ताजा हो जाती हैं: तन्खा

रीवा। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य देश के ख्यातिलब्ध अधिवक्ता विवेक तन्खा के रीवा अल्प प्रवास पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू, संगठन महासचिव ग्रामीण एड. रवि तिवारी, शहर संगठन महासचिव सज्जन पटेल के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी रीवा का प्रतिनिधि मण्डल श्री तन्खा से मिलकर उनका युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रोहन जॉन के आवास पर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर श्री तन्खा ने कहा कि रीवा की धरती से मेरा सदैव आत्मीय लगाव रहा हैं, जब भी कभी मैं यहां आता हूं तो मुझे बचपन की सारी स्मृतियां ताजा हो जाती हैं, और मैं आप सबसे मिलकर अपने आपको गौरान्वित महसूस करता हूं। प्रतिनिधि मण्डल ने श्री तन्खा को अवगत कराया कि रीवा में कांग्रेस भवन के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, जिस भूमि पर शीघ्र ही कांग्रेस भवन का निर्माण प्रांरभ करने की कार्य योजना है। उन्होने कहा कि भविष्य में जब कांग्रेस कार्यालय भवन का भूमि पूजन होगा तो मैं अनिवार्य रूप से उपस्थित रहूंगा तथा कांग्रेस जनों से मुलाकात भी करूंगा।

उर्स मुबारक आज, देश के मशहूर कव्वालों के बीच होगा मुकाबला

आयोजन हजरत दाराशाह ग्राउंड बिछिया में

रीवा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हज़रत दाराशाह रहमतुल्लाह अलैह, तकिया बिछिया का उर्स मुबारक रविवार 26 अप्रैल को शानो-शौकत एवं अकीदतमंदी के साथ मनाया जाएगा। उर्स कमेटी के अध्यक्ष सहफूज खान, सचिव मुख्तार खान, उपाध्यक्ष तारिफ खान एवं कार्यकारी अध्यक्ष वाइज खान ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि इस उर्स शरीफ में चार चांद लगाने हेतु हिंदुस्तान के जाने-माने मशहूर कव्वाल रईस मियां (दिल्ली) एवं सैम अली नियाज़ी अपनी शानदार प्रस्तुति देने हेतु तशरीफ ला रहे हैं। कव्वाली का भव्य मुकाबला रात्रि 10:00 बजे से शुरू होकर भोर तक चलता रहेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला वक्फ बोर्ड कमेटी रीवा के अध्यक्ष तौसीफ अहमद (रेसी) रहेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हाजी डॉ. मुजीब खान द्वारा की जाएगी। उर्स कमेटी के सरपरस्त एवं सदस्यों में हाजी मास्टर शफीक खान, अयाज खान अज्जू, माजिद खान, अजहरुद्दीन अज्जू, आशिक खान, महफूज खान, रफीक खान, सईद खान, वाशिद खान, दिलेनाज जुगनू, तौसीफ खान, एजाज खान, शमीम खान, लईक खान, अरशद खान, अकील खान, शकील खान, रफीक खान, इंताज खान, नदीम खान, वाहिद खान, सुहैल खान, पियूष खान, तालिब खान, एनाम खान, आसिफ गोलू, अरमान खान, ओवैस खान, गुड्डू खान सहित अन्य सदस्यों ने समस्त श्रद्धालुओं से उर्स पाक में शामिल होने की अपील की है।

आयुष्मान कार्ड की तकनीकी समस्या दूर कर महिला मरीज को दिया गया नया जीवनदान

रीवा। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल प्रबंधन की संवेदनशीलता और तत्परता के कारण एक गंभीर महिला मरीज को समय पर उपचार मिल सका है। उमरी निवासी एक 34 वर्षीय महिला न्यूरोसर्जरी विभाग में भर्ती हुई थी, जिसकी स्थिति काफी गंभीर थी और उसे तत्काल इलाज की आवश्यकता थी। मरीज के पुराने आयुष्मान कार्ड में तकनीकी गड़बड़ी होने के कारण पोर्टल पर औपचारिकताएं पूरी नहीं हो पा रही थीं और आर्थिक तंगी के चलते परिवार निजी खर्च उठाने में असमर्थ था, जिससे इलाज में व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। जैसे ही यह मामला अस्पताल प्रबंधन के संज्ञान में आया, उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत भोपाल स्थित आयुष्मान विंग से संपर्क किया और प्राथमिकता के आधार पर महिला का नवीन आयुष्मान कार्ड बनवाया। नया कार्ड बनते ही पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर मरीज की रुकी हुई जांचें और उपचार की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर दी गई। वर्तमान में महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में है और उसका उपचार पूर्णतः निःशुल्क किया जा रहा है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अक्षय श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मरीज दस्तावेजों की कमी के कारण इलाज से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जानकारी मिलते ही आयुष्मान टीम को त्वरित निर्देश दिए गए ताकि उपचार में देरी न हो। चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील अग्रवाल के सहयोग से यह अस्पताल निरंतर आयुष्मान मरीजों को सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्वाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत (निर्माण) शाखा, खुली निविदा
निविदा क्रमांकः जबल/एलसी/टी/2026/01

उप मुख्य विद्युत इंजी. (निर्माण), जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है जिनके पास वैध 'A' श्रेणी का विद्युत लाइसेंस जो कि किसी भी राज्य सरकार द्वारा जारी किया गया हो (अपने फर्म के नाम पर या अपने नाम पर यदि सोल प्रोपराइटर या किसी एक पार्टनर के नाम पर हो) निम्न लिखित कार्यों हेतु ऑन लाइन प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएंगे इस ठेका के विरुद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और ऐसा प्राप्त मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा।, **निविदा सूचना कमांक-** जबल/एलसी/टी/2026/01 दिनांक 24/04/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित-** ललितपुर-सिंगरौली नई बीजी लाइन प्रोजेक्ट के इलेक्ट्रिफिकेशन के संबंध में वेस्ट सेंट्रल रेलवे के जबलपुर डिवीजन के रीवा-सीधी-सिंगरौली और सतना-पन्ना-खजुराहो सेक्शन में टीएसएस, एसपी और एस एसपी के लिए ऑटो ट्रांसफॉर्मर न्यूट्रल करंट रेश्यो पर आधारित 2x25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम के लिए ऑटोमैटिक फॉल्ट लोकेटर (एएफएल) की सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग का कार्य।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपये में)- Rs. 6,14,99,092.21/-, निविदा फार्म की कीमत रूपये-** Nill, **कार्यालय का पता-** उप मुख्य विद्युत इंजी (निर्माण), भूतल, मुख्य परियोजना प्रबंधक प्रोजेक्ट कार्यालय, म.प्र. पर्यटन भवन के सामने, जबलपुर 482001, **बिड सिक्यूरिटी (रूपये)-Rs. 12,30,000/-, समापन अवधि- 12 माह, निविदा जमा करने की तिथि एवं समय-** 18.05.2026 (15.00 बजे तक), **निविदा खुलने की तिथि एवं समय-** 18.05.2026 (15.30 बजे), निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट https://ireps.gov.in. पर उपलब्ध है तथा उप मुख्य विद्युत इंजी. (निर्माण), जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

(हस्ता.)
उप.मुख्य विद्युत इंजी.
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल

संकेत एवं दूरसंचार विभाग
खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यो हेतु निर्धारित ई निविदा. आमंत्रित करते है। **क्र. सं. 1 निविदा सूचना कमांक** :रू जबल-एन-सिग,-टेण्डर-2026-16, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर डिवीजन के सतना-रीवा खंड में टर्नआउट नवीनीकरण से संबंधित संकेत एवं दूरसंचार कार्य (सिग्नलिंग कार्य), **निविदा का अनुमानित मूल्य (रु. में)** : रु 16702739.59, **निविदा फार्म की कीमत (रुपये)** : रु 00/-, **कार्यालय का पता** : मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, 'जबलपुर, **बयाना राशि रुपये** : रु 334100/-, **समापन अवधि (माह)** : 11 माह, **निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय** : दिनांक 22.05.2026 को 15. 00 बजे तक बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। **क्र. सं. 2 निविदा सूचना कमांक** : जबल-एन-सिग,-टेण्डर-2026-17, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर डिवीजन के मझगवां स्टेशन पर लाइनों के सीएसएल/सीएसआर को बढ़ाने के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार कार्य, **निविदा का अनुमानित मूल्य (रु. में)** : रु 4444180.06, **निविदा फार्म की कीमत (रुपये)** : रु 00/-, **कार्यालय का पता** : मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर, **बयाना राशि रुपये** : रु 88900/-, **समापन अवधि (माह)** : 11 माह, **निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय** : दिनांक 22.05.2026 को 15. 00 बजे तक बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे बेबसाइट "https://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक. (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त बेबसाइट से ओनलाईन आवेदन की जा सकती है।

हस्ता.
मंडल रेल प्रबंधक(संकेत एवं दूरसंचार)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

श्रद्धांजलि

आज
स्व.डॉ.विश्वंभर नाथ द्विवेदी जी
की तृतीय पुण्यतिथि पर उन्हें
कोटि-कोटि नमन
उनकी स्मृतियाँ एवं आदर्श सदैव हमारे हृदय में जीवित रहेंगे।
ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें एवं हम सभी पर उनका आशीर्वाद बना रहे।
विनयावतः श्रीमती ललिता द्विवेदी, अनुराग-स्मृति, शिवल-रानू, अमिताभ-अंकिता, सनव, रौनव, अन्वी, आन्या, आनव एवं अर्श

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी0-सी-2026-91 | **अनुमानित लागत** : ₹ 13467520.09

कार्य का नामः बीना-झाँसी सेक्शनः टीएसआर (पी) ऑफ 4 टीकिमी. इन ललितपुर यार्ड बाय मैन्युअल मीन्स अंडर एडीईएन/ललितपुर सब डिवीजन।

अमानत राशिः ₹ 269400.00 | **निविदा बन्द होने की तिथिः** 15.05.2026 at 15:00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 06 माह

निविदा दिनांक 15.05.2026 को 15.00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 903/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या 09/2026/आर.एस./जे.एच.एस. दिनाँकः 23/04/2026

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर (चल स्टॉक), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिये ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं: झाँसी-आर.एस.-डब्ल्यू. सी.- टी1-2026-27

कार्य का विवरणः कन्वेंशनल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के ऑक्सिलरी मोटरों का ओवरहॉलिंग।

निविदा मूल्यः Rs. 21400770.00 | **बयाना राशि**: Rs. 428000.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 24 माह

निविदा बंद होने की तिथिः 22.05.2026, निविदाकार निविदा दिनांक **22.05.2026** को **15:00 बजे** तक आनलाईन जमा कर सकेगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के बेवसाईट **http://www.ireps.gov.in** पर देखे। 899/26 (D)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कलेक्टर एवं प्रशासक लक्ष्मणवाग संस्थान रीवा (.प्र.म) (म.प्र.)

निविदा सूचना

क्रमांक 709/ल.बा.सं./2026 रीवा दिनांक 23/04/2026

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये चिरहुला मंदिर परिसर एवं लक्ष्मणवाग संस्थान परिसर जिला रीवा में साफ सफाई हेतु पंजीकृत एजेन्सी/फर्म से मुहरबंद निविदा द्विनिविदा प्रणाली (Two Bid System) में आमंत्रित की जाती है। निविदा पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/कार्यालय काउन्टर पर जमा द्वारा दिनांक 30 अप्रैल 2026 अपरान्ह 04 बजे तक अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग हुजूर रीवा कार्यालय में प्राप्त होनी चाहिए। डाक में विलम्ब के लिए कार्यालय की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। निविदा के साथ निविदा प्रपत्र का मूल्य फार्म रू. 1000/- (एक हजार रूपये मात्र) धनराशि का बैंक ड्राफ्ट/चेक कलेक्टर एवं प्रशासक लक्ष्मणवाग संस्थान जिला रीवा के पक्ष में संलग्न करना अनिवार्य होगा निविदा प्रपत्र की राशि किसी भी दशा में वापस नही की जावेगी। निविदा प्रपत्र के साथ रूपये 5000/- (पांच हजार रूपये मात्र) धरोहर राशि बैंक ड्राफ्ट, DD, चेक कलेक्टर एवं प्रशासक लक्ष्मणवाग संस्थान जिला रीवा के नाम संलग्न करना आवश्यक है। निविदा गठित समिति के द्वारा दिनांक 04 मई अपरान्ह 04:00 बजे बीहर सभागार तहसील हुजूर रीवा में खोली जावेगी। इच्छुक निविदादाता निविदा खुलने के समय उपस्थित रह सकते हैं। नियम एवं शर्तें को जानने हेतु कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

कार्यपालन अधिकारी
लक्ष्मण वाग संस्थान रीवा (.प्र.म)

G-11984/26

उत्तर मध्य रेलवे

पेंशन अदालत

वैगन मरम्मत कारखाना, झाँसी उत्तर मध्य रेल, द्वारा दिनांक 15 जून 2026 को पेंशन अदालत का आयोजन।

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार वैगन मरम्मत कारखाना झाँसी द्वारा दिनांक 15.06.2026 (सोमवार) को समय 11:00 बजे मुख्य कारखाना प्रबन्धक कार्यालय के मीटिंग हॉल में **पेंशन अदालत** आयोजित की जायेगी। सेवानिवृत्त कर्मचारी / मृतक कर्मचारियो के आश्रित, यदि उन्हे सेवानिवृत्ति देय या **पेंशन** से सम्बन्धित कोई शिकायत है, तो अपना आवेदन विहित रूप में दिनांक 15.05.2026 तक कार्यालय में रखी गई पेटिका में डाले या निम्नलिखित पते पर डाक द्वारा भेज सकते है।

पता किस पर आवेदन भेजना है।	आयोजन- स्थल
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, वैगन मरम्मत कारखाना, उत्तर मध्य रेल, झाँसी।	मीटिंग हॉल, मुख्य कारखाना प्रबन्धक, कार्यालय।

आवेदन का प्रारूप

1- आवेदन/आवेदिका का नाम 2- भूतपूर्व कर्मचारी का नाम 3- टिकट संख्या/कर्मचारी संख्या 4- पदनाम एवं अन्तिम कार्यस्थल 5- पूर्व कर्मचारी के साथ आवेदक/आवेदिका का सम्बन्धं 6- वर्तमान पता 7- सेवानिवृत्ति तिथि 8- सेवा निवृत्ति का प्रकार (सामान्य/स्वैच्छिक/अनिवार्य) 9- पी.पी.ओ. संख्या (छाया प्रति संलग्न की जाये।) 10- अन्तिमं वेतन एवं वेतनमान 11- शिकायत का विस्तृत विवरण 12- मोबाईल न0 एवं सम्बन्धित पे ग्रुप संख्या

नोट - कृपया लिफाफे के पेंशन अदालत जून-2026 का उल्लेख करें तथा आवेदन 03 प्रतियों में समस्त प्रपत्रो सहित उपलब्ध करायें।

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 915/26 (D)

कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल- ce.tender.wrdmp@gmail.com
फोन-0755-2767635 फेक्स-0755-2552406
निविदा सूचना क्रमांक-1214/2026-27/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/भोपाल, दिनांक 24.04.2026

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 11.05.2026 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2026_WRD_502634	केन मन्दाकिनी लिंक परियोजना अन्तर्गत तुलसी बैराज, सुनवारी बैराज, बगोंपुर वियर, बैलेंसिंग रिजर्वायर 1 एवं 2 तथा टनल के फाउन्डेशन निर्धारण व भूगर्भीय संरचना के अध्ययन के लिए ड्रिलिंग का कार्य।	सतना	52.59

G-12024/26 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय नगर परिषद हनुमना, जिला मऊगंज (म.प्र.)

E-Mail ID- cmohanumana@mpurban.gov.in

क्रमांक/143/निविदा सूचना/नग.परि./2026 हनुमना, दिनांक 15.04.2026

TENDERDOCUMENT
(LUMPSUM TENDER FOR INTERCEPTION & DIVERSION RELATED WORKS)
ऑनलाइन निविदा आमंत्रण-सूचना

नगर परिषद हनुमना, जिला-मऊगंज द्वारा म.प्र. लोक निर्माण विभाग मे नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से फार्म ई - टेण्डरिंग के माध्यम से तालिका में वर्णित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, एस. ओ. आर. दिनांक-02 अगस्त 2021 (संशोधित) के आधार पर निविदा प्रपत्र ''अ'' मे दरे आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने एवं निविदा से सम्बंधित समस्त शर्ते एवं जानकारी बेबसाईट http://mpetender.gov.in से एवं कार्यालय नगर परिषद हनुमना से प्राप्त की जा सकती है। निविदा मे किसी भी प्रकार का संशोधित केवल वेबसाईड पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

टेण्डर सिस्टम नं.	सामग्री का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि का ऑनलाईन FDR	समय-सीमा	निविदा प्रपत्र की कीमत
1	2	3	4	5	6
2026_UAD_50087_1	Interception& Diversion of Nallahs with STP works Project of Hanumana town under SBM 2.0	4,28,35000=00	2,14,175 =00	12 months including rainy season	15,000=00

उक्त निर्माण कार्यों के निविदा प्रपत्र दिनांक 16.04.2026 को प्रात: 10:30 से दिनांक 18.05.2026 को सायं 5:30 तक बेवसाईट पर लागू प्रोसेसिंग शुल्क के ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद हनुमना
जिला-मऊगंज (म.प्र.)

कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी भू-अर्जन, एवं पुनर्वास अनुभाग-सिरमौर जिला-रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 96 भू-अर्जन/कार्य/2026 सिरमौर, दिनांक 21/4/2026

प्रारूप-ख
(नियम -5 का उपनियम (2) देखिए)

अतएव राज्य सरकार को भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें भूमिगत पाइप लाइन बिछाये जाने का प्रस्ताव है, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए। अतएव, मध्यप्रदेश भूमिगत पाइप लाइन (भूमि के उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 2013 (क्रमांक 5 सन् 2013) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य सरकार, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है। कोई व्यक्ति जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित होती है, इक्कीस दिवस के भीतर भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाये जाने के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी भू-अर्जन एवं पुनर्वास अनुभाग-सिरमौर, जिला-रीवा को लिखित में भेज सकेगा।

अनुसूची

अनुक्रमांक	ग्राम का नाम/पटवारी हल्का क्रमांक	खसरा क्रमांक	कुल क्षेत्र (हेक्टेयर में)	भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के अधिकार के लिये अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5
1	ग्राम जिवार पटवारी हल्का-जिवार तहसील-सेमरिया जिला-रीवा	226/1/1	0.057	0.009
2		226/1/2/1	0.028	
3		226/1/2/2	0.028	
4		226/2	0.344	
5		225	0.308	0.006
6		224	1,068	0.021
7		222	0.247	0.010
8		220/1/1	0.271	0.019
9		220/1/2	0.267	
10		220/1/3	0.291	
11		220/2/1	0.268	
12		220/2/2	0.271	
13		216/1/1	0.319	0.015
14		216/1/2	0.324	
15		216/2	0.684	
16		217/1/1	0.028	0.004
17		217/2	0.048	
18		217/1/2	0.024	
19		218/1/1	0.085	0.002
20		218/2	0.166	
21		218/1/2	0.085	
22		185/1/1/1/1	0.130	0.009
23		185/1/1/1/2	0.008	
24		185/1/1/2	0.134	
25		185/1/2	0.134	
26		185/2/1/1/1	0.016	
27		185/2/1/1/2	0.397	
28		185/2/1/1/3	0.397	
29		185/2/1/2	0.223	
30		185/2/2/1	0.217	
31		185/2/2/2	0.405	
32		185/2/2/3	0.405	
33		185/3	0.607	
	(अ) निजी भूमि का योग-	33 किता	8.284	0.095
1		242	0.587	0.002
2		214	0.840	0.002
	(ब) म. प्र. शासन की भूमि का योग-	2 किता	1.427	0.004
	अ+ब का योग-	कुल 35 किता	9.711	0.099

अनुविभागीय अधिकारी
अपर सी.डब्ल्यू.सी. उप संभाग क्र.-3
गोविंदगढ रीवा (म.प्र.)

कार्यपालन यंत्री,
क्योटी नहर संभाग रीवा (म.प्र.)

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अनुभाग सिरमौर जिला-रीवा (म.प्र.)

G-12016/26

गेहूं उपार्जन में किसानों को न हो तकलीफ, रोज करें समीक्षा

मुख्यमंत्री ने गेहूं उपार्जन की समीक्षा कर अफसरों को दिए निर्देश, योजनाओं पर चर्चा

जागरण, भोपाल। प्रदेश की मंडियों और केंद्रों में चल रहे गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों की सहूलियत को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहाकि केंद्र और प्रदेश की सरकार ने किसान हितैषी कदमों से आवक केंद्रों में अब तेजी बढ़ेगी। संख्या बढ़ने पर भी किसानों को किसी भी तरह की तकलीफ नहीं होना चाहिए। प्रत्येक उपार्जन केंद्र में 6 इलेक्ट्रानिक तौलकांटे रखे जाएं, गेहूं उपार्जन का काम पूरी मुस्तैदी से मापदंडों के अनुसार हो और चना व मसूर की खरीदी मंडी में शेड के नीचे की जाए। कलेक्टर प्रतिदिन गेहूं उपार्जन की समीक्षा करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान कल्याण वर्ष के तहत चिंहित किए गए कार्यों पर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। इसके बाद मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में बैठकर कलेक्टरों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए चर्चा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहाकि केंद्र सरकार ने गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। उपार्जन केंद्रों की क्षमता 1000 क्विंटल प्रतिदिन से बढ़ाकर 2250 क्विंटल प्रतिदिन कर दी गई है। स्लॉट बुकिंग की तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 09 मई कर दी गई है। सरकार के इन कदमों का

लाभ उठाने आए किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं होना चाहिए। उपार्जन केन्द्रों पर तौल कांटें, हम्माल, छाया, पानी सहित तमाम तरह की सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। सभी कलेक्टर्स प्रतिदिन गेहूं खरीदी, परिवहन व्यवस्था, भंडारण तथा कृषकों के भुगतान की आवश्यक रूप से समीक्षा करें। चना और मसूर की खरीदी मण्डी में शेड के अंदर की जाए ताकि असमय बारिश से नुकसान न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना, रायसेन, दतिया, सीधी, विदिशा के कलेक्टर्स से वर्चुअली चर्चा कर जिलों की व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। बैठक में कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल तथा संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बारदानों की न हो कहीं कमी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टरों से कहाकि प्रदेश में बारदानों की समुचित व्यवस्था कर दी गई है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर 7 दिवस की खरीदी के लिए बारदान की उपलब्धता कलेक्टर सुनिश्चित करें। किसानों की सुविधा के लिए प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर न्यूनतम 6 इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की व्यवस्था हों और निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही गेहूं का उपार्जन किया जाए। किसानों द्वारा मंडी में किए जा रहे उपज विक्रय की भी सतत् निगरानी की जाए। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में 3 हजार 516 उपार्जन केन्द्र संचालित हैं। कुल 8 लाख 55 हजार कृषकों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई गई है, जिनमें से 3 लाख 96 हजार कृषकों से 16 लाख 60 हजार मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित कर 2 हजार 527 करोड़ रूपए राशि का भुगतान किया जा चुका है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में नवाचार कर मिसाल बनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जल गंगा संवर्धन अभियान की भी समीक्षा की। यह अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहाकि अपने आस-पास की जल संरचनाओं की बेहतरी के कार्य से सभी प्रदेशवासी जुडें। इस अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए 25 मई गंगा दशहरा पर विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएं। सभी ग्राम और वार्ड स्तर पर कुंआ, बावड़ी, तालाब, नहर आदि की सामूहिक सफाई, पौधरोपण, घाटों की सफाई और जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सामूहिक श्रमदान को प्रोत्साहित किया जाए। इन गतिविधियों में पंचायत और नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक, धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों, व्यापारी संगठनों और अन्य संस्थाओं को जोड़ा जाए। डिंडोरी और खण्डवा की तरह सभी जिले ऐसा नवाचार करें जो राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बनें। प्रत्येक विभाग द्वारा इस अभियान के तहत संचालित गतिविधियों की मॉनीटरिंग कर जिलों की रैंकिंग भी सुनिश्चित करें। पेयजल स्रोतों के जल की गुणवत्ता का परीक्षण किया जाए। शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां की जाएं। बैठक में बताया गया कि वन भूमि पर विकास कार्यों की अनुमति के लिए ऑनलाइन ऐप विकसित किया गया है। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास, स्कूल शिक्षा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, प्रदूषण नियंत्रण बार्ड, वन विभाग, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम, जन अभियान परिषद, उच्च शिक्षा, संस्कृति विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास तथा राजस्व विभाग द्वारा संचालित की गतिविधियों की जानकारी दी गई।

बारहवीं की टॉपर्स छात्राओं को मिलेगा एक-एक लाख रुपए का पुरस्कार : सीएम

माशिमं की बारहवीं की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं कुमारी खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा को एक-एक लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से दोनों मेधावी छात्राओं ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने दोनों छात्राओं को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित कर बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को पुस्तकें भी भेंट कीं। खुशी राय शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल और चांदनी विश्वकर्मा गुरूदेव शिक्षा केन्द्र नीलबड़ भोपाल की छात्रा है। दोनों छात्राओं ने बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा में 500 में से 494 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

संक्षिप्त खबरें

2000 की रिश्वत लेते बीईओ रंगे हाथ गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। खरगोन जिले में झिरन्या के ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर प्रभात परमार्थी को रिश्वत लेते हुए शनिवार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भगवानपुरा के निवासी सुभाष बर्डे की पत्नी सेवंती बर्डे शासकीय प्राथमिक विद्यालय भेड़िया फलिया में अतिथि शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनका नवंबर 2025 का वेतन शासन से अनुमोदन न होने का हवाला देकर रोक दिया गया था। जब सुभाष इस संबंध में प्रभात परमार्थी से मिले तो उन्होंने वेतन निकलवाने के एवज में 2,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शनिवार को बीईओ ने जैसे ही खरगोन के ज्योति नगर में अपने निजी निवास पर रिश्वत की रकम ली, पहले से अलर्ट लोकायुक्त टीम ने उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया।

विशेष सत्र के दिन अपनी रणनीति बनाएगी कांग्रेस

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर कांग्रेस 27 अप्रैल की सुबह रणनीति बनाएगी। इसी दिन एक दिवसीय सत्र आहुत होगा। विधायक दल की बैठक को लेकर सदस्यों को जानकारी भेज दी गई है। बैठक नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के आवास पर होगी। इसमें 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को संशोधन के बहाने लंबित रखने के मुद्दे पर सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की जाएगी। सिंघार ने कहा कि विशेष सत्र महिला सशक्तीकरण के विषय पर केंद्रित है, लेकिन भाजपा सरकार द्वारा संविधान-विरोधी कदम उठाकर महिला आरक्षण को रोकने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका कांग्रेस विरोध करेगी। यदि भाजपा सरकार मौजूदा 543 सीटों पर आरक्षण लागू करती है, तो कांग्रेस उसका समर्थन करने के लिए तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस महिलाओं का उपयोग केवल सत्ता प्राप्ति के साधन के रूप में कर रहे हैं।

अपनी मांगों को लेकर एकजुट हुए पटवारी

जागरण संवाददाता, भोपाल। काम को लेकर पटवारियों पर दबाव बनाया जा रहा है और कई बार उन्हें प्रताड़ित भी किया जाता है। कार्य के दौरान कई बार पटवारी हादसों का शिकार भी हो जाते हैं। पटवारियों पर पहले ही काम का दबाव काफी ज्यादा है। इसके बाद भी कई बार पटवारियों को काम को लेकर प्रताड़ित किया जाता है। इन सभी मांगों को लेकर प्रदेश भर में पटवारी एक जुट होने लगे हैं। शुक्रवार को पटवारियों ने इन सभी समस्याओं को लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के नाम एक आवेदन भी डिप्टी कलेक्टर को सौंपा था। जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष अरविंद गिरी ने बताया कि हाल ही में रतलाम में पदस्थ पटवारी रवि शंकर खराड़ी के आत्महत्या कर ली थी।

महिला आरक्षण पर कांग्रेस का प्रदेश स्तरीय पैदल मार्च आज

माता मंदिर से रोशनपुरा तक निकलेगी रैली

जागरण, भोपाल। विशेष सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए संकल्प पत्र पेश करने के पहले कांग्रेस राजधानी की सड़कों पर रैली निकालकर महिला आरक्षण लागू करने की मांग करेगी। प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में यह रैली माता मंदिर के प्लेटिनम प्लाजा से शुरू होगी। इसमें प्रदेश भर से आए नेता एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। रोशनपुरा चौराहे पर सभा का आयोजन किया जाएगा। महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक छल और वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा है कि वह जानबूझकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू नहीं कर रही है। बिना परिसीमन की शर्त के तत्काल लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। इसी के तहत 26 अप्रैल को शाम 4 बजे भोपाल में विशाल पैदल मार्च निकाला जाएगा। यह पैदल मार्च प्लेटिनम प्लाज़ा से प्रारंभ होकर टीनशेड, टॉप एंड टाउन, न्यू मार्केट होते हुए रोशनपुरा चौराहे पर पहुंचेगा। इसमें बड़ी संख्या में महिला नेता एवं कार्यकर्ता शामिल होंगी।

महिला आरक्षण का विरोध करती रही है भाजपा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का कहना है कि भाजपा शुरू से ही महिला आरक्षण के खिलाफ रही है। भाजपा के दिग्गजों ने तो महिला को पंचायत में 33 प्रतिशत आरक्षण का भी विरोध किया था। फिर 2010 में जब पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने राज्यसभा में जिस महिला आरक्षण बिल पारित कराया गया था। उसे पूर्ण बहुमत के बाद भी मोदी सरकार 10 साल तक पारित नहीं करा सकी। अब परिसीमन की शर्त लगा दी है। सरकार महिलाओं के अधिकारों के नाम पर केवल राजनीति कर रही है। पटवारी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं, महिला संगठनों, युवाओं और आम नागरिकों से पैदल मार्च में शामिल होने की पुरजोर अपील की है।

हाउसिंग बोर्ड, विकास प्राधिकरण, आवास संघ नहीं वसूल सकेंगे मनमाना सुपरविजन चार्ज

10 करोड़ से कम प्रोजेक्ट पर नहीं मिलेगा पर्यवेक्षण शुल्क, निर्माण एजेंसियों पर लगाई लगाम

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में अब सरकारी निर्माण कार्यों के नाम पर एजेंसियां अपनी मनमर्जी का सुपरविजन चार्ज (पर्यवेक्षण प्रभार) नहीं वसूल सकेंगी। राच्य सरकार ने निर्माण एजेंसियों द्वारा वसूले जाने वाले शुल्क के संबंध में बड़ा फैसला लेते हुए सभी निर्माण एजेंसियों के लिए एक समान दरें लागू कर दी हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी नए आदेश के बाद अब लोक निर्माण विभाग, हाउसिंग बोर्ड, एमपी पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन, आवास संघ, सड़क विकास निगम, विकास प्राधिकरण, नर्मदा घाटी विकास विभाग, जल संसाधन विभाग जैसी तमाम निर्माण एजेंसियों द्वारा अलग-अलग दरें वसूलने का रास्ता बंद कर दिया गया है। गौरतलब है कि सरकार के पास लगातार शिकायतें पहुंच रही थीं कि सरकारी विभागों और सरकारी निगम मंडलों में होने वाले निर्माण कार्यों के लिए अलग-अलग निर्माण एजेंसियां अलग-अलग रेट से सुपरविजन चार्ज वसूल रही थीं, इससे सरकारी विभागों का तो खजाना लगातार खाली हो रहा था मगर सरकारी एजेंसियों की बैलेंस शीट दिनोंदिन बढ़ रही थी।

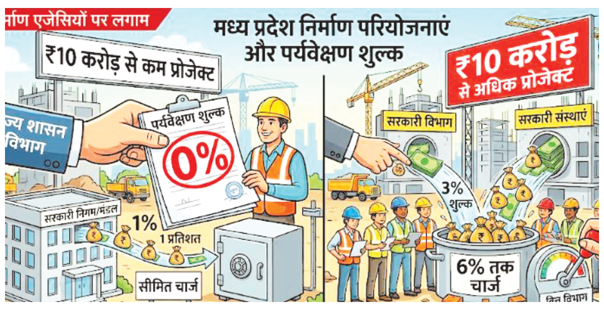

अब 6 फीसदी से अधिक नहीं होगा

सरकार ने प्रोजेक्ट की लागत और एजेंसी के आधार पर सुपरविजन के लिए दो श्रेणियों में चार्ज फिक्स किया है। वित्त विभाग ने नोटिफिकेशन जारी कर यह तय कर दिया है कि 10 करोड़ रुपये से कम के कार्यों के लिए यदि निर्माण राच्य शासन का विभाग खुद कर रहा है, तो सुपरविजन चार्ज शून्य होगा। यदि यह कार्य किसी सरकारी निगम या मंडल में हो रहा है, तो यह प्रोजेक्ट की कुल लागत का 1 प्रतिशत होगा। इसके अलावा 10 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों के लिए सरकारी विभागों के लिए यह दर 3 प्रतिशत तय की गई है, जबकि सरकारी संस्थाओं के लिए अधिकतम 6 प्रतिशत सुपरविजन चार्ज निर्धारित किया गया है। इससे पहले सरकारी एजेंसियां 10 फीसदी से अधिक सुपरविजन चार्ज वसूल रही थीं।

सब इसी चार्ज में होगा शामिल

सरकार ने अपनी अधिसूचना में यह भी साफ कर दिया है कि इस निर्धारित सुपरविजन चार्ज में ही डीपीआर बनाने का खर्च, संस्था का स्थापना व्यय, आर्किटेक्ट की फीस और क्वालिटी कंसल्टेंट का खर्च जैसे तमाम व्यय शामिल होंगे। एजेंसियां इनके नाम पर अब अतिरिक्त वसूली भी नहीं कर सकेंगी। इस नए आदेश के अनुसार अब अलग-अलग निर्माण एजेंसियां प्रोजेक्ट के एस्टिमेट में मनमाने तरीके से अलग-अलग सुपरविजन चार्ज नहीं जोड़ पाएंगी। इससे न केवल प्रोजेक्ट का बजट सटीक रहेगा बल्कि निर्माण की लागत भी नहीं बढ़ेगी। वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी द्वारा जारी यह आदेश 1 अप्रैल माह से ही लागू हो गया है। खास बात यह है कि यह उन सभी प्रोजेक्ट्स पर लागू होगा जिनके वर्क ऑर्डर इस तारीख को या इसके बाद जारी किए जाएंगे, जबकि पहले से मंजूर प्रोजेक्ट्स की प्रशासकीय स्वीकृति राशि में भी इन नई सीमाओं के अनुसार ही बदलाव होगा।

ननि भोपाल का चुनाव खर्च का हिसाब न देने वाले 23 प्रत्याशियों पर गिरी गाज

आयोग ने प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने पर लगाई रोक

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में नगर निगम चुनाव लड़ने के बाद हिसाब छिपाना 23 उम्मीदवारों को भारी पड़ गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए इन प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगा दी है। इनमें से 10 उम्मीदवारों पर 2 साल और 13 प्रत्याशियों पर 1 साल के लिए चुनाव लड़ने पर रोक लगाई गई है। आयोग से मिली जानकारी के अनुसार जुलाई 2022 में भोपाल नगर निगम के चुनाव संपन्ना हुए थे। नियमों के अनुसार चुनाव खत्म होने के 30 दिनों के भीतर हर उम्मीदवार को अपने चुनावी खर्च का पूरा ब्यौरा जिला निर्वाचन अधिकारी को देना था। इन उम्मीदवारों ने न केवल तय समय सीमा का उल्लंघन किया, बल्कि प्रशासन द्वारा बार-बार दिए गए नोटिस और अवसरों को भी गंभीरता से नहीं लिया। छानबीन में सामने आया कि कुछ प्रत्याशियों ने खर्च की डिटेल ही नहीं दी, जबकि कुछ ने आधी-अधूरी जानकारी देकर औपचारिकता पूरी करने की कोशिश की।

नोटिस और समन का भी नहीं दिया जवाब

जिला निर्वाचन अधिकारियों ने इन प्रत्याशियों को अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस और समन भी भेजे, लेकिन उनका संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। प्रत्याशियों के इस लापरवाह रवैये को देखते हुए जिला कलेक्टर ने राच्य निर्वाचन आयोग को इनके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा भेजी थी। आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अब इन्हें अयोग्य घोषित कर दिया है। राच्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, इन प्रत्याशियों पर चुनाव लड़ने की यह पाबंदी आयोग द्वारा आदेश जारी करने की तिथि से ही प्रभावी हो गई है। अब ये प्रत्याशी निर्धारित अवधि तक कोई भी नगरीय निकाय या पंचायत चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

इन प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने पर 2 साल की रोक

सरोज राजू गुजरे वार्ड 47, नेहा राय वार्ड 47, प्रेम नारायण अहिरवार वार्ड 48, हुकुम सिंह सोरईया वार्ड 48, नेहा रायकवार महाजन वार्ड 52, अन्नू बिट्टू शर्मा वार्ड 80, स्वाति जैन वार्ड 80, राधा ठाकुर वार्ड 82, अजय अप्पा वार्ड 83, प्रशांत चौहान वार्ड 83

ये एक साल के लिए अयोग्य

मनोहर रजक वार्ड 58, उमा कैलाश खटीक वार्ड 59, लीना निभौर वार्ड 59, जस्प्रीत पीएस आनंद वार्ड 70, दिनेश गोस्वामी वार्ड 70, बनवारी शर्मा वार्ड 70, आबिदा शेख वार्ड 71, रेखा रामजीवन यादव वार्ड 75, सीमा रणवीर सिंह राय वार्ड 75, शेख अनवर वार्ड 77, याकूब अली वार्ड 77, अजहर खान वार्ड 78, मंगल सिंह यादव वार्ड 83।

नीट यूजी में तैनात रहेंगे 38 साइबर कमांडो

30 शहरों में 283 परीक्षा केंद्र, 1.18 लाख अभ्यर्थी होंगे शामिल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में 3 मई को होने वाली नीट यूजी परीक्षा को लेकर पुलिस ने इस बार पेपर लीक, नकल माफिया एवं अफवाह फैलाने वालों से निपटने के लिए खास इंतजाम किए हैं। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने साफ कर दिया है कि परीक्षा के दौरान जीरो टॉलरेंस की नीति रहेगी। इस बार प्रश्नपत्र की सुरक्षा से लेकर सेंटर पर कमांडो की तैनाती के साथ हाई-टेक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इस परीक्षा के लिए एमपी में कुल 283 सेंटर्स बनाए गए हैं। प्रदेश के 30 शहरों में आयोजित होने जा रही इस परीक्षा में करीब 1.18 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। इंदौर में नीट यूजी के सबसे च्यादा 57 सेंटर हैं, इसलिए वहां सिक्योरिटी के लिए एक्स्ट्रा बैकअप रखा जाएगा। इसके अलावा पहली बार पेपर लीक और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को पकड़ने के लिए 38 स्पेशल साइबर कमांडो भी मोर्चा संभालेंगे।

स्ट्रॉन्ग रूम से सेंटर तक पुलिस एस्कॉर्ट, डैशकैम-जीपीएस से लाइव मॉनिटरिंग: डीजीपी ने परीक्षा के आयोजन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए शनिवार को

अफसरों को निर्देश दिए कि परीक्षा के प्रश्नपत्रों को बैंक या स्ट्रॉन्ग रूम से परीक्षा केंद्र तक पुलिस एस्कॉर्ट के साथ ले जाया जाएगा। सुरक्षा इतनी सख्त होगी कि जिस गाड़ी में पेपर होंगे, उनकी लाइव मॉनिटरिंग डैशकैम और जीपीएस से की जाएगी ताकि रूट की पल-पल की जानकारी मिल सके। इस बार की परीक्षा में डिजिटल फ्रॉड रोकने के लिए जिन 38 साइबर कमांडो की स्पेशल ड्यूटी लगाई गई है, वे सोशल मीडिया और ऑनलाइन ग्रुप्स पर नजर रखेंगे और सीसीटीवी कवरेज के साथ एसओपी के पालन को सुनिश्चित करेंगे। ये कमांडो पेपर लीक की अफवाह फैलाने वालों पर तत्काल एफआईआर भी दर्ज कराएंगे।

नकल गिरोह और संदिग्ध कोचिंग रडार पर, कलेक्टर-एसपी खुद करेंगे समीक्षा: बैठक में एडीजी इंटेलिजेंस ए. साई मनोहर ने बताया कि 2024 की घटनाओं से सबक लेते हुए इस बार सेंटर लेवल सुरक्षा पर फोकस है। पुराने अपराधियों, नकल माफिया और संदिग्ध कोचिंग नेटवर्क की लिस्ट तैयार कर ली गई है। खासतौर पर चंबल रेंज और सीमावर्ती जिलों में अन्य राच्यों से आने वाले संदिग्ध तत्वों पर इस दौरान कड़ी निगरानी रखी जाएगी। परीक्षा से 72 घंटे पहले हर जिले के कलेक्टर और एसपी सुरक्षा व्यवस्था का भौतिक निरीक्षण करेंगे। इस दौरान सेंटर्स पर परीक्षार्थियों की चेकिंग के लिए मेटल डिटेक्टर लगाए जाएंगे। डीजीपी ने साफ कर दिया है कि स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी के साथ प्रश्नपत्रों के वितरण के दौरान भी पुलिस मौजूद रहेगी। इस दौरान पुलिस ने सोशल मीडिया पर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि नीट यूजी एग्जाम को लेकर अगर कोई पेपर लीक, फर्जी प्रश्नपत्र बेचने या सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी शेयर करेगा, तो ऐसे मामलों में पुलिस तुरंत कठोर वैधानिक कार्रवाई करेगी।

42 करोड़ की सीसी रोड पर फिर से हटाए गए अतिक्रमण

हमीदिया रोड पर ट्रैफिक में बाधा बन रहे ठेले, सामान, बोर्ड और डिस्प्ले किए गए जब्त

जागरण संवाददाता, भोपाल। भारत टॉकीज से जीपीओ तिराहे तक बनाई गई 42 करोड़ की सीसी रोड से इन दिनों ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम अमला कब्जे हटाने की कार्रवाई कर रहा है। हाल ही में जीपीओ तिराहे से लेकर ताजुल मसाजिद तक के अतिक्रमण हटाए गए थे। शनिवार को अमले ने फिर कार्रवाई करते हुए नादरा बस स्टैंड चौराहे से नवबहार सब्जी मंडी तक सड़क किनारे हुए अतिक्रमणों पर कार्रवाई की। अमले ने फ्लैक्स बोर्ड, टेबल, बेंच, कुर्सियां और ठेले व अन्य सामान सहित 1 ट्रक सामान जब्त किया। हाल ही में इस सड़क पर ट्रैफिक को व्यवस्थित करने अल्पना तिराहे से भोपाल टॉकीज चौराहे तक और जीपीओ तिराहे से तीन मोहरे तक रोड डिवाइडर बनाया गया है। जल्दी ही स्ट्रीट लाइट लगाए जाने की भी योजना है। साथ ही ट्रैफिक पुलिस द्वारा भी दुकानदारों को सख्त हिदायत दी जा रही है कि दुकान के बाहर दो पहिया व चार पहिया वाहन खड़ा करने पर सड़क पर अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इन इलाकों में भी कार्रवाई

निगम के अतिक्रमण अमले ने इसके अलावा कोलार डीमार्ट, ललिता नगर, कटियार मार्केट, निर्मलादेवी गेट, महाबलीपुरम, साकेत नगर, बीडीए काम्प्लेक्स साकेत नगर, गोपाल नगर, रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-6, भारत माता चौराहा, सूरज नगर, नीलबड़, लिंक रोड नंबर-1,2 और 3, जयप्रकाश अस्पताल, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, वल्लभ भवन, सतपुड़ा भवन, विध्यांचल, पुरानी जेल, करोंद विश्वकर्मा नगर, करोंद चौराहा हनुमान मंदिर, पीपल चौराहा, हाउसिंग बोर्ड कालोनी सहित अन्य इलाकों से भी अतिक्रमण हटाया।

सिंहस्थ

21 दिन की क्लास में 41 टॉपिक पर मिल रहा प्रशिक्षण, जिलों में जाकर ट्रेनिंग देंगे 117 मास्टर ट्रेनस

श्रद्धालुओं को मैनेज करने की ट्रेनिंग ले रही प्रदेश की पुलिस

जागरण, भोपाल। भारी भीड़ के बाद भी बिना भगदड़ के पूर्ण हुए महाकुंभ की तर्ज पर अब मध्यप्रदेश पुलिस भी सिंहस्थ को व्यवस्थित बनाने के तरीके खोजने में जुट गई है। भीड़ मैनेजमेंट से लेकर श्रद्धालुओं से सरोकार रखने जैसे 41 विषयों पर पुलिस अधिकारियों को 21 दिन का प्रशिक्षण राजधानी में दिया जा रहा है। इस ट्रेनिंग से 117 मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए जाएंगे। फिर यही मास्टर ट्रेनर्स जिलों में जाकर वहां के पूरे अमले को ट्रेनिंग देंगे। दो साल बाद यही प्रशिक्षित अधिकारी-कर्मचारी सिंहस्थ की व्यवस्था में तैनात किए जाएंगे। अगला सिंहस्थ क्षिप्रा नदी के किनारे महाकाल की नगरी उज्जैन में दो साल बाद यानी 2028 में लगना है। राज्य सरकार ने सिंहस्थ को व्यवस्थित बनाने के लिए उज्जैन में करीब 3000 करोड़ रुपए के विकास कार्य कराए जा रहे है। अब पुलिस ने भी सिंहस्थ की तैयारियां शुरू कर दी हैं। दो साल में हर जिले के पुलिस बल को सिंहस्थ के लिए तैयार किया जाना है। हर जिले में पुलिस अधिकारियों व जवानों को ट्रेनिंग दी जाना है, ताकि सिंहस्थ को पूरी तरह से सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके। इसके लिए

पुलिस प्रशासन द्वारा उज्जैन में ही प्रदेश भर के पुलिस अधिकारियों को विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। 21 दिन का ट्रेनिंग प्रोग्राम उज्जैन की पुलिस लाइन स्थित में 22 अप्रैल से 21 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। इसमें प्रदेशभर के 117 अधिकररियों को मैदानी और किताबी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के जरिए हर विषय पर वीडियो और क्लीपिंग भी दिखाई जा रही है। विशेष सत्र में ट्रेनिंग के दौरान मास्टर ट्रेनर्स बनने वाले इन अधिकारियों को फील्ड विजिट भी कराई जा रही है। इसके तहत सड़क, चौराहों और घाटों पर प्रेक्टिकल कराया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए उत्तरप्रदेश से प्रयागराज में महाकुंभ की व्यवस्था संभालने व बनाने वाले अनुभवी पुलिस अफसर भी ट्रेनिंग देने पहुंचे हैं। यहां से प्रशिक्षित अधिकारी ही जिलों में जाकर प्रशिक्षण देंगे।

इन विषयों को किया ट्रेनिंग में शामिल

इस प्रशिक्षण में श्रद्धालुओं से सरोकार के तहत जहां उनसे संवाद व बातचीत का तरीका सिखाया जा रहा है, वहीं भीड़ प्रबंधन, गर्मी में लंबी ड्यूटी, घाटों की सुरक्षा, अपने व श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य, पार्किंग, प्रवेश-निकास मार्ग, बैरिकेडिंग और होल्डिंग एरिया में व्यवस्था बनाना समझाया जा रहा है। प्रशिक्षण को व्यवहारिक और तकनीक आधारित रखा गया है।

30 करोड़ की भीड़ बड़ी चुनौती

सिंहस्थ में देश-दुनिया से करीब 30 करोड़ लोग उज्जैन पहुंच सकते हैं। एक महीने चलने वाले इस सबसे बड़े धार्मिक जमावड़े में लंबे समय तक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन अभी से योजना बनाकर तैयारियों में जुट गया है। ताकि किसी भी श्रद्धालु को स्नान और मंदिरों में दर्शन के दौरान कोई परेशानी न हो। गर्मियों के दिनों में लंबी ड्यूटी में पुलिस जवानों का मानसिक संतुलन बनाए रखना भी एक चुनौती है। इसके लिए टीम भावना, अनुशासन और जनसेवा के भाव को प्रशिक्षण में महत्व दिया जा रहा है।

> आज के दौर में बहुत से लोग इस भ्रामक तर्क पर विश्वास कर रहे हैं कि यदि आप अच्छे, आकर्षक , स्लिम दिखते हैं तो आपके साथ निश्चित रूप से बेहतर व्यवहार किया जाएगा और आप आसानी से सफल हो सकते हैं।

सफलता की सीढ़ी बन रहा आकर्षक व्यक्तित्व

● अनुजा चंद्रमौली ●

सदियों से यही धारणा रही है कि सुंदरता और शाश्वत यौवन ही सब कुछ है। अच्छा रूप ध्यान और श्रद्धा आकर्षित करता है। बेशक, प्रतिभा, योग्यता, एक शालीन व्यक्तित्व और बाकी सब महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ये चीजें पहचानी जाती हैं और विपणन योग्य होती हैं यदि वे चमकदार पैकेज में आती हैं ।शायद यही वर्तमान युग की एक बुराई है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि मोजूदा दौर के अरबपति लंबी उम्र और हमेशा आकर्षक दिखने पर अपना काला धन खर्च कर रहे हैं। हालांकि उनके पीआर इसे उन लोगों का नेक इरादा बताते है। उनके अनुसार, यह सब बीमारियों से बचाव और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने की कवायद है, जिसमे वे वैम्पायर फेशियल का लाभ उठाते हुए हाइपरबेरिक कक्षों में अपनी रातें बिताते हैं। आखिरकार, इतना पैसा होने के बावजूद वे बुढ़ापे की भयावह कल्पनाओं जैसे गर्दन का ढीलापन, मस्से, झुर्रियाँ, गंजापन, रजोनिवृत्ति, बाल सफ़ेद होना, जोड़ों में दर्द आदि के साथ अपना जीवन क्यों व्यर्थ करें । ये वर्ग समाज की अपने वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ दुर्भाग्यशाली दिखने या मोटे लोगों की उपेक्षा करने और उन्हें अकेलेपन, अप्रासंगिकता और तिरस्कार के लिए दोषी ठहराने की प्रवृत्ति से पीड़ित होने का हकदार नहीं है।

दुनिया की शक्तिशाली लॉबी

प्रभावशाली लोग अन्य लोगों से खुद का सबसे अच्छा दिखने वाला संस्करण बनने का आग्रह करके इस धारणा को मजबूत करते हैं और बायो-हैकिंग, सप्लीमेंट्स, फिटनेस रूटीन, सेल कायाकल्प और ऐसे 'वैध' सौंदर्य उत्पादों के बारे में प्रचार करते रहते हैं जो कल आपके अधिक फोटोग्राफिक संस्करण की गारंटी देते हैं, बशर्ते आप आज निवेश करने के लिए तैयार हों और उपलब्ध ग्लूटाथियोन पुडिंग के साथ वसा रहित कोलेजन और हाइलूरोनिक एसिड के ट्रक लोड खरीदें। उनके फ़ीड में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों से बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेज़र स्किन रिसर्फेसिंग, ब्लेफेरोप्लास्टी, ओज़ेम्पिक, पाउडर के पैकेट, और उपकरण आज़माने के लिए आग्रह करने वाले विज्ञापन शामिल हैं। आम मध्यम वर्ग के लोग अदिति राव हैदरी की तरह दिखने की व्यर्थ आशा में, एरियाना ग्रांडे की तरह बेहदस्लिम ट्रिम और उम्र को मात देने वाली मलायका अरोड़ा की तरह नजर आने के लिए चॉकलेट, पैशन फ्रूट, और संतरे के फूल के स्वाद वाले उत्पादों के विज्ञापनों की गिरफ्त मे आ जाते है ।

आकर्षक दिखना सफलता की सीढ़ी

प्रतिस्पर्धा के इस दौर मे ज्यादातर लोग अपने काम मे सराहना और जल्द से जल्द सफलता की सीढ़ियां चढ़ना चाहते हैं । और माना जा रहा है कि इसके लिए शार्टकट प्रेसेंटेबल होना और आकर्षक दिखना है। यदि आप अच्छे, स्लिम , आकर्षक दिखते हैं तो निश्चित रूप से आपके साथ बेहतर व्यवहार किया जाएगा और आप भाग्य भी बना सकते हैं, मिल सकते हैं और अपने जीवन का प्यार बनाए रख सकते हैं और वास्तव में उस चमक का आनंद ले सकते हैं। अधिकांश लोग चमकदार दिखने के लिए किसी भी हद तक जाने, समय, पैसा और संसाधन खर्च करने को तैयार रहते हैं और पूरे समय सिर्फ वाह-वाह करते रहते हैं!

पुरुषों मे भी रुझान

आजकल जब अधिकांश कॉस्मेटिक प्रक्रियाएं महिलाओं पर की जाती हैं, पुरुष भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। वे आकर्षक दिखने के लिए ऐसी कई आक्रामक और दर्दनाक सर्जरी का जोखिम उठा रहे हैं, जिसके हानिकारक और दीर्घकालिक शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव हो सकते हैं। इस सबके परिणाम स्वरूप जो सामने आ रहा है वह यह बताने के लिए काफी है कि कैसे हमने अपनी असुरक्षाओं और निर्जीवताओं को अपने ऊपर हावी होने दिया है और खुद को ऐसे पशुवत प्राणियों में बदल दिया है जो केवल इस बात की परवाह करते हैं कि अजनबी हमें फ़िल्टर के माध्यम से कैसे देखते हैं। और इस दौरान हम इस बारे मे बिल्कुल विचार नहीं करते हैं कि हम अपने बारे में कैसा महसूस करते हैं। जाहीर है इस बनावटी दुनिया हमे ऐसे वास्तविक संबंध बनाने की जरूरत हैं जो प्रियजनों के साथ जीवन का अनुभव करने के आनंदमय, सार्थक तरीके होते हैं।

इतिहास का एक स्कूप

> गर्मी के मौसम की हर दिल पसंद आइसक्रीम आखिर सबसे पहले किसन बनाई थी ? इसके पीछे एक लोकप्रिय मूल कहानी यह है कि फारसियों ने बर्फ में फलों का रस डालकर जमी हुई मिठाइयाँ बनाई, और बाद में फालूदा उर्फ फालुदेह के साथ आए।

● सविता कार्तिक ●

सार्वभौमिक रूप से पसंद और पोषित, आइसक्रीम, चाहे वह किसी भी रूप या नाम से हो - चाहे वह जेलाटो हो या कुल्फी, संडे हो या जापानी काकीगोरी (मुंडी हुई बर्फ) हो, पूरे विश्व मे अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है। आइसक्रीम की उत्पत्ति की कोई एक कहानी नहीं है - कई स्वादों और रूपों की तरह, आइसक्रीम के विकास के बारे में भी कई कहानियाँ हैं। आइस्ड ड्रिंक के रूप में आइसक्रीम का प्रचलन रोमनों और यूनानियों में देखा जा सकता है। एक लोकप्रिय किंवदंती यह है कि सम्राट नीरो ने शहद और वाइन के स्वाद के साथ एक आइस्ड पेय का आनंद लिया। लेखिका लौरा वीस के अनुसार, जिन्होंने अपनी पुस्तक 'आइसक्रीम - ए ग्लोबल हिस्ट्री' में आइसक्रीम के इतिहास का पता लगाया है, मेसोपोटामिया में 4,000 साल पहले बर्फ के घर थे, जहां बर्फ को गड्ढों में जमा किया जाता था। पुस्तक में यह भी लिखा गया है कि भोजन को संरक्षित करने के लिए बर्फ की कटाई और भंडारण 1100 ईसा पूर्व के आसपास प्रचलित था, जो दर्शाता है कि चीनियों ने बर्फ की मिठाई का कुछ रूप बनाया होगा।

मर्लिन पॉवेल की पुस्तक, 'आइसक्रीम - द डिलीशियस हिस्ट्री' में लिखा है कि चीन के तांग शासकों (सातवीं से दसवीं शताब्दी ईस्वी) ने चावल और कपूर के साथ मिश्रित दूध से एक व्यंजन बनाया था जिसे परोसने से पहले ठंडा किया गया था। एक और लोकप्रिय मूल कहानी यह है कि फारसियों ने बर्फ में फलों का रस डालकर जमे हुए मिठाइयाँ बनाई, और बाद में फालूदा उर्फ फालुदेह के साथ आए। कई लोग आइसक्रीम की उत्पत्ति का श्रेय शर्बत को देते हैं, जो मध्ययुगीन काल से बनाया जाता रहा है। जेरी क्विनज़ियो द्वारा लिखित 'ऑफ शुगर एंड स्नो - ए हिस्ट्री ऑफ आइसक्रीम' के अनुसार, 'फ़ारसियों ने बड़े चीनी मिट्टी के बरतन या सोने के कटोरे में बर्फ पर शर्बत परोसा और उन्हें लंबे हैंडल वाले लकड़ी के चम्मच से पीया।' एक लोकप्रिय किंवदंती, जो मिथक के दायरे में बनी हुई है और खारिज कर दी गई है, वह यह है कि मार्को पोलो ने चीन की यात्रा की और इतालवी शर्बत या जमे हुए डेसर्ट के व्यंजनों के साथ लौटे।

भारत में आई मुगल काल के दौरान

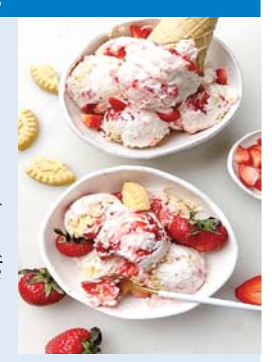

भारत में कुल्फी का निर्माण मुगल काल के दौरान हुआ था। मर्लिन पॉवेल ने अपनी किताब में लिखा है, 'आइना-ए-अकबरी' (अबूल फजल द्वारा) में शाही रसोई में खोये का उपयोग करके बनाई जाने वाली कुल्फी का जिक्र है। 'आइना-ए-अकबरी' में सॉल्ट पीटर या पोटेशियम नाइट्रेट के उपयोग से बर्फ बनाने की प्रक्रिया का भी वर्णन किया गया है। बहुत बाद में रसोइयों को एहसास हुआ कि साधारण नमक का उपयोग भी बर्फ बनाने के लिए किया जा सकता है। वर्ष 1843 में अमेरिकी नैन्सी एम जॉनसन द्वारा पहली हाथ से क्रैंक की गई आइसक्रीम निर्माता का आविष्कार किया गया था, जिसके लिए उन्हें पेटेंट मिला था। पॉवेल की पुस्तक के अनुसार, आइसक्रीम रेसिपी वाली पहली अंग्रेजी कुकबुक 'मिसेज मैरी एलेस रिसीप्ट्स' है, जो 1718 में प्रकाशित हुई थी।

लग्जरी लिविंग

रॉयल और स्टाइलिश-बेलेन सियागा कलेक्शन

बेलेन सियागा ने एक शानदार हॉलिडे कलेक्शन पेश किया है, जिसमें अवांट-गार्डे डिज़ाइन और फेस्टिव चमक का मेल है। बोल्ड सिल्हूट, चमकते फैब्रिक और शानदार फिनिश की उम्मीद करें जो स्टेटमेंट बनाने के लिए एकदम सही हैं। यह कैंपेन फैंटेसी को बढ़ाता है, इन आकर्षक लुक्स को पहनने लायक आर्ट के तौर पर दिखाता है। यह कलेक्शन इस मौसम को मनाने का एक रॉयल, चंचल और स्टाइलिश तरीका देता है, यह साबित करता है कि फेस्टिव फैशन आर्टिस्टिक और प्रैक्टिकल दोनों हो सकता है।

बेलेन सियागा ने एक नया कलेक्शन लॉन्च किया है जो असल में लोगों को ब्रांड की ओर आकर्षित करने के लिए बनाया गया है। यह ब्रांड के एजी, अवांट-गार्डे वाइब और पूरी चमक का एक वाइल्ड मिक्स है, जो सेक्विन, मेटैलिक शाइन और बोल्ड शेप्स से भरा है, और असल में ध्यान खींचता है।

यह कलेक्शन बड़े, तराशे हुए सिल्हूट पर ज़ोर देता है। बड़े शोल्डर, स्वीपिंग लाइन और ग्लॉसी फैब्रिक के बारे में सोचें जो पूरे कमरे को रोशन करने मे समर्थ हैं। सीक्विन से सराबोर गाउन से लेकर शिमरी इवनिंग सेट तक, हर पीस ऐसा लगता है जैसे इसे किसी ऐसे व्यक्ति के लिए डिज़ाइन किया गया हो जो पार्टी में जाकर तुरंत सबकी निगाहों पर कब्ज़ा कर ले। लेकिन इतनी चमक के बावजूद, बेलेन सियागा का एटीट्यूड सबसे आगे और सेंटर में है - शार्प, कॉन्फिडेंट और जिसे नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन है। ब्रांड को हमेशा शेप और प्रोपोर्शन के साथ बाउंड्री को आगे बढ़ाना पसंद रहा है, और हाल के सीज़न में वॉल्यूम और अनएक्सपेक्टेड टेक्सचर के साथ बहुत कुछ किया गया है। यह हॉलिडे ड्रॉप उस एनर्जी को फुल ग्लैमर मोड की ओर ले जाता है। हल्के टोन पीछे छूट जाते हैं क्योंकि रिच, शाइनी फैब्रिक और ड्रामैटिक फिनिश स्पॉटलाइट चुरा लेते हैं। सिर्फ कपड़े दिखाने के बजाय, कैंपेन उनके चारों ओर एक पूरी दुनिया बनाता है - ड्रामैटिक, स्टाइलिश और थोड़ा दूसरी दुनिया का। इस कलेक्शन को इतना आकर्षक बनाने वाली बात यह है कि

यह स्टेटमेंट-मेकिंग स्टाइल और असल में पहनने लायक होने के बीच बैलेंस बनाता है ।यह उन सभी के लिए एकदम सही है जो कुछ अलग दिखाना चाहते हैं, थोड़ा और चमकना चाहते हैं, और बिना ज़्यादा किए फैशन के साथ मज़े करना चाहते हैं। यह याद दिलाता है कि मौसम के हिसाब से तैयार होना कपड़ों के साथ-साथ एटीट्यूड के बारे में भी उतना ही ज़रूरी है। ये पीस बिना ज़्यादा सजे-धजे महसूस किए सबसे अलग दिखने का मौका देते हैं, जो कोई भी ऐसा लुक पसंद करता है जो बातचीत को बढ़ावा दे और पहनते ही आत्मविश्वास लाए, उनके लिए ये कलेक्शन बेहतर पसंद है।

लोग टिप क्यों देते हैं?

> जिन समाजों में लोग भीड़ का अनुसरण करते हैं, वहां टिपिंग औसत समय के साथ बढ़ता है। अध्ययन से पता चला है कि जो लोग वास्तव में सेवा देने वालों या सराहना करने वालों के साथ सहानुभूति रखते हैं, वे मनपसंद भोजन के बाद औसत टिप बढ़ाने में संकोच नहीं करते हैं।

भोजनालय और रेस्टोरेंट्स में अच्छी सेवा के लिए लोगों द्वारा सराहना दिखाना कोई असामान्य बात नहीं है। वे इसे बिल के ऊपर कुछ अतिरिक्त पैसे देकर दिखाते हैं। अतिरिक्त पैसा, जिसे टिप कहा जाता है, संयुक्त राज्य अमेरिका सहित कई देशों में एक सामाजिक आदर्श बन गया है, जहां यह संस्कृति में बहुत गहराई से शामिल है। मैनेजमेंट साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन में टिपिंग के पीछे के मनोवैज्ञानिक कारणों की व्याख्या करते हुए कहा गया है कि यह न केवल अच्छी सेवा को पुरस्कृत करना दर्शाता है, बल्कि सामाजिक मानदंडों के अनुरूप भी है। कुछ लोग सेवा प्रदाताओं को उनके आतिथ्य की वास्तविक सराहना दिखाने के लिए टिप देते हैं, अन्य लोग केवल सामाजिक दबाव के चलते ऐसा करते हैं। यह प्रथा केवल भोजन सेवाओं तक ही सीमित नहीं है, अब यह परिवहन क्षेत्र में भी तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

लोग टिप क्यों देते हैं?

तेल अवीव विश्वविद्यालय में कोलर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डॉ. रैन स्निटकोवस्की और डार्टमाउथ कॉलेज में टक स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रोफेसर लॉरेन्स डेबो के नेतृत्व में शोधकर्ताओं का लक्ष्य टिपिंग के पीछे की व्यक्तिगत और सामाजिक प्रेरणा को समझना था। टिप देने से बचने वाले अधिकांश ग्राहकों को पता होता है कि वे सेवा प्रदाता से दोबारा नहीं मिलेंगे और अगर वे उनसे मिलते भी हैं, तो कार्यकर्ता उन्हें पहचान नहीं पाएंगे। इसलिए, इन स्थितियों में टिपिंग का कोई मतलब नहीं है। शोधकर्ताओं ने यह समझने के लिए एक मॉडल बनाने की कोशिश की कि ऐसे समाज में टिपिंग कैसे होती है जहां यह अनिवार्य नहीं है। निष्कर्ष से पता चला जहां लोग भीड़ का अनुसरण करते हैं, वहाँ टिपिंग औसत समय के साथ बढ़ता है।

टिपिंग और कलंक : विशेषज्ञों के अनुसार, टिपिंग व्यवहार व्यक्ति के आस-पास की सामाजिक सेटिंग्स से भी प्रभावित होता है। मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स (गुरुग्राम) की एक मनोवैज्ञानिक चेतना लूथरा ने कहा: 'लोग दूसरों के साथ भोजन करते समय अधिक टिप दे सकते हैं क्योंकि वे उदार, सम्मानजनक या आर्थिक रूप से सक्षम दिखना चाहते हैं।' लूथरा ने कहा, कुछ संस्कृतियों में, टिपिंग को एक नैतिक कार्य के रूप में देखा जाता है और लोग दोषी महसूस करने या दूसरों द्वारा आंके जाने से बचने के लिए ऐसा करते हैं। फील टिपिंग को इस हद तक आंतरिक किया जा सकता है कि कोई व्यक्ति तब भी इसमें शामिल हो सकता है जब कोई नहीं देख रहा हो। मुंबई स्थित मनोचिकित्सक यश दिलीप ने कहा: 'यह उस व्यक्ति में तत्काल असुविधा का कारण बनता है जो टिप देने से बचता है। ऐसा लगता है जैसे किसी ने एक अनकहा नियम तोड़ दिया है। यह भावना अनुरूप होने का दबाव बनाती है।'

सराहना करने वाले बनाम नकल करने वाले

निर्मित मॉडल ने उपभोक्ता व्यवहार को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया है: सराहनाकर्ता और नकल करने वाले । अध्ययन से पता चला है कि जो लोग वास्तव में सेवा प्रदाता या सराहनाकर्ताओं के साथ सहानुभूति रखते हैं, वे हार्दिक भोजन के बाद औसत टिप बढ़ाने में संकोच नहीं करेंगे। हालाँकि, नकल करने वाले अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा या छवि को बनाए रखने के लिए अक्सर सराहनाकर्ताओं द्वारा बनाए गए मानकों का पीछा करते हैं। ये उनके बराबरी पर जाकर टिप देने से परहेज नहीं करते । अध्ययन में यह भी पाया गया कि टिपिंग संस्कृति का सेवा प्रदर्शन पर बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं पड़ता है क्योंकि यह मजबूत होता है। यह विश्वास होता है कि ग्राहक किसी भी परिस्थिति में भुगतान करेंगे।

फोकस

तकनीक में महिलाएं सिर्फ भागीदार नहीं, अग्रणी भी ...

> भारत के स्टेम स्नातकों में महिलाओं की एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। अब समय आ गया है कि उन्हें ऐसे पदों पर पदोन्नत किया जाए जहां वे विज्ञान को नियंत्रित करने वाले बजट और नीतियों को भी आकार दे सकें। एक निर्णायक बदलाव यह है कि महिलाएं शामिल होने का इंतज़ार नहीं कर रही हैं; वे नए रास्ते बनाने के लिए पूंजी और प्रभाव का इस्तेमाल कर रही हैं।

● किरण मजूमदार-शॉ ●

विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) में महिलाओं पर बातचीत बहुत लंबे समय से समावेशन के इर्द-गिर्द घूमती रही है। अब समय आ गया है कि इसे सत्ता, नेतृत्व और एजेंसी के इर्द-गिर्द रखा जाए। असली सवाल यह नहीं है कि क्या महिलाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भाग लेना चाहिए, बल्कि यह है कि क्या वे इसके भविष्य को आकार देंगी। दुनिया भर में, महिलाएं न केवल वैज्ञानिक और नवप्रवर्तक के रूप में, बल्कि संस्था निर्माता, पूंजी आवंटनकर्ता और पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने वाली के रूप में आगे बढ़ रही हैं। भारत की शुरुआत गुप्त शक्ति की स्थिति से होती है। इसके एसटीईएम स्नातकों (साइंस , टेक्नोलॉजी , इंजीनियरिंग , मेथेमेटिक्स) में 43 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो भागीदारी के मामले में देश को विश्व स्तर पर सबसे मजबूत बनाती है। अब इस भागीदारी को अधिकार और नेतृत्व में बदलने की आवश्यकता है। हालांकि महिलाएं बड़ी संख्या में एसटीईएम शिक्षा में प्रवेश करती हैं, लेकिन वरिष्ठ स्तर पर अनुसंधान नेतृत्व, गहरी तकनीक उद्यमिता और नीति प्रभाव में उनकी अल्प संख्या बरकरार रहती है। यह अकेले पाइपलाइन की समस्या नहीं है. यह एक शक्ति विषमता है. इसलिए, एसटीईएम में सशक्तिकरण को नेतृत्व, स्वामित्व और निर्णय लेने में भागीदारी के उत्थान के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

महिलाओं की पहुंच बढ़ी

पिछले दशक में, संपत्ति, ऋण, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे तक महिलाओं की पहुंच अभूतपूर्व पैमाने पर बढ़ी है। पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 72 प्रतिशत से अधिक घरों का स्वामित्व महिलाओं के पास है, जबकि मुद्रा योजना के तहत स्वीकृत ऋणों में लगभग 69 प्रतिशत और स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत 84 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। ये नतीजे दर्शाते हैं कि जब महिलाओं को एजेंसी और संसाधनों पर नियंत्रण दिया जाता है, तो भागीदारी नेतृत्व में तब्दील हो सकती है। जब महिलाएं विज्ञान में नेतृत्व करती हैं, तो वे उस सीमा का विस्तार करती हैं जिसे विज्ञान हल करना चाहता है। स्वास्थ्य देखभाल से लेकर जलवायु विज्ञान तक, महिला नेता अक्सर निवारक और सामुदायिक स्वास्थ्य मॉडल को प्राथमिकता देती हैं, पहुंच, सामर्थ्य और समानता पर ध्यान केंद्रित करती हैं और सहयोगात्मक, अंतःविषय नवाचार को बढ़ावा देती हैं।

नए रास्ते बनाने के लिए पूंजी का इस्तेमाल

हमारे समय में एक निर्णायक बदलाव यह है कि महिलाएं शामिल होने का इंतज़ार नहीं कर रही हैं; वे नए रास्ते बनाने के लिए पूंजी और प्रभाव का इस्तेमाल कर रही हैं। अमेरिकी परोपकारी मैकेंज़ी स्कॉट ने बड़े पैमाने पर विश्वास-आधारित परोपकार को फिर से परिभाषित किया है, अरबों लोगों को शिक्षा, इक्विटी और संस्थागत क्षमता की ओर निर्देशित किया है। घर के नजदीक, रोहिणी नीलेकणि ने लगातार सार्वजनिक वस्तुओं और पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर जोर दिया है ।

एआई युग मे और भी महत्वपूर्ण

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में, यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। एआई सिस्टम तटस्थ नहीं हैं; वे अपने भीतर अंतर्निहित डेटा, धारणाओं और मूल्यों को प्रतिबिंबित करते हैं। एसटीईएम ग्राउंडिंग वाली महिला नेता एआई विनियमन और तैनाती को आकार देने के लिए विशिष्ट रूप से तैनात हैं ताकि नवाचार समावेशी, नैतिक और सामाजिक रूप से उत्तरदायी बना रहे। यदि हम एसटीईएम में महिला सशक्तिकरण के बारे में गंभीर हैं, तो हमें संरचनात्मक लीवरों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रारंभिक आत्मविश्वास, न कि केवल प्रारंभिक प्रदर्शन: यह सुनिश्चित करना कि लड़कियाँ स्वयं को भविष्य के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवप्रवर्तकों के रूप में देखें। मार्गदर्शन, प्रायोजन और सहकर्मी नेटवर्क प्रदान करना जो प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। करियर ब्रेक को करियर का अंत न बनने दें। डीप-टेक और जीवन विज्ञान में संस्थापकों और बिल्डरों के रूप में महिलाओं का समर्थन करना। ये लीवर सबसे प्रभावी होते हैं जब उन प्रणालियों द्वारा समर्थित होते हैं जो समय की गरीबी और स्वास्थ्य बोझ को कम करते हैं । एसटीईएम का भविष्य न केवल तकनीकी सफलताओं से परिभाषित होगा, बल्कि इससे भी परिभाषित होगा कि उनका नेतृत्व कौन करता है। सशक्तिकरण अंतिम लक्ष्य नहीं है; यह शुरुआती बिंदु है. असली उद्देश्य सत्ता है. और अब समय आ गया है कि महिलाएं इसका दावा करें- पूरी तरह से, स्पष्ट रूप से और निर्णायक रूप से। नया विधेयक यह सुनिश्चित करने के लिए संरचनात्मक अनिवार्यता बनाता है कि वैज्ञानिक प्रतिभा उन कानूनों, बजटों और नीतियों को भी आकार देती है जो विज्ञान को नियंत्रित करते हैं।

सार्वजनिक नीति द्वारा भी मजबूती

भारत में, इस बदलाव को सार्वजनिक नीति द्वारा भी मजबूत किया जा रहा है जो महिलाओं को मुख्यधारा में लाकर उनकी आर्थिक एजेंसी का विस्तार करती है। पिछले दशक में, देश ने ऐसी सक्षम स्थितियों में निवेश किया है जो महिलाओं के समय, ऊर्जा और महत्वाकांक्षा को मुक्त करती हैं। 10 करोड़ से अधिक उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शनों के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने की सुविधा ने स्वास्थ्य संबंधी बोझ को कम किया है। जल जीवन मिशन के तहत 14 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल के पानी ने अवैतनिक श्रम के सबसे अदृश्य रूपों में से एक को हटा दिया है। फिर भी, यदि उन्नत अनुसंधान, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं को कम प्रतिनिधित्व मिलता रहा, तो हम इस लाभ का कम लाभ उठाने का जोखिम उठाते हैं। इसलिए सशक्तिकरण को सोच-समझकर तैयार किया जाना चाहिए।

आप में एक और टूट की आशंका: भगवंत सरकार पर संकट के बादल

सात सांसदों के बाद आप के 28 विधायकों के भी टूटने का दावा

पंजाब/चंडीगढ़, जेएनएन। आम आदमी पार्टी (आप) इन दिनों अपने सबसे बड़े राजनीतिक संकट से गुजरती नजर आ रही है। राज्यसभा के 7 सांसदों के पार्टी छोड़ने के दावे के बाद अब पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आ गया है। हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं कि यह संकट सीधे पंजाब की भगवंत मान सरकार तक पहुंच सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सीएम भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से मिलने का समय मांगा है। मान अपने सभी विधायकों के साथ दिल्ली जाकर राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे और पार्टी छोड़ने वाले सांसदों के खिलाफ 'राइट टू रिकॉल' की मांग उठाएंगे। वहीं संजय सिंह उपराष्ट्रपति से मिलकर दलबदल करने वाले राज्यसभा सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग करेंगे। इधर, हरियाणा आप के पूर्व अध्यक्ष नवीन जयहिंद ने दावा किया है कि पंजाब में आप के करीब 28 विधायक भी पार्टी छोड़ सकते हैं। अगर यह दावा सच साबित होता है, तो भगवंत मान सरकार पर सीधा खतरा खड़ा हो सकता है। इधर, राघव चढ्डा ने एक बार फिर दावा किया कि 10 में से 7 सांसद उनके साथ हैं, जिससे दलबदल कानून लागू नहीं होगा।

आप छोड़ने वाले सांसदों पर विरोध तेज

जालंधर में हरभजन सिंह के घर, लुधियाना में उद्योगपति सांसद राजिंदर गुप्ता के निवास और फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के गेट पर प्रदर्शनकारियों ने 'गद्दार' लिख दिया। ये विरोध आप के स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया, जबकि पुलिस मौके पर मौजूद रही लेकिन हस्तक्षेप सीमित रहा।

स्वाति मालीवाल भी भाजपा में शामिल

आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया। पार्टी की शुरुआत से ही आप से जुड़ी रहीं मालीवाल ने पार्टी से नाता तोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया और पूर्व अरविंद केजरीवाल पर तीखे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह निर्णय किसी दबाव में नहीं बल्कि देशहित और 'रचनात्मक राजनीति' के लिए लिया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो भी सकारात्मक बदलाव चाहते हैं, वे भाजपा से जुड़ें। मालीवाल ने केजरीवाल पर व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों स्तर पर गंभीर आरोप लगाए।

आप की रणनीति

- राज्यसभा के सभापति को पत्र
- उपराष्ट्रपति से मुलाकात और ज्ञापन
- राष्ट्रपति से मुलाकात

4 सांसद सामने, 3 पर सवाल: क्या आप पलटेगी बाजी!

आम आदमी पार्टी पर आए मौजूदा संकट में पहले केवल तीन सांसद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ही दिखाई दिए, जबकि शनिवार को स्वाति मालीवाल ने भाजपा में शामिल होने का ऐलान किया। बाकी तीन सांसदों की भूमिका को लेकर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। आम आदमी पार्टी ने राघव के दावे पर सवाल उठाए हैं। पार्टी के नेताओं का कहना है कि केवल तीन सांसद ही सार्वजनिक रूप से भाजपा में शामिल हुए हैं, जबकि बाकी चार ने अब तक खुलकर अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। संजय सिंह ने कहा कि वे सभापति को पत्र देकर तीनों सांसदों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल को अयोग्य घोषित करने की मांग करेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े और निजाम पाशा जैसे विशेषज्ञों का कहना है कि 'मूल राजनीतिक दल' के विलय के बिना केवल संसदीय दल का टूटना पर्याप्त नहीं है। ऐसे में इन सांसदों पर दल-बदल कानून लागू हो सकता है।

एच-1 बी वीजा पर तीन साल की रोक का प्रस्ताव

अमेरिका में बिल पेश, भारतीयों पर होगा असर

नई दिल्ली/वॉशिंगटन। अमेरिका में एच-1 बी वीजा को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। रिपब्लिकन सांसदों के एक समूह ने एच-1 बी वीजा पर तीन साल तक रोक लगाने और इसके नियमों में व्यापक बदलाव करने का प्रस्ताव रखा है। इस बिल का नाम 'एंड एच-1 बी अब्यूज एक्ट' है, जिसे सांसद एली क्रेन ने पेश किया है। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब अमेरिका में विदेशी पेशेवरों, खासकर टेक सेक्टर में काम करने वाले लोगों की भूमिका पर लगातार बहस चल रही है। इस बिल को कई अन्य रिपब्लिकन नेताओं ब्रंडेन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगेल्स का समर्थन भी मिला है।

एच-1 बी वीजा पर विवाद: एच-1 बी अमेरिका का एक विशेष वर्क वीजा है, जिसके जरिए कंपनियां विदेशी पेशेवरों खासतौर पर आईटी, इंजीनियरिंग और रिसर्च जैसे क्षेत्रों में को नौकरी देती हैं। भारतीय पेशेवर इस वीजा के सबसे बड़े लाभार्थियों में रहे हैं। लेकिन लंबे समय से यह आरोप लगता रहा है कि कंपनियां इस वीजा का इस्तेमाल सस्ते विदेशी श्रमिकों को लाने के लिए करती हैं, जिससे स्थानीय अमेरिकी कर्मचारियों के अवसर प्रभावित होते हैं।

नए बिल का मुख्य प्रस्ताव

- तीन साल तक एच-1 बी वीजा पर पूरी रोक लगाने का प्रस्ताव
- हर साल जारी होने वाले वीजा की संख्या 65,000 से घटाकर 25,000 करने की सिफारिश
- मौजूदा लॉटरी सिस्टम खत्म कर चयन को वेतन के आधार पर करना
- न्यूनतम वेतन 2 लाख डॉलर सालाना तय करना

नियोक्ताओं पर भी सख्ती

बिल के तहत कंपनियों के लिए भी नियम कड़े किए गए हैं। कंपनियों को यह साबित करना होगा कि उन्हें कोई योग्य अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिला। हाल में छंटनी करने वाली कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। एच-1 बी कर्मचारियों को एक से ज्यादा नौकरी करने की अनुमति नहीं होगी।

ऑफ बीट

560 दिन बाद उतरा मोबाइल टावर से

पंजाब में एक अनोखा और लंबा विरोध आखिरकार खत्म हो गया। गुरजीत सिंह खालसा करीब 560 दिनों तक मोबाइल टावर पर बैठे रहने के बाद नीचे उतर आए। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग को लेकर यह विरोध शुरू किया था। गुरजीत 12 अक्टूबर 2024 को पटियाला के समाना इलाके में एक बीएसएनएल टावर पर चढ़ गए थे। यह टावर करीब 400 फीट ऊंचा बताया जाता है। इतने लंबे समय तक ऊंचाई पर रहकर विरोध करना अपने आप में एक दुर्लभ और चर्चा में रहने वाला आंदोलन बन गया। करीब 18 महीने तक चले इस आंदोलन को प्रशासन, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मिलकर समाप्त कराया। अधिकारियों ने विशेष योजना बनाकर क्रेन की मदद से गुरजीत सिंह खालसा को सुरक्षित नीचे उतारा। नीचे उतरते ही उनके समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। लोगों ने फूल बरसाए, नारे लगाए और उन्हें माला पहनाई।

आईपीएल में आज

चैन्नई बनाम गुजरात
समय : अपराह्न 3.30 बजे से
कोलकाता बनाम लखनऊ
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स जियोहॉटस्टार पर

परिणाम: पंजाब ने दिल्ली को 6 विकेट से हराया।
हैदराबाद ने राजस्थान को 5 विकेट से हराया।

साइबर पुलिस की कार्रवाई

अक्षय की बेटी से तस्वीरें मांगने वाला गिरफ्तार

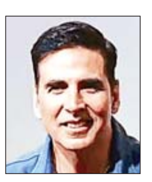

मुंबई, जेएनएन। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की नाबालिग बेटी से ऑनलाइन न्यूड तस्वीरें मांगने के मामले में महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला साल 2025 का है, जिसे लेकर खुद अक्षय कुमार ने सार्वजनिक मंच से जानकारी साझा की थी। महाराष्ट्र साइबर पुलिस के एडीजीपी यशस्वी यादव ने एक कार्यक्रम के दौरान इस गिरफ्तारी की पुष्टि की। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि आरोपी को कब गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब अक्षय कुमार की बेटी ऑनलाइन वीडियो गेम खेल रही थीं। कई गेम ऐसे होते हैं, जिनमें खिलाड़ी अनजान लोगों के साथ भी जुड़ सकते हैं और चैट कर सकते हैं। अक्षय ने पहले इस घटना का जिक्र करते हुए बताया था कि गेम के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी बेटी से बातचीत शुरू की। पहले उसने पूछा कि वह लड़का है या लड़की।

पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा आज नहीं उतारे जाएंगे महिलाओं के जेवर

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा की प्रारंभिक परीक्षा रविवार 26 अप्रैल को दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। मुख्य परीक्षा 07 से 12 सितंबर 2026 के बीच संभावित है। अतः जो अभ्यर्थी प्रीलिम्स में शामिल हो रहे हैं, उन्हें मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए कम समय मिलेगा। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा एवं राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा रविवार 26 अप्रैल 2026 को प्रदेश के 54 जिलों में बनाये गए 500 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।

रिसेप्शनिस्ट से रेप, बंधक बना कर पीटा, अगवा कर ले गए

आरोपी महिला ने बेटे और उसके दोस्त से करवाई वारदात प्राइवेट पार्ट से की छेड़छाड़ ■ पुलिस ने पीड़िता को खोजकर किया दस्तयाब, महिला और उसका बेटा गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार रोड इलाके में स्थित एक होटल में महिला ने बेटे और उसके दोस्त से रिसेप्शनिस्ट का रेप करवा दिया। उसके प्राइवेट पार्ट से भी छेड़छाड़ की गई। आरोपियों ने युवती को बंधक बनाकर मारपीट की और अगवा कर ले गए। महिला बोली- मेरे बॉयफ्रेंड से दूर रहो, नहीं तो जान से मरवा दूंगी। होटल में पानी न आने का बहाना बनाकर आरोपियों ने युवती को कमरे में बुलाया था। पुलिस ने टावर लोकेशन निकालकर पीड़िता को दस्तयाब किया और आरोपी महिला और उसके बेटे बिट्टू को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि आरोपी बिट्टू के दोस्त श्याम श्रीवास्तव की तलाश जारी है। पुलिस ने इस मामले में महिला समेत तीनों आरोपियों के खिलाफ रेप, बंधक बनाना, अपहरण करना, मारपीट, जान से मारने की धमकी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

कोलार पुलिस के मुताबिक, 23 वर्षीय युवती कोलार रोड स्थित एक होटल में रिसेप्शनिस्ट है। शुक्रवार रात करीब 9 बजे वह ड्यूटी पर थी। तभी आरोपी बिट्टू और एक युवक होटल पहुंचे। आरोपियों ने होटल में कमरा दिखाने को कहा, पीड़िता उनके साथ चली गई। कुछ ही देर में आरोपियों ने आवाज देकर दोबारा बुलाया और पानी न आने का बहाना बनाकर उसे कमरे के अंदर कर लिया। कमरे में जाते ही आरोपी बिट्टू ने युवती के साथ रेप किया। उसके दोस्त ने पीड़िता के प्राइवेट पार्ट से छेड़खानी की।

डीवीआर गायब मिली, शक होने पर लोकेशन निकाली

कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि होटल पर झगड़े की सूचना पर चार्ली पहुंची थी, लेकिन वहां ऐसा कुछ नहीं दिखा। बाद में एक एसआई को होटल भेजा गया। उसने बताया कि होटल में कोई नहीं दिख रहा। रिसेप्शनिस्ट भी नही है और कैमरे की डीवीआर गायब है। जिसे आरोपी अपने साथ ले गए थे। तब पुलिस ने होटल स्टाफ को बुलाया और पूछताछ की तो उन्होंने घटना के बारे में बताया। पुलिस ने आरोपी महिला विनिता का मोबाइल नंबर हासिल कर उसकी लोकेशन ट्रेस की। लोकेशन स्टेशन बजरिया आ रही थी। इस संबंध में स्टेशन बजरिया थाना पुलिस को सूचना दी गई।

रिसेप्शनिस्ट के बारे में पूछा को फोन काट दिया

पुलिस ने विनिता के मोबाइल पर पुलिस ने कई कॉल किए, लेकिन वह कॉल रिसीव नहीं कर रही थी। एक बार उसने कॉल रिसीव किया तो उससे घटना के संबंध में पूछा गया और रिसेप्शनिस्ट के बारे में पूछा। उसने बताया कि हम पार्टी करने निकले हैं। पुलिस ने पीड़िता से बात कराने को बोला तो उसने कॉल काट दिया। फिर से कई कॉल किए, विनिता ने फोन उठाया और पीड़िता से बात कराई। पीड़िता डरे और सहमे अंदाज में बोली कि मेरा अपहरण नहीं हुआ है, हम पार्टी करने के लिए निकले हैं।

पीड़िता की आवाज सुनकर संकट भांप गई पुलिस

थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की आवाज सुनकर वह भांप गए कि वह दबाव में आकर झूठ बोल रही है। इसके बाद घेराबंदी कर आरोपी महिला विनिता राजपूत को दबोच लिया और उसके चंगुल से पीड़िता को छुड़ाया। काउंसलिंग के बाद पीड़िता ने आपबीती सुनाई। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया और आरोपी विनिता राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। बाद में पुलिस ने आरोपी महिला के बेटे बिट्टू राजपूत को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी श्याम श्रीवास्तव की तलाश में जुटी है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि दोनों महिलाओं का होटल मालिक से अफेयर है, वह इन दिनों ग्वालियर में है। पीड़िता और होटल मालिक की फोन पर बातचीत होती थी।

के कविता ने लॉन्च की नई पार्टी 'टीआरएस'

हैदराबाद, जेएनएन। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पूर्व नेता के कविता ने शनिवार को अपनी नई राजनीतिक पार्टी 'तेलंगाना राष्ट्र सेना' (टीआरएस) की घोषणा कर दी। हैदराबाद के बाहरी इलाके में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम में उन्होंने पार्टी लॉन्च करते हुए अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन भी किया। खास बात यह है कि कविता ने वही नाम टीआरएस अपनाया है, जिसे उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पहले अपनी पार्टी के लिए इस्तेमाल किया था। बाद में उसी पार्टी का नाम बदलकर बीआरएस कर दिया गया था। के. कविता को सितंबर 2025 में बीआरएस से निलंबित कर दिया गया था। करीब सात महीने बाद उन्होंने अपनी अलग राजनीतिक राह चुनते हुए नई पार्टी का गठन किया है। कविता ने साफ किया कि उन्होंने बीआरएस खुद नहीं छोड़ी, बल्कि उन्हें और उनके समर्थकों को पार्टी से बाहर किया गया था।

देवास: 4 झोपड़ियों में लगी आग से जले सात लाख रुपए के नोट

ढाई लाख के अधजले नोटों की गड्डियां बरामद

जागरण, देवास। प्रदेश के देवास में शनिवार को चार झोपड़ियों में आग लग गई। इसमें एक व्यापारी के करीब सात लाख रुपए जल गए। मौके से ढाई लाख रुपए के अधजले नोटों की गड्डियां मिली हैं। आग की लपटों से झोपड़ियों के पास में बने खाटूश्याम मंदिर को भी नुकसान पहुंचा है।

हादसा देवास के नेवरी फाटा इलाके में दोपहर करीब 12.30 बजे चौकी के पीछे हुआ। आग लगने के बाद झोपड़ियों में रहने वाले लोगों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। हालांकि, उनकी गृहस्थी का अधिकांश सामान आग में जल गया। सूचना मिलते ही देवास और सोनकच्छ से फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर लगभग ढाई बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

झोपड़ी मालिक बाबूलाल नाथ ने बताया कि वह साबूदाना, निरमा, और प्लास्टिक टब बेचने देश के अलग-अलग राज्यों में जाते हैं। पिछले दिनों महाराष्ट्र में सामान बेचकर घर लौटे थे। घर में करीब सात लाख रुपए अलग-अलग हिस्सों में बांटकर रखे थे। आग लगते ही वह पत्नी और बेटी के साथ बाहर निकल आए। रुपए निकालने जाने लगे तो लोगों ने रोक लिया। कहा कि परिवार बच गया, यही ठीक है, जब तक आग बुझी तब तक रुपए जल चुके थे। करीब ढाई लाख रुपए के नोट ही अधजले मिले हैं। बाबूलाल ने बताया कि वह उधारी में सामान लाते हैं और एक-दो दिन बाद ही उधार चुकाने उन्हें इंदौर जाना था।

झोपड़ियों में लगी आग का दृश्य। यह आग करीब बने मंदिर तक भी पहुंच गई थी।

भारत अब स्पॉट मार्केट से खरीदेगा एलपीजी

ऊर्जा संकट के बीच केंद्र का बड़ा फैसला, जून-जुलाई तक अमेरिका से भारत पहुंचेगी पहली खेप

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब भारत की रसोई तक पहुंचने लगा है। एलपीजी (रसोई गैस) की सप्लाई पर दबाव बढ़ने के बीच भारत ने अब स्पॉट मार्केट से एलपीजी खरीदना शुरू कर दिया है, ताकि घरों और कारोबार में गैस की कमी न हो। पश्चिम एशिया दुनिया का बड़ा ऊर्जा सप्लायर है। लेकिन, हाल के संघर्ष के कारण वहां से सप्लाई प्रभावित हुई है। ऐसे में भारत, जो अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, अब तुरंत जरूरत पूरी करने के लिए स्पॉट खरीदारी कर रहा है। सरकारी तेल कंपनियां (ओएमसीएस) अब अमेरिका जैसे देशों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो खरीद रही हैं, जो जून-जुलाई तक भारत पहुंचने की उम्मीद है।

पहले भारत की लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी सप्लाई खाड़ी देशों (यूएई, कतर, सऊदी अरब आदि) से आती थी। लेकिन, अब सरकार ने रणनीति बदलते हुए आयात के स्रोत बढ़ा दिए हैं। अब इस लिस्ट में अमेरिका, नॉर्वे, कनाडा, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों को जोड़ा गया है। पहले 10 देशों से आयात होता था, अब इसे बढ़ाकर 15 देशों तक कर दिया गया है।

भारत की एलपीजी जरूरत कितनी है?

भारत में रोजाना करीब 80,000 टन एलपीजी की जरूरत होती है। अच्छी बात यह है कि देश ने अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाई है। पहले घरेलू उत्पादन कम था, जो अब बढ़कर करीब 46,000 टन प्रति दिन हो गया है, यानि अब भी एक बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है।

अमेरिका ने भारत के सोलर सेल पर लगाया 123% टैक्स

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका ने अचानक भारत को बड़ा झटका दिया है। भारत से आयात होने वाले सोलर सेल और मॉड्यूल पर 123.04 फीसदी की शुरुआती एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगा दी है। इस कदम से एक अहम एक्सपोर्ट मार्केट में शिपमेंट पर और रोक लग सकती है। हालांकि, इसका तुरंत असर शायद कम ही हो। कारण है कि कंपनियों ने अपने कारोबार को अलग-अलग जगहों पर फैला लिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अमेरिकी कॉमर्स डिपार्टमेंट ने कहा कि उसे अपनी जांच में क्रिटिकल सरकम्सटेंसेज (गंभीर हालात) मिले हैं। इस जांच में मुंद्रा सोलर एनर्जी, मुंद्रा सोलर पीवी, कोवा और प्रीमियर एनर्जी जैसी कंपनियां शामिल थीं। विभाग ने यह भी कहा कि लिक्विडेशन पर रोक उस ऑर्डर के पब्लिश होने से 90 दिन पहले तक के शिपमेंट पर भी लागू होगी। भारत की सोलर इंडस्ट्री ने इस फैसले की आलोचना की है। नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएसईएफआई) के सीईओ सुब्रह्मण्यम पुलिपाका ने कहा, जांच के नतीजे बुनियादी तौर पर गलत और बिना किसी तर्कसंगत आधार के लगते हैं।

बदलाव

जेन जी की भाषा ट्रेंड नहीं अब 'कोड' बन चुकी है, जिसे विशेषज्ञ भी नहीं समझ पा रहे

जेन जी स्लैंग को समझने में दिग्गज भी हुए नाकाम

नई दिल्ली, जेएनएन। भाषा हमेशा बदलती रही है, लेकिन आज के डिजिटल दौर में यह बदलाव पहले से कहीं ज्यादा तेज हो गया है। जेन जी की नई शब्दावली जिसे आमतौर पर 'स्लैंग' कहा जाता है, अब सिर्फ मजाक या ट्रेंड नहीं रह गई, बल्कि एक तरह का 'कोड' बन चुकी है। ऐसा कोड, जो कुछ लोगों को जोड़ता है और बाकी को बाहर कर देता है। दिलचस्प बात यह है कि इस बदलती भाषा को समझने की कोशिश सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि बड़े-बड़े सितारे और नेता भी कर रहे हैं लेकिन अक्सर नाकाम रहते हैं।

असल में यह पहली बार नहीं है जब नई पीढ़ी ने अपनी अलग भाषा बनाई हो। 1970 के दशक में 'ग्रोवी' और 'बमर', 1980 में 'रेडिकल' और 'डवीब' और 1990 में 'सप' और 'एज इफ' जैसे शब्द आए। हर दौर में ऐसे शब्द रहे हैं, जो उस समय के युवाओं की पहचान बनते थे और बड़ों को 'आउटसाइडर' जैसा महसूस कराते थे।

लेकिन जेन जी स्लैंग सिर्फ मजेदार या स्टाइलिश नहीं है। यह सामाजिक और राजनीतिक अनुभवों को भी व्यक्त करती है.उदाहरण के लिए मैन्सप्लैनिंग (जब पुरुष महिलाओं को जरूरत से ज्यादा समझाते हैं), गैसलाइटिंग (किसी को मानसिक रूप से भ्रमित करना), घोस्टिंग (अचानक संपर्क तोड़ देना) और कैंसल कल्चर (गलत व्यवहार पर सार्वजनिक बहिष्कार) जैसे शब्द सिर्फ ट्रेंड नहीं हैं, बल्कि समाज में मौजूद समस्याओं को नाम देते हैं और उन्हें सामने लाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जेन जी स्लैंग एक तरह की 'माइक्रो-सोसाइटी' बना रही है। जो लोग इन शब्दों को समझते हैं, वे एक समूह का हिस्सा बन जाते हैं। हालांकि पहले स्लैंग धीरे-धीरे फिल्मों, किताबों या पॉप कल्चर के जरिए फैलती थी। इंटरनेट ने अभी इसे वैश्विक बना दिया है।

रेयान गोसलिंग भी अटके

हॉलीवुड अभिनेता रेयान गोसलिंग ने अपनी फिल्म प्रोजेक्ट हैल मेरी के प्रमोशनल वीडियो में जेन जी स्लैंग इस्तेमाल करने की कोशिश की। उन्होंने 'टी' (गॉसिप), 'स्ले' (शानदार करना), 'नो कैप' (सच कहना) जैसे शब्द बोले। लेकिन यही वीडियो मजेदार इसलिए बन गया क्योंकि यह सब उनके मुंह से 'नेचुरल' नहीं लग रहा था। उनकी कोशिश में एक अजीब-सी असहजता दिखी और वही दर्शकों के लिए हंसी का कारण बन गई।

भारत में भी यही हाल

भारत में भी यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। युवा कलाकार जैसे अनन्या पांडे आसानी से 'एनजीएल' (नॉट गोना लाई) या 'गिविंग' जैसे शब्द समझा देती हैं, जबकि कई वरिष्ठ कलाकार इन शब्दों से अनजान नजर आते हैं। दूसरी ओर डलकोर सलमान जैसे कुछ अभिनेता इन शब्दों को समझते हैं और इसका श्रेय अपने जेन जी परिवार के सदस्यों को देते हैं। राजनीति भी इससे अछूती नहीं है। राहुल गांधी से जब छात्रों ने 'पोकी' (प्यार से बुलाने वाला शब्द) और 'रिज़' (आकर्षण/करिश्मा) का मतलब पूछा, तो उन्होंने मजाक में कहा- 'अब मैं फंस गया हूं।' इसी तरह शशि थरूर जैसे शब्दों के उस्ताद नेता भी 'फिन्स्टा' (फेक इंस्टाग्राम) और 'ओओटीडी' (आउटफिट ऑफ द डे) जैसे शब्द नहीं पहचान पाए।

कारोबारी से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 75 लाख की ठगी

वाट्सएप ग्रुप में जोड़कर फर्जी ट्रेडिंग पोर्टल दिखाया

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। आनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर एक कारोबारी से 75 लाख की ठगी सामने आई है। जालसाज ने फेसबुक पर एड देकर उन्हें अपने जाल में फंसाया था। इसके बाद उन्हें वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा और फर्जी ट्रेडिंग पोर्टल दिखाकर रकम ऐंठी। कारोबारी ने पैसे जमा करने से मना किया तो उन्हें सेबी से गिरफ्तारी का डल दिखाया। पीड़ित की रिपोर्ट पर सायबर क्राइम ब्रांच ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 42 वर्षीय योगेश चौहान कारोबारी हैं। सितंबर 2025 में फेसबुक चलाते समय उन्हें एक एड दिखा था। एड में बताया गया कि आनलाइन शेयर ट्रेडिंग में अच्छा खासा मुनाफा होगा। लिंक पर क्लिक करते ही वे सीधे 5 पैसा स्ट्रेटजी हब एफ-5 नाम के वाट्सएप ग्रुप पर जोड़ा गया। ग्रुप में रोजाना शेयर मार्केट के टिप्स और भारी मुनाफे के स्क्रीन शॉट शेयर किए जाते थे। एडमिन ने उनसे रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरवाकर एक फर्जी ट्रेडिंग वेबसाइट पर आईडी बना दी।

दिया मुनाफे का लालच: भरोसा जीतने 10 हजार निवेश कराकर थोड़ा मुनाफा दिखाया गया और रकम निकालने भी दी गई। इसके बाद बड़े रिटर्न का लालच देकर बैंक खातों में रकम जमा कराई जाती रही। ठगों ने आईपीओ में मोटा मुनाफा दिलाने का लालच दिया और 15 लाख रुपए जमा कराने को कहा। बाद में शेयर अलॉटमेंट का फर्जी पोर्टल दिखाकर पैसे मांगे। डर पैदा किया कि रकम पूरी नहीं की तो पैसा डूब जाएगा और सेबी में शिकायत कर गिरफ्तारी करवा देंगे।

पैसे निकालने पर ट्रांजेक्शन फेल: वर्चुअल वॉलेट में लाखों रुपए का बैलेंस दिखता रहा, लेकिन योगेश ने पैसे निकालने की कोशिश की तो ट्रांजेक्शन फेल होने लगे। इसके बाद आरोपियों ने और 10 लाख रुपए मांगे। इनकार करने पर उन्हें वाट्सएप ग्रुप से ब्लॉक कर दिया गया। इस तरह आरोपियों ने उनसे करीब 75 लाख रुपए ठग लिए।

साहित्य सृजन

कभी नहीं विश्राम

कदम-कदम हार के किस्से,
और जीत कहाँ देतीं पैगाम।
यशगान जिसके भी हो गये,
इतिहासों पर हुआ गुमनाम।।
भटकनों भरी जिंदगी सारी,
लिये भूख वह सुबहों शाम।
कीर्तिमान के गले में तमगे,
प्रतिभा के हो काम तमाम।।
चेहरे पर से चमक उतरती,
सुविधा बस चोट्टो के नाम।
कर्तव्यों पर कलंक लगें हैं,
रातों दिवस मचा कोहराम।।
चरण चाकरी जो करता है,
बनके रहता है यहाँ गुलाम।
सब कुछ उसको मिलते हैं,
नित दिन करते जो प्रणाम।।
स्वभिमान गिरवी हैं रखें,
उपलब्धि के तय करें दाम।
हो उनके नाम कीर्ति गाथा,
अपवादों पर लगते विराम।।
सफलता का नित्य हिस्सा,
समारोहों पर दिखें अयाम।
वर्ना अभी पटाक्षेप समझे,
मिलता नहीं कभी विश्राम।।

वीरेन्द्र प्रसाद सोनी, गपोली सदन अमरपाटन

चैती गीत

हरे-पात पियराए हो रामा, सैंया न आए।
आबा फागुन मास सुहाना, घर-घर गावहिं फगुआ गाना,
घने-घने घन छाए। हो रामा सैंया न आए।
शीतल-मंद बहे पछुआई, गाँव-गाँव मा ह्य अमराई।
डारि-डारि सुक भाए हो रामा सैंया न आए।
कोयल कुहके अमबा डारी, सुगना बजाए सुंदर तारी,
घने-पात लहराए, हे रामा सैंया न आए।
विविध-रंग के फूल खिले हैं, एक दुसरे के संग मिले हैं,
सुमन-बाग महकाए हो रामा सैंया न आए।
संग -सहेली ताना मारै, बार-बार हमही निहारे,
जिया मोर घबराए हो रामा सैंया न आए।
विनती रघुवर सुनिए स्वामी, तुम तो हो प्रभु अंतर्यामी,
सनम लौट घर आए हो रामा सैंया न आए।
हरे-पात पियराए हो रामा सैंया न आए।

बुद्धसेन शर्मा, नईगढ़ी

नेउता

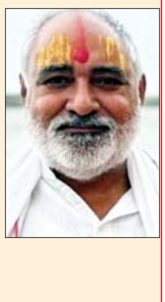

छानें चला,सफाया, देउता।
रोज मिलत हइ झारा नेउता।।
दिन के ड्यूटी नेउता संझा।
खरचा दून बिदाई झंझा।।
गाड़ी का पिटरउल पिआई।
खर खर नोट खलीसा नाई।।
नात गोत सग्गय ससुरारी।
पाँड़े पाठक दुबे तिवारी।।
फुफा घरे से कारठ आबा।
बरम पुजाई दानउ बाबा।।
चेला हइ घर मा इकलउता।
रोज मिलत हइ झारा नेउता।।
खरधरान ह्य नेउता तोरा।
एकउ दिन ना पाई ओरा।।
लीन्हे गाड़ी साँझ सकारे।
ठाढ़ा नेउता करी हँकारे।।
दाबी भर ह्य नेउता पाहन।
सड़क मिलै ना एकौ वाहन।।
कारठ के ह्य बहुत जुहउता।
रोज मिलत हइ झारा नेउता।।
तेल मसाला छोला खाए।
आँती सरिगै बाए बाए।।
नाना पहुना जीजा समधी।
सबको उगिलां पूर धुऐंधी।।
बिगड़ा पेट उपासै ठानी।
सोटी बलभर नेबुआ पानी।
फाँकी चूरन दिन के सारा।
संझा मसकी नेउता झारा।।
दउरी धोती ऊपर गाँठी।
खीस निकारे रूपिया बाँटी।
पनिगर पना पतेला सोटी।
झोंकम झोंक चना के रोटी।।
मटर पनीर कलौंजी भाँटा।
रोटी हइ तंदूरी आटा।।
नटई ठोंसी दइके बेउँता।
रोज मिलत हइ झारा नेउता।।

राम सुख सफाया, अँजोरा त्योंथर

प्रभु

हम जाएं कहां कुछ बताओ प्रभु,
मेरे जीवन की नैया चलाओ प्रभु,
मैं अज्ञानी ज्ञान न मुझको,
उतरूं कैसे भव के पार,
इस जग में है कोई न अपना,
तू ही तो बस है आधार,
ज्ञान की ज्योति मुझमें जलाओ प्रभु
मेरे जीवन की नैया चलाओ प्रभु
जीवन है सुख दुख की बगिया,
प्रभु तुम ही उसके माली,
कांटे जिसमे फूल भी सुंदर,
ऐसी जीवन की डाली,
मुझे कांटों मे चलना सिखाओ प्रभु
मेरे जीवन की नैया चलाओ प्रभु
मेरी नैया बीच भवर में,
जीवन सागर सा गहरा,
ऊंची नीची लहरें आएं,
जैसे काल का हो पहरा,
आहिस्ता लहर को उठाओ प्रभु,
मेरे जीवन की नैया चलाओ प्रभु
जिसको समझूं मै तो मेरा,
मेरा न कुछ है सब कुछ तेरा,
माटी का ये तन मेरा है,
जिस पर तेरी सांस का डेरा,
मेरी सांसों की डोरी बढाओ प्रभु,
मेरे जीवन की नैया चलाओ प्रभु,

आशीष सारंग, रीवा

नीला ड्रम

जीवन के तंत्र से चला, चलता ही तो रहा।
दुनिया की क्या सुनूँ जी, मैं अपनी सुना रहा।।
अपनी ही व्यथा से सँम्हल, जीवन चला रहा।
कौन किसकी जाने ये, मैं मौन चुप रहा।।
मन के सपने यूँ-हीं, मन में सजा रहा।
जैसे तैसे जिन्दगी, अपनी चला रहा।।
नीले ड्रम में पड़ा, ये मैं सोचता रहा।
कैसे जिन्दगी जिऊँ, जिन्दा ही मर गया।।

महेश शुक्ल, चिल्ड्रेन एकेडमी रीवा

मऊगंज में आज दो केन्द्रों में होगी राज्य सेवा की प्रारंभिक परीक्षा

प्रेक्षक सहित अधिकारियों ने लिया परीक्षा की तैयारियों का जायजा

मऊगंज। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा मउगंज जिले में 26 अप्रैल को दो केन्द्रों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो सत्रों में होगी। परीक्षा का पहला सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरा सत्र दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक आयोजित होगा। पीएमशासकीय केदारनाथ महाविद्यालय एवं शासकीय कन्या उमावि को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं, जिसके तहत जिले के लिए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राजकुमार पाठक को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक ने परीक्षा केन्द्रों निरीक्षण कर परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया और परीक्षा के लिए तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर पीके पाण्डेय और एसडीएम मऊगंज एपी द्विवेदी भी उनके साथ रहे।

उल्लेहखनीय है कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए आयोग के निर्देशानुसार परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के लिए एक नवीन त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया लागू की गई है, जिसके तहत परीक्षार्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग और एचएचएमडी के माध्यम से गहन तलाशी ली जाएगी। इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया गया है कि सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 90 मिनट पूर्व केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा ताकि समय पर जांच प्रक्रिया पूर्ण की जा सके। परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर ही अनुमति एवं वर्जित वस्तुओं की सूची चस्पा की जाएगी, जिसका कड़ाई से पालन करना प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए अनिवार्य है। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए दोनों सत्रों में फ्रिस्किंग (जांच) की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसमें पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष वीक्षकों द्वारा तथा महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला वीक्षकों द्वारा पृथक केबिन में की जाएगी। इसके अतिरिक्त, ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वे अपनी सुविधा अनुसार महिला अथवा पुरुष कर्मचारी से अपनी जांच करवा सकते हैं। परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को दी जाएगी जो इस त्रि-स्तरीय जांच प्रक्रिया से गुजरेंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए यह भी स्पष्ट किया गया है कि वे अपने साथ केवल बॉलपेन, एक पारदर्शी पानी की बोतल, ई-प्रवेश पत्र और अपना मूल पहचान पत्र ही ले जा सकेंगे।

जवा जनपद में 2 दर्जन ग्राम पंचायतों के हैंडपंप खराब

पानी के लिए परेशान तराई अंचल की जनता

सरपंचों ने कलेक्टर व पीएचई विभाग को पत्र लिखकर चेताया

जवा ब्यूरो। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड सिरमौर उपखंड जवा जनपद पंचायत जवा अंतर्गत लगभग 2 दर्जन ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने जिला कलेक्टर रीवा सहित पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री को पत्र लिखकर शीघ्र हैंडपंप मरम्मत कराये जाने की मांग की है। सरपंचों का कहना है कि पंचायतों में इस समय पानी का भीषण संकट उत्पन्न हो गया है। आधा सैकड़ा से ज्यादा ग्राम पंचायतों में बड़ी संख्या में हैंडपंप खराब पड़े हुए हैं, वहीं पीएचई विभाग के अधिकारी कर्मचारी एसी में बैठ कर आराम फरमा रहे हैं। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जवा के पूर्व अध्यक्ष व ग्राम पंचायत जोन्हा के सरपंच धनेन्द्र द्विवेदी ने जिला कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को पत्र लिखकर बताया कि हमारे ग्राम पंचायत में 15 हैंडपंप खराब पड़े हुए हैं किंतु आज तक कोई कर्मचारी सुधार करने नहीं आया। आदिवासी और हरिजन बस्तियों में पानी का सहारा हैंडपंप ही है लेकिन खराब पड़े हैंडपंप की वजह से गरीब तबके के लोगों को पानी के लिए कितना संघर्ष करना पड़ता होगा, अंदाजा लगाया जा सकता है।

यहां है विकट समस्या

भीषण गर्मी में लोगों को पानी के लिए कहीं लाइन तो कहीं कई किलोमीटरों चलकर जाना पड़ रहा है। इटमा, भड़रा, रौली, पटेहरा, लूक, पुरौना गाढ़ा 138, भनिगवां, नगमा, जनकहाई, नीवा, गोहटा, सितलहा, जवा-बरौली ठकुरान , डगडैया, गढ़वा, किरहाई, बड़ाछ, पतेरी, चौखंडी, तेंदुनी, बसरेही, अतरैला, कोनी, देवखर, गड़ेहरा, कल्याणपुर, कंचनपुर, बरहुला, खाझा, घूमन, चौर, कुठिला सहित कई पंचायतों में हैंडपंप खराब पड़े हुए हैं।

अर्धनग्न धरना-प्रदर्शन करेंगे

पीएचई विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के चलते आम जनता पानी के लिए दर-दर भटक रही है। गरीब हरिजन आदिवासियों की बस्ती के लोग नदी-नालों का गंदा पानी पीने के लिए विवश हैं । पीएचई विभाग के अधिकारियों की हालत यह है कि कार्यपालन यंत्री से लेकर सब इंजीनियर तक फोन नहीं उठाते हैं। वहीं जनपद अंतर्गत एक भी नल जल योजना नहीं चल रही है, कोई भी अधिकारी इस मामले को देखने को तैयार नहीं है। अगर एक सप्ताह के अंदर हैंडपंपों का सुधार नहीं हुआ तो जनपद के सभी सरपंच आम जनता के साथ मिलकर कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य विभाग रीवा के कार्यालय के सामने अर्धनग्न होकर धरना प्रदर्शन करेंगे।

स्वच्छता मानकों में किसी प्रकार की कोताही न हो

नगरीय प्रशासन संभागीय संयुक्त संचालक ने किया बैकुंठपुर एवं सिरमौर का निरीक्षण

विकास कार्यों का लिया जायजा, लगाई फटकार

आंचलिक डेस्क। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग रीवा एवं शहडोल संभाग के संभागीय संयुक्त संचालक हरिशंकर मिश्रा ने रीवा जिले की नगर परिषद बैकुंठपुर एवं नगर परिषद सिरमौर का विस्तृत भ्रमण कर स्वच्छता और विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। जेडी ने दोनों नगर परिषदों में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वच्छता मानकों में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए और शहर को रैंकिंग में ऊपर लाने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस प्रयास किए जाएं। भ्रमण के दौरान श्री मिश्रा ने पेयजल व्यवस्था की गंभीरता से जांच की। जल प्रदाय योजना के तहत विभिन्न स्थलों से पानी के नमूने लिए गए और उनकी शुद्धता का परीक्षण किया गया। लापरवाही पर फटकार भी लगाई। जल स्रोतों के संरक्षण हेतु वाटर बॉडी की सफाई, रैन वाटर हार्वेस्टिंग और पर्यावरण सुधार के कार्यों का भौतिक सत्यापन किया गया। आगामी मानसून को देखते हुए पौधारोपण हेतु खोदे गए गड्ढों और उनकी फेंसिंग का निरीक्षण कर कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान नगर परिषद की मुख्य नगरपालिका अधिकारी निधि सिंह, उपयंत्री पीयूष सिंह, जितेंद्र श्रीवास्तव, विक्रम सिंह, कमल मिश्रा सहित अन्य विभागीय कर्मचारी व स्वच्छता पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष बने प्रवीण

कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

सेमरिया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष की अनुशंसा पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रवीण त्रिपाठी को किसान मोर्चा का रीवा जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति का गर्मजोशी से स्वागत किया है। प्रवीण लंबे समय तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं, जिससे उनकी सांगठनिक क्षमता और अनुशासन की पहचान बनी। इससे पूर्व वह भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री के पद पर रहकर पार्टी की जमीनी पकड़ को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। अपनी इस नियुक्ति पर श्री त्रिपाठी ने कहा कि पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूँगा। श्री त्रिपाठी ने पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष ,भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सहित शीर्ष नेतृत्व को हृदय की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

गौ सम्मान अभियानः 27 को सौंपा जाएगा ज्ञापन

चाकघाट। गौवंश की रक्षा के लिए समूचे देश में एक साथ आवाज उठाने के लिए आगामी 27 अप्रैल को गौ सम्मान आह्वान अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक , तहसील एवं जिला कार्यालय में जाकर आम जनों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपे जाने की योजना निश्चित की गई है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर निश्चित किया गया है जिसके त्योंथर तहसील में 27 अप्रैल को गौभक्त जन समूह के साथ ज्ञापन सौंपा जाएगा। कार्यक्रम के स्थानीय संयोजक डॉ. रोहित तिवारी एवं उनके सहयोगीजनो ने क्षेत्रीय नागरिकों से आग्रह किया है कि इस गौसम्मान अभियान के तहत कार्यक्रम की सफलता के लिए और गौ माता के संरक्षण हेतु ज्ञापन देने हेतु त्योंथर पहुंचे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत में गौ हत्या पर पूर्णत प्रतिबंध लगे, गौ माता को राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर अथवा राष्ट्रीय आधार पर सम्मानित पद प्रदान किया जाए। गौ सेवा हेतु केंद्रीय कानून लागू हो और केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय बने। गोचर बोर्ड बने, गांवों में गोचर भूमि सुरक्षित किया जाए। इस अभियान के लिए समूचे क्षेत्र से गौभक्त तहसील मुख्यालय में उपस्थित होकर ज्ञापन सौंपेंगे।

मलेरिया उन्मूलन के लिए मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता

सिविल अस्पताल मऊगंज में मनाया गया विश्व मलेरिया दिवस

मऊगंज ब्यूरो। सिविल अस्पताल मऊगंज में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खण्ड चिकित्सा अधिकारी प्रद्युम्न शुक्ला सहित अस्पताल के डॉक्टर, नर्स एवं पैरा मेडिकल स्टाफ की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाव और उसके उन्मूलन के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर बीएमओ प्रदुमन शुक्ला ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय रहते सावधानी बरतकर इससे पूरी तरह बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि 'अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा' के संदेश के साथ मलेरिया उन्मूलन के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने मलेरिया के लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि साफ-सफाई बनाए रखना, आसपास पानी जमा न होने देना, मच्छरदानी का उपयोग करना तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना बेहद जरूरी है।

पैरा मेडिकल स्टाफ द्वारा लोगों को यह भी बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति को बुखार, ठंड लगना, पसीना आना जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए, ताकि समय रहते उपचार शुरू किया जा सके।

मलेरिया उन्मूलन का लिया संकल्प

कार्यक्रम के दौरान अस्पताल परिसर में उपस्थित लोगों ने मलेरिया उन्मूलन के लिए संकल्प लिया और जागरुकता फैलाने का संदेश दिया। इस आयोजन के माध्यम से मऊगंज स्वास्थ्य विभाग ने यह स्पष्ट किया कि जनसहभागिता और जागरुकता ही मलेरिया जैसी बीमारियों को जड़ से समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय है।

हर महिला हितैषी कदम पर कांग्रेस ने चुना विरोध का रास्ता : सिसोदिया

भाजपा जिला मऊगंज की पत्रकार वार्ता

मऊगंज ब्यूरो। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का प्रस्ताव वोटिंग के दौरान खारिज होने पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी जिला मऊगंज द्वारा पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें पत्रकारों को संबोधित करने के लिए महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष(रीवा-मऊगंज)श्रीमती संतोष सिंह सिसोदिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं जिसमें उन्होंने विपक्षी दलों के असहयोग एवं उनके रवैये के बारे मे जानकारी दी, साथ ही इसे लेकर विपक्ष की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि हाल ही में लोकसभा में जो घटनाक्रम हुआ, वह केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के अधिकारों से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर विषय है। महिला विरोधी गठबंधन ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रभावी बनाने वाले 131वें संविधान संशोधन विधेयक को रोककर अपनी वास्तविक मानसिकता उजागर कर दी है। इस पर विपक्ष जश्न मनाता रहा। विपक्ष का जश्न, हर महिला का अपमान है। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, समाजवादी पार्टी और पूरे इंडि गठबंधन ने एक ऐतिहासिक अवसर को बाधित किया। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में यह एक निर्णायक कदम था, जिसे राजनीतिक स्वार्थों के कारण रोक दिया गया। यह लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को टालने का स्पष्ट उदाहरण है। कांग्रेस का इतिहास महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने का रहा है। शाहबानो प्रकरण, तीन तलाक अनुच्छेद 370 से प्रभावित कश्मीरी महिलाओं के अधिकार का विरोध किया। हर महिला-हितैषी कदम पर कांग्रेस ने विरोध का रास्ता चुना है। प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा महिलाओं के लिए 'इस्तेमाल' जैसी भाषा का उपयोग करना भारत की सांस्कृतिक भावना के विरुद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं को शक्ति मानकर उन्हें सशक्त किया गया है। महिलाएं यह अवश्य याद रखेंगी कि 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रशस्त किया जबकि कांग्रेस ने दशकों तक केवल वादे किए। देश की 70 करोड़ महिलाएं इस घटनाक्रम को देख रही हैं, समझ रही हैं और इसे याद रखेंगी। विपक्ष को यह आक्रोश हर चुनाव, हर स्तर और हर स्थान पर झेलना पड़ेगा। यह मुद्दा अब केवल संसद तक सीमित नहीं रहेगा। यह जन-जन का मुद्दा बनेगा। प्रेसवार्ता मे भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रकाश चौरसिया , जिला मीडिया प्रभारी अजय कुमार मिश्रा (रज्जू) जिला मीडिया सह प्रभारी राजाराम गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

सड़कों एवं नालियों के ऊपर ठेला या दुकान न लगाएं

नगर परिषद वासियों से सीएमओ गुढ़ की अपील

गुढ़ (नि. प्र)। नगर परिषद गुढ़ के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोहित शुक्ला द्वारा नगर वासियों, समस्त व्यापारी बंधुओं तथा छोटे-बड़े सब्जी विक्रेताओं से अपील की गई है कि वे सड़कों एवं नालियों के ऊपर किसी भी प्रकार का सामान, ठेला या दुकान न लगाएं। साथ ही सब्जी विक्रेता केवल निर्धारित सब्जी मंडी में ही अपनी दुकान संचालित करें। बताया गया है कि सड़कों एवं नालियों पर अतिक्रमण करने से आवागमन बाधित होता है, जिससे आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त कुछ होटल संचालक एवं दुकानदार अपने प्रतिष्ठानों में डस्टबिन का उपयोग न कर कचरा सीधे सड़कों पर फेंक रहे हैं, जिससे नगर को स्वच्छ बनाए रखने में गंभीर कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं। सभी नगरवासी इन आदतों में सुधार करते हुए नगर परिषद क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त एवं स्वच्छ बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। अन्यथा निरीक्षण के दौरान अपील की अवहेलना करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए आर्थिक दंड लगाया जाएगा।

पंजाब किंग्स ने आईपीएल का रिकार्ड रन चेज कर दिल्ली को घर में 6 विकेट से हराया

राहुल आईपीएल में 150+ रन बनाने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली, जेएनएन। श्रेयस अय्यर और प्रभसिमरन सिंह के अर्धशतक की मदद से पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड रन चेज करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को उनके घर में 6 विकेट से हरा दिया और इस सीजन की छठी जीत हासिल की। इस जीत के साथ पंजाब की टीम के 13 अंक हो गए और ये टीम अंकतालिका में पहले स्थान पर मजबूती के साथ बनी हुई है। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 35वें मैच में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स का सामना पंजाब किंग्स से हुआ। दिल्ली ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इसके बाद दिल्ली ने केएल राहुल की नाबाद 152 रन की पारी के दम पर 20 ओवर में 2 विकेट पर 264 रन बनाए।

केएल राहुल इस मैच में 152 रन बनाकर नाबाद रहे और ये उनके आईपीएल करियर की बेस्ट पारी भी रही। यही नहीं वो आईपीएल में सबसे ज्यादा बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बैटर भी बने। पथुम निसांका 11 रन के स्कोर पर आउट हुए। केएल राहुल ने अपना अर्धशतक पंजाब के खिलाफ इस मैच में 26 गेंदों पर पूरा किया जबकि उन्होंने अपना शतक 47 गेंदों पर लगाया। नितिश राणा ने 29 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और 91 रन बनाकर आउट हुए। नितिश और राहुल के बीच दूसरे विकेट के लिए 95 गेंदों पर 220 रन की साझेदारी हुई। पंजाब के लिए अर्शदीप और बार्टलेट ने एक-एक विकेट लिए।

एनगिडी को गंभीर चोट, एम्बुलेंस से ले गए बाहर

तीसरे ओवर में मैच के दौरान दिल्ली के पेसर लुंगी एनगिडी को चोट लग गई। अक्षर पटेल की फुल गेंद पर प्रियांश आर्या ने शॉट खेला, गेंद हवा में गई और मिड-ऑफ से लुंगी एनगिडी कैच के लिए पीछे दौड़े। कैच जज करने में चूक के चलते वह पीछे की ओर गिर पड़े। मेडिकल टीम ने तुरंत पहुंचकर उनका इलाज शुरू किया। एनगिडी को एंबुलेंस से हॉस्पिटल लेकर गए हैं। चोट के चलते खेल रोका गया था, जो करीब 15 मिनट बाद शुरू हुआ।

इशान-अभिषेक के अर्द्धशतक वैभव के शतक पर पड़े भारी, हैदराबाद ने राजस्थान को हराया

1119 दिन बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद पर राजस्थान रॉयल्स को नहीं मिली जीत

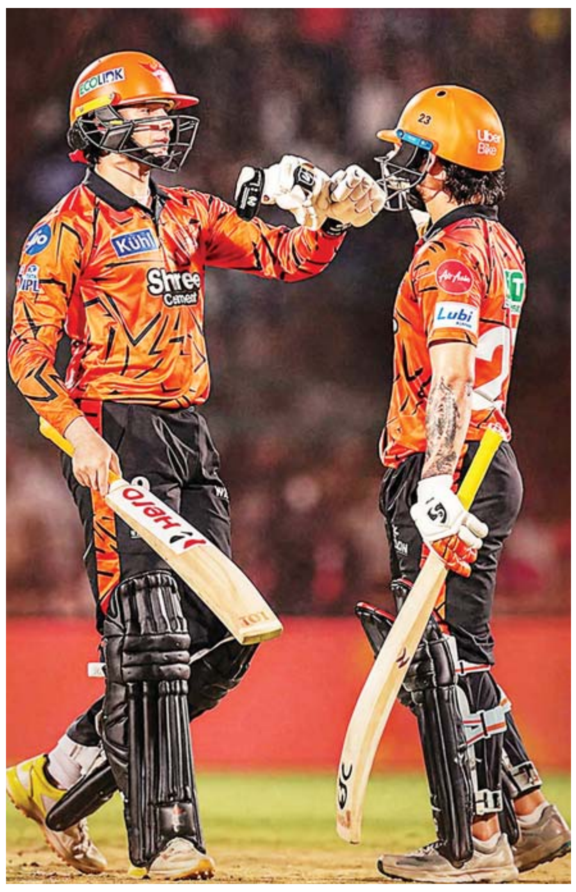

जयपुर, जेएनएन। सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हरा दिया है। आईपीएल 2026 में यह हैदराबाद की लगातार चौथी जीत है, वहीं राजस्थान रॉयल्स की यह एसआरएच के हाथों लगातार छठी हार है। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी की 103 रनों की शतकीय पारी की बदौलत राजस्थान की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 228 रन बनाए थे. जवाब में हैदराबाद ने 229 रन बनाकर आईपीएल में अपना दूसरा सबसे बड़ा रन चेज किया। राजस्थान रॉयल्स पिछले 1,119 दिनों से आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद को हरा नहीं पाई है। एसआरएच पर राजस्थान रॉयल्स की आखिरी जीत 2 अप्रैल, 2023 के दिन आई थी। उस मुकाबले को तीन साल से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन राजस्थान की हार का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस दौरान हैदराबाद की टीम राजस्थान को लगातार 6 बार मात दे चुकी है।

वैभव का शतक गया बेकार

वैभव सूर्यवंशी ने मात्र 36 गेंदों में शतक पूरा किया। यह आईपीएल के इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक रहा। आईपीएल में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज शतक (35 गेंद) लगाने का रिकॉर्ड पहले ही उनके नाम है। इस शतक के दम पर राजस्थान की टीम 228 के स्कोर तक पहुंच पाई। इस मैच में पैट कमिंस की वापसी हुई, उन्होंने आते ही टॉस जीता और पहले गेंदबाजी चुनी। टॉस हारकर पहले खेलने उतरी राजस्थान की टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 228 रन का स्कोर खड़ा किया। वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंद पर 103 रन की तूफानी पारी खेली।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

अभिषेक (हैदराबाद)	380
वैभव (राजस्थान)	357
केएल राहुल (दिल्ली)	357

पर्पल कैप (गेंदबाज)

अंशुल कंबोज(चेन्नई)	14
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	14
प्रिंस यादव (लखनऊ)	13

बाउंड्री मीटर

650 छक्के
1148 चौके
73 अर्धशतक

पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो 36 गेंदों पर 71 रन बनाकर नाबाद रहे।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	7	6	0	13	1.333
बेंगलुरु	7	5	2	10	1.101
हैदराबाद	8	5	3	10	0.815
राजस्थान	8	5	3	10	0.602
चेन्नई	7	3	4	6	0.118
दिल्ली	7	3	4	6	-0.184
गुजरात	7	3	4	6	-0.790
मुंबई	7	2	5	4	0.736
लखनऊ	7	2	5	4	-1.277
कोलकाता	7	1	5	3	-0.879

केकेआर और एलएसजी के बीच मैच में रहाणे और पंत की कप्तानी की होगी परीक्षा

लखनऊ, जेएनएन। कहा जाता है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी अच्छी उसकी टीम होती है तथा ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे के लिए यह कड़वी सच्चाई साबित हो रही हैं जिनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में आमने-सामने होंगी। आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी केकेआर ने रहाणे को कप्तान बनाए रखकर साहसिक फैसला किया लेकिन उनकी अगुवाई में टीम इस सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। केकेआर को अपनी पहली जीत दर्ज करने में सात मैच लगे। यह जीत भी उसे सामूहिक प्रयास से नहीं बल्कि रिंकू सिंह के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बदौलत मिली। रहाणे ने अब तक कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं जो कि इस प्रारूप में जरूरी है। उनकी उम्र लगभग 38 वर्ष है और ऐसे में उन्हें लंबी अवधि तक टी20 टीम का कप्तान बनाए रखना इस प्रारूप की मांगों के अनुरूप नहीं लगता है। कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती के नहीं चल पाने से भी रहाणे की मुश्किलें बढ़ी। यही नहीं टीम अभी तक सही संयोजन भी तैयार नहीं कर पाई है।

घरेलू पिच पर खराब प्रदर्शन जारी

एलएसजी का अपने घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन इस साल भी जारी रहा। पिछले सत्र में उसे यहां खेले गए आठ मैचों में से छह में हार मिली, जिसमें लगातार पांच हार शामिल हैं। इस साल उसने यहां तीन मैच गंवाए हैं। एलएसजी ने इस मैदान पर खेले गए कुल 24 मैचों में से केवल नौ में जीत हासिल की है। उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी रही है और शीर्ष क्रम के बार-बार लड़खड़ाने से मध्य क्रम की कमजोरियां उजागर हो गई हैं। विदेशी खिलाड़ियों में निकोलस पूरन (73 रन) और एडन मार्क्रम (162 रन) उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं।

रचिन ने नहीं खेला एक भी मैच

रचिन रविंद्र को अभी तक एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला है जबकि उनके देश न्यूजीलैंड के फिन एलन और टिम सीफर्ट के बीच बिना किसी स्पष्टता के अदला-बदली का खेल चल रहा है। रहाणे के कप्तान के रूप में कुछ फैसले भी टीम के लिए सही नहीं रहे। पिछले कुछ मैच में वह स्वयं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उन पर दबाव बढ़ गया है। केकेआर भले ही इकाना स्टेडियम में कुछ हद तक लय में उतरें, लेकिन उसके अभी केवल तीन अंक हैं और उसे अपने शेष सात मैचों में से कम से कम छह में जीत हासिल करनी होगी जो उसके प्रदर्शन को देखकर असंभव लगता है।

सीएसके लय हासिल करने की कोशिश में, गुजरात टाइटंस की नजर वापसी पर

चेन्नई, जेएनएन। पिछले कुछ मैचों शानदार प्रदर्शन करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। दूसरी तरफ लगातार दो हार का सामना करने वाली गुजरात टाइटंस की टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी। सीएसके ने इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं की थी लेकिन इसके बाद उसने शानदार वापसी करके अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत हासिल की है। इसमें मुंबई इंडियंस पर 103 रन की जीत भी शामिल है, जिसमें संजू सैमसन ने सत्र का अपना दूसरा शतक लगाया था।

सीएसके टीम अच्छी स्थिति में

रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली सीएसके के अभी छह अंक हैं और वह प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए आगे किसी भी तरह की गलतियों से बचने के लिए प्रतिबद्ध होगी। सीएसके की टीम अभी अच्छी स्थिति में नजर आ रही है। मुंबई के खिलाफ उसे सैमसन की शानदार पारी और अकील हुसैन की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन के कारण बड़ी जीत मिली।

खराब फील्डिंग ने बढ़ाई गुजरात की मुश्किलें

आरसीबी के खिलाफ अपने पिछले मैच में भी गुजरात 230 से अधिक का स्कोर बनाने की स्थिति में दिख रही था, लेकिन उसके बल्लेबाज 16वें और 19वें ओवर के बीच वे तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे, जो बाद में निर्णायक साबित हुआ। खराब फील्डिंग ने उसकी मुश्किलें और बढ़ा दीं हैं। विराट कोहली ने जब खाता भी नहीं खोला था तब उनका आसान कैच छोड़ दिया गया था जो काफी महंगा साबित हुआ। गुजरात के पास प्रसिद्ध कृष्णा, कागिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं जबकि युवा अशोक शर्मा ने भी छह विकेट लेकर योगदान दिया है।

कोहली की मानसिकता उन्हें दूसरों से अलग करती है: दहिया

बेंगलुरु, जेएनएन। गुजरात टाइटन्स के सहायक कोच विजय दहिया ने विराट कोहली की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान की लगन और हमेशा अपने खेल में सुधार करने की ललक उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज कोहली ने 44 गेंद पर 81 रन बनाए जिससे उनकी टीम ने गुजरात को पांच विकेट से हराया। उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। दहिया ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, मैच के बाद वह कह रहे थे कि वह इसे शतक में बदल सकते थे। इससे उनकी मानसिकता का पता चलता है। उन्होंने कहा,जब आप स्थिति को अपने नियंत्रण में कर लेते हैं तो फिर आप गेंदबाजों को अपनी इच्छानुसार गेंदबाजी करने के लिए मजबूर कर सकते हैं। इस विकेट पर खेलना आसान नहीं था लेकिन उन्होंने इसे आसान बना दिया। मुझे लगता है कि यह अद्भुत है। दहिया ने कहा कि यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने अपनी यह पारी विश्व स्तरीय गेंदबाजों के खिलाफ खेली। उन्होंने कहा, अच्छा करने की उनकी इच्छाशक्ति, उनकी मानसिकता उन्हें अन्य लोगों से अलग करती है। वह अब भी तेजी से रन चुराने में माहिर हैं। वह युवा खिलाड़ियों को अतिरिक्त रन बनाने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। अच्छा प्रदर्शन करने की उनकी यही लगन और ललक उन्हें सबसे अलग बनाती हैं। दहिया ने कहा, वह किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं खेल रहे हैं।

अल्काराज कलाई की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

मैड्रिड, जेएनएन। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं। अल्काराज़ ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी। स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए था और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए था। उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब सोमवार को मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स समारोह में हिस्सा लिया तो उनकी कलाई में पट्टी बंधी हुई थी। उन्हें इस समारोह में विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। अल्काराज़ ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया।

रियल मैड्रिड ने रियल बेटिस के खिलाफ ड्रॉ खेला, खिताब जीतने की उम्मीदों को झटका

मैड्रिड, जेएनएन। रियल मैड्रिड का इस सीजन ला लीगा खिताब जीतने का सपना लगभग टूटता नजर आ रहा है। रियल बेटिस के खिलाफ 1-1 के ड्रॉ ने टीम की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। अगर मैड्रिड यह मुकाबला जीत जाती, तो एफसी बार्सिलोना पर दबाव बन सकता था। अब बार्सिलोना के पास बढ़त और मजबूत करने का मौका है। मैच की शुरुआत में मैड्रिड ने शानदार खेल दिखाया। किलियन म्बाप्पे की मौजूदगी ने टीम के अटैक को धार दी और 17वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल फेडेरिको वाल्वरडे के शॉट के बाद आया, जिसे बेटिस के गोलकीपर अल्वारो वैलेस सही तरीके से क्लियर नहीं कर पाए। बेटिस ने जल्द ही खुद को संभाला और जवाबी हमले शुरू कर दिए। एंड्री लुनिन ने कई शानदार बचाव किए, जिससे मैड्रिड की बढ़त बरकरार रही।

खेल एक नजर

ओलंपिक पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी गुरबख्श सिंह का निधन

चंडीगढ़, जेएनएन। ओलंपिक हॉकी पदक विजेता गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का यहां जीरकपुर में शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। गुरबख्श 1968 के मैक्सिको सिटी ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। उन्होंने अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ एक ही ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस तरह से वे उन कुछ भाईयों की जोड़ी में शामिल हैं जो एक साथ ओलंपिक में खेले। गुरबख्श ने अपने खेल करियर के अलावा पश्चिमी रेलवे में खेल अधिकारी के रूप में काम किया, जहां उन्होंने राजस्थान की कई प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें रेलवे हॉकी टीम में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रोमांचक मुकाबले में गवाद से हारे अभय सिंह

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के अभय सिंह ज्यूरिख में चल रही पीएसए गोल्ड स्तर की प्रतियोगिता ग्रासहॉपर कप स्क्वाश के पुरुष क्वार्टर फाइनल में मिस्र के पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी करीम गवाद से हार गए। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने पहले गेम में 0-6 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उसे टाई-ब्रेक तक पहुंचाया। उन्होंने दूसरे गेम में भी विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी को कड़ी चुनौती दी।

स्लैपगेट पर ऐड बनाकर हरभजन ने 1 करोड़ कमाए, माफी वाला बयान नाटक: एस. श्रीसंत

आईपीएल 2008 का थप्पड़कांड फिर चर्चा में

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत और पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह के बीच हुआ थप्पड़ कांड आईपीएल इतिहास की सबसे शर्मनाक घटनाओं में से एक माना जाता है। आईपीएल के पहले सीजन (आईपीएल 2008) में घटी ये घटना हर साल उस समय चर्चा में आ जाती है, जब आईपीएल का आयोजन हो रहा होता है। एस. श्रीसंत ने हरभजन सिंह पर बयान देते हुए उस घटना को फिर से चर्चा में ला दिया है। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंत ने हरभजन सिंह पर तीखा हमला करते हुए उन पर इस घटना से आर्थिक लाभ कमाने का आरोप लगाया है। श्रीसंत की टिप्पणियों में एक ऐड का जिक्र था।

मैच के दौरान हरभजन ने मारा था थप्पड़

श्रीसंत टूर्नामेंट के पहले, 2008 एडिशन में बदनाम 'स्लैपगेट' घटना का शिकार हुए थे। मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच एक मैच के दौरान, हरभजन और श्रीसंत के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान हरभजन ने श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया।

मैं माफ कर दूंगा लेकिन भूलूंगा नहीं

पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि उन्होंने कभी भी किसी सार्वजनिक इंटरव्यू में हरभजन या इस घटना के बारे में बात नहीं की, लेकिन जब ऐड आया, तो उन्हें गुस्सा आ गया और उन्होंने तुरंत हरभजन को इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया। श्रीसंत ने एक इंटरव्यू में कहा, मैंने कभी किसी इंटरव्यू में भज्जी के बारे में बात नहीं की। यह पहली बार होने जा रहा है। हाल तक कोई समस्या नहीं थी, लेकिन उन्होंने एक बार फिर इस पर एक ऐड बनाया। इससे लगभग 80 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये कमाए। फिर उन्होंने मुझे कॉल किया और इस पर एक स्टोरी डालने को कहा। मैंने उनसे कहा, मैं माफ कर दूंगा लेकिन कभी नहीं भूलूंगा।

जे.एस आनंद ट्रॉफी क्रिकेट में भोपाल डिवीजन बनी चैंपियन

इंदौर, खेल प्रतिनिधि। सीनियर वोमेंस जे. एस.आनंद ट्रॉफी लिमिटेड ओवर इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में तनिष्का सेन की घातक गेंदबाज़ी से भोपाल डिवीजन ने इंदौर डिवीजन को 25 रनो से हराकर चैंपियन बनी मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीनियर वोमेंस जे. एस. आनंद ट्रॉफी इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट लिमिटेड ओवर में आज इंदौर के होल्कर स्टेडियम में इंदौर डिवीजन और भोपाल डिवीजन के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। भोपाल डिवीजन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों मे 7 विकेट पर 177 रन बनाये , जिसमें खुशी यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 49 रनों की नाबाद पारी खेली,सौम्या तिवारी ने 45 रन और निकिता सिंह ने 26 रन बनाये। इंदौर डिवीजन से गेंदबाजी में अनादि एवं प्रियंका कौशल नें 2-2 विकेट लिया। जवाब में इंदौर डिवीजन ने बल्लेबाजी करते हुए 48.3 ओवरों में 152 रन बनाकर ऑल आउट हो गयीं जिसमें प्रियंका कौशल ने 56 रन, आशना पाटीदार और वैष्णवी व्यास ने 24-24 रन बनाये। भोपाल डिवीजन से गेंदबाजी में तनिष्का सेन ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से 5 विकेट एवं निकिता सिंह ने 2 विकेट लिए।

संभागीय नजूल भूमि निर्वतन समिति की बैठक 27 को

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय नजूल भूमि निर्वतन समिति की बैठक 27 अप्रैल को सुबह 11.30 बजे कमिश्नर कार्यालय में आयोजित की गयी है। बैठक में रीवा एवं मऊगंज जिलों द्वारा प्रस्तुत प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

कमिश्नर 27 अप्रैल को करेंगे स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 27 अप्रैल को सतना एवं सीधी जिले में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक कमिश्नर कार्यालय में दोपहर 12.30 बजे आरंभ होगी। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य तथा दोनों जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सुलग रही छुहिया घाटी, जंगल में नष्ट हुए कई औषधीय पौधे

एक सप्ताह से धधक रही आग नहीं पड़ रही ठंडी

जागरण, रीवा। गोविंदगढ़ स्थित छुहिया घाटी के विंध्य पर्वत श्रृंखला में भीषण आगजनी से कई पौधे जलकर नष्ट हो गए। जंगल में लगी आग की लपटें और धुएं का धुंध लगातार देखा जा रहा है। प्रशासन द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन तापमान और तेज हवाएं इसमें बाधा बन रही हैं, जिससे बीते एक सप्ताह से जंगल धधक रहा है। बताया गया कि स्थानीय लोग ओर नगर परिषद गोविंदगढ़ के प्रयासों से फायर ब्रिगेड के माध्यम से पहाड़ का मात्र एक हिस्सा शिकारगाह का इलाका ही सुरक्षित हो पाया है। बताया गया है कि पहाड़ी में पिछले एक सप्ताह से आग लगी हुई है और भीषण रूप से पूरे जंगल एवं पहाड़ में फैल गई है। शासन प्रशासन फॉरेस्ट एवं दमकल विभाग को मिलकर युद्ध स्तर पर लगकर आग बुझाने की आवश्यकता है नहीं तो आग की लपटें पूरे जंगल को जला डालेंगी।

डभौरा वन परिक्षेत्र में भी लगी आग

वन परिक्षेत्र डभौरा अंतर्गत कोटा सिन्हर धुरकुच गोंता के जंगल में तीन दिन से भीषण आग लगी हुई है। बताया जा रहा है कि जंगल में तीन दिनों से लगी आग की सूचना दी गई लेकिन अब तक संबंधित विभाग द्वारा आग पर काबू पाने के उचित प्रयास नहीं किए गए हैं। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि तीन दिन से जंगल में आग लगी हुई है, वन विभाग के अधिकारी अभी तक आग बुझाने में नाकाम रहे हैं। आग कैसे लगी, किन कारणों से लगी, इसका पता फिलहाल नहीं चल पाया है। नगर परिषद डभौरा कार्यालय में मौजूद एक फायर ब्रिगेड आग बुझाने में नाकाम सिद्ध हो रहा है।

सावधानः बाइकर्स गैंग महिलाओं के गले में मार रहा झपट्टा, बढ़ी चेन स्नैचिंग

जागरण, रीवा। शहर में बाइकर्स गैंग महिलाओं, वृद्ध सहित आम लोगों के लिए मुसीबत का पर्याय बना हुआ है। कमजोर टार्गेट को आरोपी निशाना बना रहे हैं। शनिवार को सिविल लाइन थाना क्षेत्र के नई बस्ती पड़रा में काम से घर लौट रही महिला को बाइक सवार दो की संख्या में रहे नकाबपोश बदमाशों ने अपना शिकार बनाया। महिला के गले में झपट्टा मारपीट चेन स्नैचिंग कर आरोपी फरार हो गए। महिला ने घर पहुंचकर घटना की जानकारी परिजनों को दी जिसके बाद शिकायत डायल 112 पुलिस से की गई है। पीड़िता गुड़िया सोनी पति संतोष सोनी 35 वर्ष निवासी नईबस्ती पड़रा ने बताया कि वह काम से वापस घर पैदल लौट रही थी, जैसे ही वह कुछ दूरी पर पहुंची बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश मौके पर पहुंचे और गले से चेन खीचकर फरार हो गए। महिला ने बताया कि वह रोल्ड गोल्ड का चेन पहने हुई थी, जो सोने का नहीं था। बहरहाल , सोना समझकर बदामशों ने चेन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम दिया। मोहल्ले के अंदर बाइकर्स गैंग द्वारा की जा रही घटनाओं के बाद पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के अलग-अलग मोहल्लों में इन दिनों बाइकर्स गैंग का आतंक बढ़ता जा रहा है। बेखौफ बदमाश तेज रफ्तार बाइक से आते हैं और महिलाओं को निशाना बनाकर उनके गले से चेन छीनकर फरार हो जाते हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से स्थानीय लोगों में डर का माहौल बन गया है। बताया जा रहा है कि ये बदमाश दो या तीन की संख्या में बाइक पर सवार होकर सूनसान या कम भीड़ वाले इलाकों को टारगेट करते हैं। खासतौर पर सुबह और शाम के समय महिलाएं इनके निशाने पर रहती हैं। कई मामलों में पीड़ित महिलाओं को गिराकर घायल भी किया गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पुलिस की गश्त न के बराबर नजर आ रही है, जिससे बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि संवेदनशील इलाकों में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी मजबूत की जाए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामलों की जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

इस तरह की सावाधानी जरूरी

- सुनसान रास्तों पर अकेले जाने से बचें
- कीमती गहनों को खुला पहनकर बाहर न निकलें
- बाइक में पीछे बैठी महिलाएं अपने पर्स को बाए कंधे में रखें
- संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

गुढ़ हाईवे में अलग-अलग सड़क हादसे में दो घायल

रीवा। गुढ- सीधी नेशनल हाईवे पर शुक्रवार की रात दो अलग-अलग सड़क हादसे सामने आए। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पहली घटना ट्रक और ट्रेलर के बीच हुई भिड़ंत में सामने आई। शराब से लोड वाह्न ढाबा के सामने खड़े एक ट्रेलर से टकरा गया। इसी तरह दूसरी घटना में बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसे घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि गनीमत रही की दोनों ही मामलों में जनहानि नहीं हुई और सिर्फ वाह्न चालक चोटिल हुए। बताया गया कि हादसे नेशनल हाईवे के किनारे संचालित ढाबा और मैरिज गार्डन के सामने हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार एक 407 वाह्न रीवा वेयर हाउस से शराब लोड कर सिंगरौली के लिए निकला था। ट्रक जैसे ही गुढ़ स्थित राजा चौरसिया ढबा के पास पहुंचा, उसका एक्सीडेंट हो गया। ढाबा के सामने ही ट्रेलर खड़ा था। इसी ट्रेलर से शराब से भरा 407 वाह्न टकरा गया। इस हादसे में वाह्न बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में चालक को चोट आई है।

अस्पताल में उपचार के लिए तड़पता रहा मरीज भड़के परिजनों ने जमकर किया हंगामा

सिरमौर स्थित सिविल अस्पताल का मामला

जागरण, रीवा। अज्ञात पदार्थ के सेवन से गंभीर मरीज को परिजन सिविल अस्पताल सिरमौर लेकर पहुंचे जहां करीब तीन घंटे मरीज पोर्च के नीचे तड़पता रहा और उसको उपचार नसीब नहीं हुआ। मरीज की मौत के बाद परिजनों के सब्र का बांध टूट गया और उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप था कि मरीज 3 घंटे अपनी जान बचाने के लिए तड़पता रहा और उसके परिजन चीखते-चिल्लाते रहे लेकिन डॉक्टर के कान में जू तक नहीं रेगी और अंत में मरीज की जान चली गई। जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया, बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया। बताया गया है कि बाल्मीक साकेत निवासी ग्राम कोलहा थाना सिरमौर को अज्ञात पदार्थ के सेवन के चलते सिविल हॉस्पिटल सिरमौर उपचार के लिए लाया गया था। जहां परिजन उसे अस्पताल की पोर्च के नीचे लिटाकर चिकित्सकों के पास चले गए। लेकिन सिविल अस्पताल में मौजूद चिकित्सक न तो मरीज को देखने आए और ना ही उसे उपचार के लिए अस्पताल के अंदर ले जाया गया। तकरीबन 3 घंटे तक परिजन उपचार के लिए चिकित्सकों के सामने गिड़गिड़ाते रहे।

कार की कार से टक्कर के बाद शुरू हुई मारपीट, लगा रहा जाम

रीवा। शहर के फ्लाई ओवर ब्रिज में सिविल लाइन कॉलोनी के तरफ जाने वाले मार्ग में दो कारों के बीच मामूली टक्कर के बाद जमकर हंगामा हुआ। बीच सड़क पर कार सवारों के बीच पहले तो कहासुनी हुई और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान तमाशबीनों की भीड़ मौके पर जमा हो गई साथ ही जाम की स्थित भी निर्मित हुई। कुछ देर बाद लोगों ने मामला शांत कराया जिसके बाद आवागमन बहाल हो सका।

महाराष्ट्र के पुणे में मिला नाबालिग बालक

रीवा। हनुमना थाना क्षेत्र अंतर्गत एक 11 साल का बालक घर में बिना बताए कहीं चला गया था, परिजनों ने बालक की गुमशुदगी की शिकायत 15 अप्रैल को हनुमना थाना में दर्ज करवाई थी। करीब दस दिन बाद पुलिस ने लापता हुए बालक को महाराष्ट्र के पुणे से दस्तयाब कर उसे परिजनों को सौंप दिया है। हनुमना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गुमशुदा बालक के बाबा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी की उनका पोता जिसकी उम्र 11 साल 05 माह है, 14 अप्रैल की सुबह करीबन 07.30 बजे घर से खेलने के लिए घर के बाहर सड़क तरफ निकला था जो शाम तक वापस नही आया तो घर के लोग उसकी तलाश में लग गए। रिश्तेदारी में भी पता लगाया लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस का मामला कायम कर विवेचना में लिया, जिसके बाद अलग-अलग टीमें बनाकर गुमशुदा बालक की पता तलाश की गयी जिसे पुणे महाराष्ट्र से दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया गया।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433, 9981287311

वैवाहिकी
म.प्र. निवासी सरयूपारी ब्राह्मण 'गर्ग गोत्र' शिक्षा- बी.ई., रंग गोरा, उम्र 33 वर्ष, कद 5'8" के विवाह हेतु समकक्ष या तलाक सुदा ब्राह्मण 'कन्या' की आवश्यकता है, विवाह हेतु अतिशीघ्र संपर्क करें।
संपर्क नं. 9826308896

Minerva The Medicity A Multi Superspeciality Hospital
मिनर्वा द मेडिसिटी मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा विशेष सूचना कार्डियक सर्जरी पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.) 9893516364, 8770288324 टोल-फ्री नंबरः- 18008892250

REWA INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE New Delhi | Affiliation No.- 1031367
Where Every Student is Valued .... Science, Art, Commerce
ADMISSION OPEN 2026-27 Nursery to 12th
Call: 9806154224, 8120154224
Add.: Ward 15, Gadariya, Ratahara, Rewa (M.P.)
Email: ripsrewaschool@gmail.com

रीवा में प्रत्येक माह के अंतिम रविवार बंसल हॉस्पिटल, भोपाल द्वारा डायबिटीज, थायराइड, हार्मोन डिसऑर्डर लिवर, पैंक्रियाज, गॉलब्लैडर पाचन तंत्र के कैंसर एवं लिवर ट्रांसप्लांट ओपीडी
डॉ. शैलेष बंसीवाल एमबीबीएस, एमडी, डीएम (एंडोक्रिनोलॉजी) एंडोक्रिनोलोजिस्ट
डॉ. कृपा शंकर तिवारी
भाग्यवती मेडिकल स्टोर समान तिराहा न्यू बस स्टैण्ड रीवा (म.प्र.) 9201458535

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
मो.-7247097637
परामर्श क्लीनिकः शॉप नं. 86 तानसेन कॉप्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध है
07662-314775, 7771000668, 777100669
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा

मिनर्वा आई.वी.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर) (निः संतान दंपतियों के लिए)
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा स्त्री एवं प्रसूति रोग MBBS, MS (ऑब्स & गायनी)
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830 खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

GANDHI ADARSH HR. SEC. SCHOOL, RATAHRA, REWA
37 वर्षों से संचालित विश्वास का प्रतीक
ADMISSION OPEN Session- 2026-27
Cont. - 9229488345, 9424787885, 9039974644

BBS MEMORIAL HR. SEC. SCHOOL AZAD NAGAR, REWA (M.P.)
BBS KIDS ZONE 9424777617
ADMISSION OPEN For Nursery to 12th
NO ADMISSION FEE

डॉ. अनुशा पाण्डेय एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ऑब्स एण्ड गायनी)
श्री समाधान सोनोग्राफी सेंटर 8085813545

DEEP JYOTI HIGHER SECONDARY SCHOOL
Add.: Behind New Bus Stand Sanjay Nagar, Rewa (M.P.)
Cont.: 9575501555, 07662353614
ADMISSION OPEN Session - 2026-27
DEEP JYOTI MIDDLE SCHOOL Sanjay Nagar Rewa (M.P.)
Cont.: 8225083111, 8349218075

विंध्य के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. पी.सी. द्विवेदी एम.एस. (नेत्र)
आस्था मेडिकल स्टोर, ढेकहा तिराहा, रीवा
समयः शाम 5 बजे से 7 बजे तक
8966825155, 7225925922, 9179687302

प्रार्थना हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
24x7, ICU, NICU
डॉ. संदीप पटेल MBBS, MD (मेडिसिन)
पी.टी.एस. न्यू बस स्टैंड रोड, फ्लाईओवर के बगल में, रीवा
संपर्क करें: 756690 8666, (07662) 469015

डॉ. बीरभान सिंह एम.डी. (मेडिसिन) DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक
कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट
पताः श्रवण कुमारी स्कूल के पास, गुढ़ रोड चिरहुला, रीवा (म.प्र.) मो. 7869516171

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com